जबलपुर सोमवार 04 मई 2026 > शक संवत 1948 वैशाख शुक्ल पक्ष तृतीया संवत 2083

वर्ष 31 अंक 306 > मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 930135969 पर कॉल करें।

कोलकाता ने अपनी प्लेऑफ की उम्मीद को जिंदा रखा

▶▶ 10

मौसम

अधिकतम तापमान 39.2°C

न्यूनतम तापमान 20.8°C

सूर्योदय - 5.35 | सूर्यास्त - 6.39

नलकूप खनन हेतु पूर्व से लेनी होगी अनुमति अथवा

▶▶ 2

किसी में हिम्मत नहीं कि मुझे मरवा दे...

▶▶ 7

अधिकारियों ने किया उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण

▶▶ 8

आज खत्म होगा इंतजार...मिलेंगे पांच नये सूबेदार

पश्चिम बंगाल के फाल्टा विधानसभा क्षेत्र में पुनर्मतदान 21 मई को

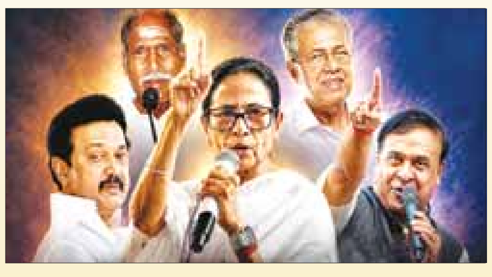

नई दिल्ली (वार्ता)। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी विधानसभाओं तथा विभिन्न राज्यों के आठ विधानसभा क्षेत्रों के उप चुनावों की मतगणना कड़ी सुरक्षा के बीच सोमवार सुबह आठ बजे शुरू होगी। पश्चिम बंगाल में दक्षिण 24 परगना जिले की फाल्टा विधानसभा क्षेत्र में पुनर्मतदान कराये जाने के चुनाव आयोग के निर्णय के अनुसार वहां 21 मई को फिर मतदान कराया जायेगा। राज्य की शेष 243 सीटों के चुनावों की मतगणना कल सुबह आठ बजे शुरू होगी। सभी राज्यों में शुरुआती आधे घंटे में पोस्टल बैलेट पेपर की मतगणना होगी। इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन से की जा रही मतगणना पूरी होने से पहले पोस्टल बैलेट पेपर की मतगणना हर हाल में पूरी कर ली जायेगी। रात तक सभी राज्यों के चुनावों के नतीजे आ जाने की उम्मीद है। चुनाव आयोग के सूत्रों के अनुसार पांचों राज्यों में मतगणना के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। सभी मतगणना केन्द्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं। पश्चिम बंगाल में कुल 294 सीटों के लिए 2926 उम्मीवार मैदान में हैं। यहां मतगणना के लिए 77 पुलिस पर्यवेक्षक तैनात किये गए हैं। इसके अलावा 165 विधानसभा क्षेत्रों में विशेष पर्यवेक्षक तैनात किये गए हैं। पश्चिम बंगाल में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच है। कांग्रेस और वामपंथी दल भी जोर आजमाइश में हैं। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में 4023 उम्मीदवार अपनी चुनावी किस्मत आजमा रहे हैं। राज्य में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ द्रविण मुनेत्र कषगम के नेतृत्व वाले गठबंधन और विपक्षी अन्ना द्रमुक- भाजपा गठबंधन के बीच है। इस बार अभिनय की दुनिया से तमिलनाडु की राजनीति के अखाड़े में उतरे सी जोसफ विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम ने कुछ सीटों पर मुकाबला त्रिकोणीय बना दिया है। असम की कुल 126 सीटों के लिये 722 उम्मीदवार मैदान में है। राज्य में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस के बीच है। केरल में 140 सीटों के लिए 890 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। राज्य में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेतृत्व वाले वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) और कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा के बीच है। भाजपा भी राज्य में पूरे दम खम के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में लगी है। पुडुचेरी में 30 सीटों के लिए 294 उम्मीदवार अपनी चुनावी किस्मत आजमा रहे हैं। पुडुचेरी में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और कांग्रेस की अगुवाई वाले विपक्षी गठबंधन के बीच सीधा मुकाबला है।

एसी में ब्लास्ट से 9 लोगों की मौत

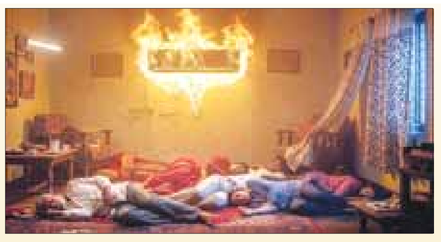

नई दिल्ली। दिल्ली के विवेक विहार स्थित एक इमारत में रविवार तड़के करीब 3.47 बजे भीषण आग लग गई। इस हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग बुरी तरह झुलस गए हैं। फायरकर्मियों ने बिल्डिंग में लगी आग पर काबू पा लिया है। फिलहाल कूलिंग ऑपरेशन जारी है। अधिकारियों ने हताहतों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई है, क्योंकि सर्च अभियान अभी जारी है। फायर कर्मी ने बताया कि फायर कंट्रोल रूम को तड़के करीब 3.47 बजे सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही 14 फायर टेंडर मौके पर पहुंच गए और आग पर काबू पाने और बिल्डिंग में फंसे हुए लोगों को निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया है। बचाव दल ने धुएं के गुबार के बीच से 12 से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू कर लिया है। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शुरुआती जांच में बिल्डिंग में आग का कारण एसी ब्लास्ट बताया जा रहा है। आग किस मंजिल या हिस्से से शुरू हुई, इसकी जांच की जा रही है। फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है, लेकिन कूलिंग की प्रक्रिया अभी-भी मौके पर चल रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बिल्डिंग के दूसरी मंजिल पर स्थित एक फ्लैट में एसी ब्लास्ट के कारण आग लगी थी जो तीसरी मंजिल तक पहुंच गई। बताया जा रहा है कि तीसरी मंजिल पर आग लपटें पहुंचने के बाद लोग फ्लैट में मौजूद लोग खुद को बचाने के लिए छत की ओर भागे, लेकिन छत का दरवाजा बंद था, जिसके बाद उनकी आग से मौत हो गई। वहीं, दूसरी मंजिल पर भी चार लोग मौजूद थे, जिसकी मौत हो गई है। वहीं, फायरकर्मियों का कहना है कि तीन लोगों के शव बिस्तर पर ही मिले हैं।

आधार कार्ड से जुड़े नियमों पर सुनवाई आज

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच 4 मई को आधार कार्ड जारी करने के नियमों को सख्त बनाने से जुड़ी जनहित याचिका पर सुनवाई करेगी। याचिका में मांग की गई है कि घुसपैठियों के दुरुपयोग को रोकने के लिए आधार जारी करने की प्रक्रिया में कड़े बदलाव किए जाएं। याचिकाकर्ता ने कहा है कि नया आधार कार्ड केवल 6 साल तक के बच्चों को ही जारी किया जाए, जबकि किशोरों और वयस्कों के लिए सख्त गाइडलाइन बनाई जाए।

पिकनिक के दौरान नदी में डूबे तीन युवक

पुणे।

महाराष्ट्र के पुणे जिले में पवना नदी किनारे पिकनिक मनाने गए युवकों के साथ हादसा हो गया। सात दोस्तों के ग्रुप में से तीन युवक नदी में डूब गए। पुलिस के अनुसार, यह घटना मावल तहसील के थुगांव के पास दोपहर में हुई। तीन युवक नदी की गहराई का अंदाजा नहीं लगा सके और पानी में फिसल गए। उनके साथियों ने शोर मचाया, लेकिन तब तक तीनों डूब चुके थे।

47 हजार टन एलपीजी से भरा टैंकर ने होर्मुज पार किया

नई दिल्ली (वार्ता)।

सरकार ने बताया है कि भारत के लिए 46 हजार 313 टन एलपीजी लेकर आ रहे मार्शल आईलैंड के एक गैस टैंकर सर्व शक्ति ने शनिवार को सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर लिया और इसके 13 मई को विशाखापत्तनम पहुंचने की उम्मीद है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर ऊर्जा तथा अन्य क्षेत्रों की स्थिति के बारे में जानकारी देते हुए रविवार को जारी वक्तव्य में कहा कि इस गैस टैंकर पर 18 भारतीय नाविक भी सवार हैं और वे सभी सुरक्षित हैं।

ईरान ने अमेरिका को भेजा 14 सूत्रीय नया प्रस्ताव

हम सभी मोर्चों पर जंग खत्म करने को तैयार

वॉशिंगटन।

ईरान ने अमेरिका समर्थित 9 सूत्रीय शांति प्रस्ताव के जवाब में रविवार को अपना विस्तृत 14 सूत्रीय प्रस्ताव भेज दिया है। पाकिस्तानी मध्यस्थ के जरिए भेजे गए इस जवाब में तेहरान ने केवल अस्थायी सीजफायर के बजाय संघर्ष को पूरी तरह खत्म करने की इच्छा जताई है। वाशिंगटन के दो महीने के सीजफायर के प्रस्ताव को खारिज करते हुए ईरान ने सभी विवादों को 30 दिनों के अंदर सुलझाने की बात कही है। इस प्रस्ताव में भविष्य के हमलों के खिलाफ गारंटी, अमेरिकी सेना की वापसी और नौसैनिक नाकेबंदी को खत्म करने जैसी शर्तें शामिल हैं। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इस प्रस्ताव का रिव्यू करने की बात कही है। हालांकि, ट्रंप ने संदेह जताते हुए कहा है कि ईरान ने अब तक अपने दशकों के कृत्य की पर्याप्त कीमत नहीं चुकाई है। ईरान ने अमेरिका समर्थित 9 सूत्रीय प्रस्ताव का औपचारिक रूप से जवाब देते हुए एक विस्तृत 14 सूत्रीय योजना प्रस्तुत की है, जिसमें उसने चल रही दुश्मनी को समाप्त करने के लिए अपनी शर्तें बताई हैं। तेहरान ने अपनी शर्तों में स्पष्ट किया है कि वह अस्थायी सीजफायर से आगे बढ़कर संघर्ष का व्यापक समाधान चाहता है, जबकि वाशिंगटन ने अपने प्रस्ताव में दो महीने के सीजफायर का प्रस्ताव रखा था, लेकिन ईरान ने लंबे वक्त तक चलने वाले सीजफायर के विचार को खारिज करते हुए जोर दिया कि सभी मुख्य मुद्दों का समाधान 30 दिनों के अंदर किया जाना चाहिए। ईरान ने अपने इस प्रस्ताव में क्षेत्र के सुरक्षा और आर्थिक ढांचे को नया रूप देने, भविष्य के हमलों के खिलाफ गारंटी, अमेरिकी सेना की वापसी और नौसैनिक नाकेबंदी को खत्म करने जैसी शर्तें शामिल हैं। साथ ही ईरान ने द्विपक्षीय मुद्दों के अलावा लेबनान समेत सभी मोर्चों पर लड़ाई खत्म करने का आह्वान किया है। उसने सामरिक रूप से महत्वपूर्ण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में सुरक्षा और नेविगेशन के लिए एक नया तंत्र बनाने का भी सुझाव दिया है।

इस प्रस्ताव का स्वीकार होना मुश्किल

ईरान के इस प्रस्ताव पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि वो ईरान के नए प्रस्ताव की जल्द ही जांच करेंगे, लेकिन उन्होंने संकेत दिया कि इसे स्वीकार करना मुश्किल है। ट्रंप का मानना है कि ईरान को अपनी पिछली कार्रवाइयों के लिए और अधिक जवाबदेह होना चाहिए। फिलहाल पाकिस्तान के माध्यम से बातचीत जारी है, लेकिन समुद्री विवाद और ट्रंप के बयानों ने सुलह की राह में नई मुश्किलें खड़ी कर दी हैं।

समुद्री डकैती के बयान पर बवाल

वहीं, शांति वार्ता के बीच दोनों देशों में तनाव तब बढ़ गया जब राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिकी नौसैनिक कार्रवाई की तुलना समुद्री डकैती से कर दी। ट्रंप ने शुक्रवार को कहा था कि अमेरिकी बलों ने एक जहाज और उसका माल जब्त किया है और वो समुद्री लुटेरों की तरह हैं, लेकिन वे खेल नहीं रहे हैं। उन्होंने इन जब्ती को बहुत लाभदायक व्यवसाय बताया। इस बयान पर ईरान ने कड़ी नाराजगी जताते हुए अमेरिका पर कानूनी समुद्री डकैती करने का आरोप लगाया है।

ट्रंप का आचरण गैरकानूनीः ईरान

ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाही ने ट्रंप की टिप्पणी को गैरकानूनी आचरण का सीधा स्वीकारोक्ति बताया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय और संयुक्त राष्ट्र से अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून के उल्लंघन को खारिज करने की अपील की है। तेहरान ने अपने तेल ले जा रहे दो टैंकरों, मेजेस्टिक एक्स और टिफनी की जब्ती को ऊंचे समुद्र पर सशस्त्र डकैती करार दिया है। ईरान का तर्क है कि यह वैश्विक समुद्री मानदंडों को कमजोर करता है।

मोदी सरकार में प्रेस की आजादी हुई कमजोरः खड़गे

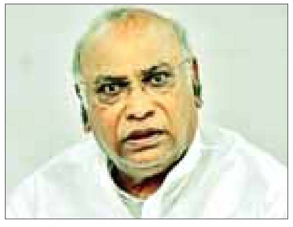

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर मोदी सरकार पर आरोप लगाया है कि उसके 2014 में सत्ता में आने के बाद से देश की विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में स्थिति बिगड़ी है और भारत दुनिया में प्रेस की आजादी को लेकर 157वें स्थान पर पहुंच गया है जो अत्यंत चिंताजनक स्थिति है। खड़गे ने सोशल मीडिया एक्स पर रविवार को एक पोस्ट में कहा कि विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र को एक कठोर और अकाट्य वास्तविकता का सामना करना होगा। उन्होंने लिखा कि सच्ची स्वतंत्र प्रेस का अस्तित्व सरकार की कहानी को बढ़ावा देने या उसकी असफलताओं को छिपाने के लिए नहीं है। प्रेस का काम सत्ता के कामकाज की जांच करना, सवाल पूछना और सत्ता में बैठे लोगों को जवाबदेह बनाना है। लोकतंत्र में मीडिया शक्ति और जनता के बीच संतुलन बनाए रखती है। पत्रकार जनता के सत्य के संरक्षक हैं। खड़गे ने इस सम्बंध में पंडित जवाहरलाल नेहरू का उद्धरण देते हुए कहा, प्रेस की स्वतंत्रता केवल एक नारा नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अनिवार्य अंग है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान शासन में यह अनिवार्य अंग गंभीर रूप से प्रभावित हो गया है। उन्होंने संघ परिवार पर हमला किया और कहा कि उसने कानूनी ढांचे को हथियार बनाकर समाचार कक्षों को चुप कराने की कोशिश की है। मानहानि, राष्ट्रीय सुरक्षा और अन्य सख्त कानूनों का इस्तेमाल न्याय के बजाय डराने-धमकाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने आंकड़े देते हुए बताया कि 2014 से 2020 के बीच 135 से अधिक पत्रकारों को गिरफ्तार, हिरासत या पूछताछ में लिया गया। वर्ष 2014 से 2023 तक 36 पत्रकार जेल भेजे गए। कई पर यूएपीए जैसे कड़े कानून लगाए गए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार अब सोशल मीडिया पर भी कड़ी पकड़ बनाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र पत्रकारिता को सजा मिलेगी और आज्ञाकारिता को इनाम, भाजपा-आरएसएस का यही संदेश है।

इंदौर में होगा ब्रिक्स कृषि मंत्रियों का वैश्विक सम्मेलन

इंदौर। मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में 9 जून से होने वाले ब्रिक्स कृषि मंत्रियों के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन होगा। रविवार को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ बैठक कर व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की और इसे ऐतिहासिक अवसर बताया। मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि यह सम्मेलन भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के कृषि क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आयोजित यह सम्मेलन खाद्य सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन, कृषि व्यापार और किसान कल्याण जैसे विषयों पर नई दिशा तय करेगा।

आईएएस एकेडमी की डायरेक्टर का अपहरण

पिस्टल सटाकर 2 करोड़ वसूले

भोपाल।

भोपाल में 9 बदमाशों ने बुधवार दोपहर दिल्ली की आईएएस एकेडमी की डायरेक्टर को किडनैप कर लिया। 4 घंटे बंधक बनाकर रखा। कनपटी पर पिस्टल सटाकर करीब 1 करोड़ 89 लाख रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर करा लिए। वारदात के बाद मास्टरमाइंड प्रियंक शर्मा विदेश भागने की तैयारी में था, लेकिन रविवार को भोपाल एम्स से पकड़ा गया। मास्टरमाइंड के साथ 5 सहयोगी भी पकड़े गए हैं, जबकि 3 आरोपी फरार हैं। भोपाल क्राइम ब्रांच पुलिस तलाश कर रही है। पुलिस के मुताबिक, वारदात को अंजाम देने वाला कोई बाहरी नहीं, बल्कि उसी संस्थान की फ्रेंचाइजी चलाने वाला युवक है। आरोपी भेल के एक रिटायर्ड अधिकारी का बेटा है। वह पहले दिल्ली में रहकर आईएएस कोचिंग के जरिए यूपीएससी की तैयारी कर चुका है। डायरेक्टर शुभ्रा रंजन के मुताबिक आरोपी ने भोपाल में कोचिंग की दूसरी ब्रांच खोलने और उस जगह का निरीक्षण कराने के बहाने उन्हें बुलाया। वह दिल्ली से भोपाल आई थीं।

वह शहर के एक नामी होटल ताज में ठहरी थीं। बुधवार को आरोपी प्रियंक शर्मा उन्हें होटल से 2-3 बजे के करीब अपने साथ ले गया। इसके बाद बागसेवनिया इलाके के एक फ्लैट में ले जाकर बंधक बना लिया। जान से मारने की धमकी दी। कनपटी पर पिस्टल रखी। जान बख्शने के एवज में अलग-अलग खातों में पैसे ट्रांसफर कराए गए।

भारत का सबसे बड़ा प्राइवेट सैटेलाइट 'दृष्टि' लॉन्च

ऑप्टिकल और रडार से फोटो लेने वाला दुनिया का पहला उपग्रह

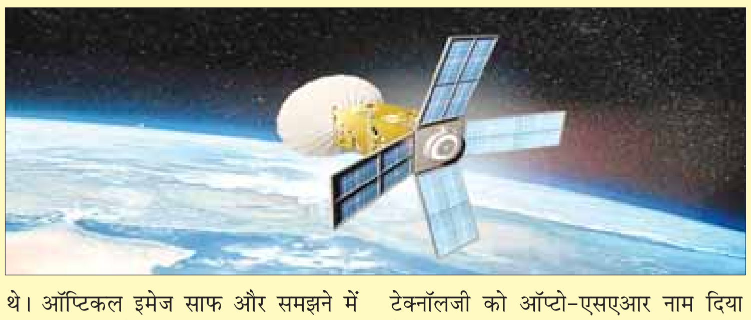

नई दिल्ली। भारतीय स्टार्टअप गैलेक्सआई ने रविवार को अमेरिकी कंपनी स्पेसएक्स के फाल्कन 9 रॉकेट से अपना पहला सैटेलाइट 'दृष्टि' लॉन्च किया। 190 किलो वजन के साथ दृष्टि भारत का सबसे बड़ा प्राइवेट सैटेलाइट है। दृष्टि सैटेलाइट एक साथ ऑप्टिकल और रडार दोनों से फोटो ले सकता है। अब तक दुनिया के सैटेलाइट या तो मल्टी-स्पेक्ट्रल/हाइपर-स्पेक्ट्रल इमेज लेते थे या एसएआर तकनीक का इस्तेमाल करते थे। ऑप्टिकल इमेज साफ और समझने में आसान होती हैं। एसएआर यानी सिंथेटिक अपर्चर रडार तकनीक बादलों, बारिश या रात में भी इमेजिंग कर सकती है। गैलेक्सआई ने टेक्नॉलजी को ऑप्टो-एसएआर नाम दिया है। दृष्टि से रक्षा, खेती, डिजास्टर मैनिज्मन्ट, समुद्री निगरानी और इंफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग जैसे कामों में मदद करेगा। यह सैटेलाइट इसरो के 29 अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट्स का साथ देगा। कंपनी के संस्थापक सुयश सिंह के मुताबिक, पहले बेहतर जानकारी के लिए अलग-अलग सैटेलाइट का डेटा जोड़ना पड़ता था। इससे अलग-अलग समय और एंगल की तस्वीरों का मेल नहीं बैठता था। 'दृष्टि' एक ही समय में एक ही जगह की सटीक तस्वीर देगा।

उन्होंने बताया कि खराब मौसम में ऑप्टिकल इमेज नहीं मिलने पर कंपनी एआई से एसएआर डेटा को ऑप्टिकल जैसी तस्वीरों में बदल सकती है। इससे हर मौसम और हर समय इमेजिंग संभव होगी।

इस लेडी अफसर को चाहिए ऐसा असिस्टेंट

'एक इशारे पर थप्पड़ मार सके'

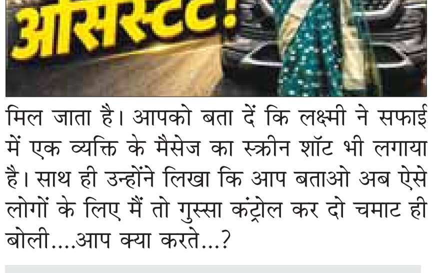

चमाट वाला असिस्टेंट!

भोपाल। मध्यप्रदेश अजब है, सबसे गजब है ये बात एक बार फिर सही साबित हो रही है। इस बार गजब खबर राजधानी भोपाल से सामने आई है। भोपाल में पदस्थ मध्य प्रदेश राज्य प्रशासनिक सेवा की लेडी अधिकारी लक्ष्मी गामड़ का एक सोशल मीडिया पोस्ट वायरल हो रहा है। जिसमें उनको एक ऐसे असिस्टेंट की तलाश है जो उनके इशारे पर जरूरत के हिसाब से सामने वाले को दो चमाट (थप्पड़) रसीद कर सके। लक्ष्मी गामड़ राज्य सेवा प्रशासनिक सेवा अधिकारी हैं। नीमच में अपर कलेक्टर रह चुकी हैं। फिलहाल उनकी तैनात भोपाल स्थित एमपी गवर्नमेंट प्रेस में अपर नियंत्रक पद पर है। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी वैकेंसी ओपन बताते हुए संपर्क करने के लिए कहा है। उनकी इस पोस्ट पर उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल भी किया जा रहा है। एक यूजर ने लिखा कि आप प्रशासनिक अधिकारी हैं। आपको ऐसे पोस्ट मीडिया में डालने से बचना चाहिए। हालांकि, वहीं कई यूजर्स बोले बताइए मैडम जी कब से ज्वाइन करना है नौकरी? बाद में इस पोस्ट पर सफाई देते हुए लक्ष्मी गामड़ ने एक पोस्ट किया है। जिसमें उन्होंने लिखा कि मेरी एक चमाट वाली पोस्ट ने तहलका मचा दिया। कुछ लोग मुझे जज करने लग गए कि मुझे अपनी मर्यादा में रहना चाहिए। महिला ऑफिसर हूं इसलिए हदें होनी चाहिए। क्यों भाई अपने सम्मान और छेड़छाड़ के लिए नहीं बोलना चाहिए। मेरा मकसद ये संदेश ऐसे घटिया लोगों तक पहुंचाना था। वैसे मैं सफाई देने में विश्वास नहीं करती पर चुप रहने से लोग आपको कायर समझ लेते हैं और उनको और बढ़ावा मिल जाता है। आपको बता दें कि लक्ष्मी ने सफाई में एक व्यक्ति के मैसेज का स्क्रीन शॉट भी लगाया है। साथ ही उन्होंने लिखा कि आप बताओ अब ऐसे लोगों के लिए मैं तो गुस्सा कंट्रोल कर दो चमाट ही बोली....आप क्या करते...?

बाद में डिलीट कर दिया पोस्ट

सोशल मीडिया पर जैसे ही यह पोस्ट वायरल हुई तो महिला अधिकारी ने चुपचाप इसे डिलीट कर दिया। आपको बता दें कि लक्ष्मी अलग-अलग रील बनाकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में रहती हैं। गामड़ की फेसबुक पोस्ट पर अलग-अलग रील देखने को मिलेगी। जिसमें कई पब्लिक स्पॉट पे रील बनी हैं। वहीं 1 मई को मजदूर दिवस की बधाई देते हुए उन्होंने पोस्ट किया था। जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था। जिसमें उन्होंने लिखा था कि ऐसा बिल्कुल नहीं कि बीवियां सिर्फ खून पीती हैं। हम भी कभी-कभी मजदूरों पर तरस खाकर खून भी दान देते हैं।

जबलपुर-भोपाल-अनूपपुर-शहडोल-उमरिया-कटनी-पन्ना-सतना-रीवा-सिंगरौली-सीधी-दमोह-सागर-नरसिंहपुर-सिवनी-छिन्दवाड़ा-बालाघाट-मण्डला-डिण्डौरी जिलों में प्रसारित

हर चमकदार चीज हीरा नहीं होती : हिदायतउल्ला

न्यायाधीश ने दिलाई पत्रकार पदाधिकारियों को शपथ

शहडोल (स्वतंत्र मत)। भारतीय श्रमजीवी पत्रकार महासंघ के संभागीय, जिला एवं ब्लाक इकाइयों का शपथ ग्रहण एवं सम्मान समारोह 1 मई को जय विलास पैलेस, पाली रोड शहडोल में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आरम्भ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण के साथ किया गया। कार्यक्रम में न्यायपालिका, जनप्रतिनिधियों, संगठन पदाधिकारियों एवं सैंकड़ो कि संख्या में पत्रकारों की उपस्थिति ने इसे प्रदेश स्तर का महत्वपूर्ण आयोजन बना दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि न्यायाधीश हिदायतउल्ला खान (इंदौर) रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में जयसिंहनगर विधानसभा क्षेत्र की विधायक मनीषा सिंह एवं प्रांत महासचिव रामगोपाल बंसल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रांताध्यक्ष उपेन्द्र गौतम ने की। वहीं प्रदेश संगठन प्रभारी राहुल सिंह राणा, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष अरविंद द्विवेदी के साथ नेशनल काउंसलर गोपाल दास बंसल, मनोज सिंह, अनिल द्विवेदी, कमलेश श्रीवास्तव, रामबाबू चौबे, लुकमान अली व प्रदेश सचिव जुनैद खान अतिथि के रूप में मंचासीन रहे। समारोह के दौरान न्यायाधीश हिदायतउल्ला खान ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। अपने उद्बोधन में उन्होंने पत्रकारिता की भूमिका को लोकतंत्र का सशक्त स्तंभ बताते हुए कहा कि पत्रकार अपनी निष्पक्ष और सजग कार्यशैली से समाज को नई दिशा देने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकारों की कलम जनमानस की आवाज होती है, जो हर परिस्थिति में सत्य को सामने लाने का माध्यम बनती है। उन्होंने वर्तमान समय में सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हर चमकदार चीज हीरा नहीं होती, इसलिए पत्रकारों को खबरों की सत्यता की गहन जांच-परख करना आवश्यक है। उन्होंने जुआ और सट्टे को सामाजिक व कानूनी अपराध बताते हुए कहा कि पत्रकारों की जिम्मेदारी है कि वे ऐसे मुद्दों को उजागर कर समाज को जागरूक करें।

पत्रकारों का काम मेहनत वाला : मनीषा

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि विधायक मनीषा सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि शहडोल में भारतीय श्रमजीवी पत्रकार महासंघ का यह कार्यक्रम प्रदेश स्तर का है जिसकी जितनी प्रशंसा की जाये कम है। उन्होने कहा कि पत्रकार देश दुनिया की बातों को जन-जन तक पहुंचाने का काम करते हैं। पत्रकारो का काम मेहनत वाला है उनकी लेखनी से समाज और देश का विकास होता है हम सब एकजुट होकर कार्य करेंगे तो विकास की अपार संभावनाये बढ़ेगी। अंत में उन्होने कहा कि यह कार्यक्रम आदिवासी अंचल के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। विधायक नें सम्मानित मेधावी विद्यार्थियो को बधाई देकर उनका हौंसलाफजाई किया।

दायित्वों के निर्वहन में नारद जी की प्रेरणाः गौतम

अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रांताध्यक्ष उपेन्द्र गौतम ने संगठन के इतिहास और विस्तार पर प्रकाश डालते हुए बताया कि संगठन की स्थापना वर्ष 1950 में हुई थी और आज इसका विस्तार अंतरराष्ट्रीय स्तर तक हो चुका है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों के प्रेरणास्त्रोत आदि पत्रकार महर्षि नारद हैं, जिन्होंने संवाद और संतुलन की परंपरा को स्थापित किया। उन्होंने उपस्थित पत्रकारों से अपील की कि वे प्रेस कांउसिल ऑफ़ इंडिया के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता का मूल उद्देश्य पीड़ित मानवता की सेवा और समाज हित में कार्य करना है, जिससे समाज में विश्वास और सम्मान दोनों बढ़ते हैं।

मेधावी विद्यार्थियों व समाजसेवियों का सम्मान

इस दौरान उन छात्र-छात्राओं को मंच पर सम्मानित किया गया, जिन्होंने राज्य एवं जिला मेरिट में स्थान प्राप्त कर स्कूल और जिले का नाम रोशन किया। कक्षा 10वीं में सुश्री अरायना गुप्ता ने 490 अंक के साथ राज्य मेरिट में स्थान हासिल किया, जबकि सुश्री राधिका गुप्ता ने 489 अंक के साथ जिला मेरिट में जगह बनाई। कक्षा 12वीं में सुश्री माही मिश्रा ने 483 अंक के साथ कला संकाय में राज्य मेरिट में स्थान प्राप्त किया। वहीं सुश्री सर्विका शुक्ला (गणित), सुश्री सरिता राय (जीवविज्ञान), अभि दास रॉय (गणित), सुश्री नादिया रोशन (कला), सुश्री माही मिश्रा (वाणिज्य) एवं सुश्री रिमझिम मिश्रा (कला) ने भी उत्कृष्ट अंक अर्जित कर जिला मेरिट में स्थान प्राप्त किया। इसके साथ ही समाजसेवा के क्षेत्र में योगदान देने वाले लीनस क्लब शहडोल डायमंड से मेघा गुप्ता एवं निकिता सोनी, दिव्य मुस्कान से छाया गुप्ता, कायस्थ समाज से रमा निगम, दिशा वेलफेयर एसोसिएशन से रुपाली सिंघई तथा अटल कामधेनु गौ सेवा संस्थान, शहडोल से गौरव मिश्रा को भी सम्मानित किया गया।

जिला बास्केटबॉल संघ का ग्रीष्मकालीन कोचिंग कैंप प्रारंभ

खिलाड़ियों को मिल रहा राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण

शहडोल (स्वतंत्रमत)। जिला बास्केटबॉल संघ द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किए जाने वाले ग्रीष्मकालीन बास्केटबॉल कोचिंग कैंप का शुभारंभ उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। कैंप में 5 वर्ष से 18 वर्ष तक के बालक एवं बालिकाएं भाग लेकर बास्केटबॉल की बारीकियां सीख रहे हैं। कैंप में राष्ट्रीय कोच के.के. श्रीवास्तव द्वारा खिलाड़ियों को ड्रिब्लिंग, पासिंग, फिटनेस, पर्सनालिटी डेवलपमेंट तथा बास्केटबॉल की बेसिक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान बच्चों में खेल कौशल के साथ अनुशासन, टीम भावना एवं आत्मविश्वास का भी विकास किया जा रहा है। जिला बास्केटबॉल संघ ने पिछले वर्षों में खेल क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। गत वर्ष शहडोल में आयोजित राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शहडोल की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि ओपन स्टेट प्रतियोगिता में शहडोल संभाग की टीम उपविजेता रही। राष्ट्रीय स्तर पर भी जिले के खिलाड़ियों ने सफलता अर्जित की है। पिछले वर्ष अनुष्का करेंगल एवं आराध्या द्विवेदी का चयन ओपन नेशनल बास्केटबॉल टीम के लिए हुआ था। 14 वर्ष बालिका राष्ट्रीय प्रतियोगिता में जिले की प्रतिभाशाली खिलाड़ी आराध्या द्विवेदी, अनुष्का, पावनी तिवारी, कृपा गुप्ता एवं अवनी गर्ग ने मध्यप्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व किया था। उस प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश की 14 वर्ष बालिका टीम के कोच के रूप में के.के. श्रीवास्तव ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। जिला बास्केटबॉल संघ पिछले 32 वर्षों से निरंतर खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देकर खेल प्रतिभाओं को निखारने का कार्य कर रहा है। अब तक लगभग 200 खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेकर शहडोल जिले का नाम प्रदेश एवं देश में गौरवान्वित कर चुके हैं। यह कोचिंग कैंप जिले में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने तथा नई प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

नगर में सार्वजनिक प्याऊ शुरू, भीषण गर्मी से लोगों को मिल रही राहत

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

भीषण गर्मी और बढ़ते तापमान को देखते हुए नगर पालिका परिषद द्वारा शहर के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर आम नागरिकों की सुविधा हेतु सार्वजनिक प्याऊ (पेयजल केंद्र) प्रारंभ किए गए हैं। यह व्यवस्था कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के निर्देशन में जनहित को ध्यान में रखते हुए की गई है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी आशा जितेंद्र भंडारी के मार्गदर्शन में जय स्तंभ चौक, रैन बसेरा परिसर, कलेक्ट्रेट परिसर, सोहागपुर स्थित रामलीला मंच के पास, भूसा तिराहा, पुराने नगर पालिका कार्यालय के सामने तथा नया बस स्टैंड (गंज क्षेत्र) सहित विभिन्न स्थानों पर प्याऊ केंद्र स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों के माध्यम से राहगीरों, यात्रियों एवं आम नागरिकों को स्वच्छ एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे भीषण गर्मी में लोगों को काफी राहत मिल रही है। नगरवासियों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे जनहित में महत्वपूर्ण कदम बताया है। नगर पालिका परिषद द्वारा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि सभी प्याऊ केंद्रों पर नियमित साफ-सफाई बनाए रखते हुए पेयजल की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। नगर पालिका परिषद ने कहा है कि आमजन की सुविधा और स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए भविष्य में भी इस प्रकार की जनहितकारी व्यवस्थाएं निरंतर जारी रखी जाएंगी।

ऋतुराज गुप्ता को मिला राष्ट्रीय युवा जागृति समिति का राष्ट्रीय संयोजक की कमान....

शहडोल। केसरवानी समाज एवं केसरवानी वैश्य सभा मध्य प्रदेश के लिए बड़े हर्ष का विषय है की केसरवानी समाज के प्रति कर्तव्य निष्ठ, नेतृत्व कौशल और जनकल्याण के कार्यक्रमों में भागीदारी को दृष्टिगत रखते हुए अखिल भारतीय केसरवानी वैश्य महासभा की राष्ट्रीय समिति में राष्ट्रीय अध्यक्ष सच्चिदानंद केसरी (हैदराबाद) की सहमति व राष्ट्रीय महामंत्री संजय केसरी (सिलिगुड़ी) की अनुशंसा से राष्ट्रीय युवा जागृति कैरियर परामर्श खेलकूद नेतृत्व विकास समिति में केसरवानी वैश्य तरुण सभा शहडोल के अध्यक्ष ऋतुराज गुप्ता को राष्ट्रीय प्रमुख संयोजक के पद पर नियुक्त किया गया है उनका कार्यकाल 3 वर्ष का होगा।

नलकूप खनन हेतु पूर्व से लेनी होगी अनुमति अथवा होगी कार्यवाही : कलेक्टर

कलेक्टर ने पेयजल परीक्षण अधिनियम अंतर्गत जारी किया आदेश

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डॉ. केदार सिंह ने अल्पवर्षा के कारण संभावित पेयजल संकट के निराकरण हेतु जिले में पेयजल परीक्षण अधिनियम 1986 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेष जारी किया गया। जारी आदेष में कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति विना अनुमति के जल अभावग्रस्त क्षेत्र में किसी भी शासकीय भूमि पर स्थित जल स्त्रोतों में पेयजल तथा घरेलू प्रयोजनों को छोडकर अन्य किसी भी प्रयोजनों के लिये नहरों में प्रवाहित जल के अलावा अन्य स्त्रोतों का जल दोहन किन्ही भी साधनों द्वारा जल का उपयोग नहीं करेगा। जिले के समस्त विकासखंडो एवं नगरीय क्षेत्रों के समस्त नदी, नालें, स्टापडैम, सार्वजनिक कुओं तथा अन्य जल स्त्रोतों का उपयोग एवं घरेलू प्रयोजनों हेतु तत्काल प्रभाव से सुरक्षित किया जाता है, जिले के जल अभावग्रस्त क्षेत्र में कोई भी व्यक्ति स्वयं अथवा प्राईवेट ठेकेदार अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) के पूर्व अनुज्ञा प्राप्त किये बिना किसी भी प्रयोजन के लिये नवीन नलकूप का निर्माण नही करेगा। यह आदेश शासकीय नलकूप खनन पर लागू नहीं होगा, जिन व्यक्तियों को अपनी निजी भूमि पर नलकूप खनन कार्य कराना है, उन्हें ऐसा करने के लिये निर्धारित प्रारूप में निर्धारित शुल्क के साथ, संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को आवेदन करना होगा। इस कार्य हेतु जिले के जल अभावग्रस्त क्षेत्र के समस्त अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को उनके क्षेत्राधिकार के अंतर्गत सक्षम अधिकारी प्राधिकृत किया जाता है। अनुविभागीय अधिकारी अनुमति देने कं पूर्व आवश्यक जांच एवं परीक्षण की कार्यवाही पूर्ण कर लेवें तथा अनुमति दिये जाने के संबंध में संबंधित क्षेत्र के सहायक यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से अभिमत, अनुसंशा प्राप्त करेंगे, सार्वजनिक पेयजल स्त्रोत सूख जाने के कारण वैकल्पिक रूप से दूसरा कोई सार्वजनिक पेयजल स्त्रोत उपलब्ध नहीं होने पर जनहित में संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) उस क्षेत्र के निजी पेयजल स्त्रीत को ष्पेयजल परीरक्षण संशोधित अधिनियम 2002 के सेक्सन 4 (ए) तथा 4 (बी) के प्रावधानों के अधीन अधिग्रहण निश्चित अवधि हेतु कर सकेंगे। आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध म.प्र. पेयजल परीरक्षण अधिनियम 1986 की धारा-9 एवं भारतीय दण्ड संहिता की धारा 188 के तहत दण्डात्मक कार्यवाही की जा सकेगी। आदेश का प्रभावी क्रियान्वयन समस्त अनुविभागीय दण्डाधिकारी, तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस), सभी थाना प्रभारी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के समस्त फील्ड स्तर के अधिकारी, कर्मचारी, सभी नगरीय निकायों के मुख्य नगरपालिका अधिकारियों, सभी जनपद पंचायतो के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों तथा ग्राम पंचायतो के सचिवों द्वारा सुनिश्चित कराया जायें।

जिले में बाल विवाह पर सख्ती, समझाइश देकर रुकवाया नाबालिग का विवाह

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)। जिले में बाल विवाह रोकथाम अभियान के तहत प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम रुसा रैयत में एक नाबालिग बालिका का विवाह रुकवा दिया। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री श्याम सिंगौर के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग, वन स्टॉप सेंटर तथा पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर हस्तक्षेप किया और समझाइश देकर विवाह रुकवाया। प्रशासन को फोन के माध्यम से सूचना मिली थी कि थाना डिंडौरी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रुसा रैयत में 17 वर्ष 10 माह आयु की बालिका का विवाह कराया जा रहा है। सूचना मिलते ही संबंधित विभागों की संयुक्त टीम तत्काल मौके पर पहुंची और दस्तावेजों की जांच की। जांच में बालिका की आयु 18 वर्ष से कम पाई गई, जिसके बाद टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए विवाह रुकवा दिया। टीम ने परिजनों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के प्रावधानों की जानकारी देते हुए चेतावनी दी कि यदि नाबालिग का विवाह कराया जाता है तो इसमें शामिल प्रत्येक बालिग व्यक्ति को एक वर्ष तक का कारावास एवं दो लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। प्रशासन ने परिजनों को समझाइश दी कि बालिका का विवाह 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने के बाद ही किया जाए। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति की सूचना तत्काल प्रशासन को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

ट्रैफिक पुलिस और आरटीओ की संयुक्त कार्रवाई, वाहन चालकों को दी गई सख्त हिदायत

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)। जिले के शहपुरा एवं विक्रमपुर क्षेत्र में सोमवार को ट्रैफिक पुलिस और परिवहन विभाग (आरटीओ) द्वारा संयुक्त जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान वाहन चालकों एवं वाहन मालिकों को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने, ओवरलोड वाहन न चलाने तथा सभी आवश्यक दस्तावेज वैध एवं अद्यतन रखने की समझाइश दी गई ।संयुक्त टीम ने विभिन्न मार्गों पर वाहनों की जांच करते हुए चालकों को बताया कि ओवरलोड वाहन सड़क दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बनते हैं और इससे यातायात व्यवस्था भी प्रभावित होती है। अधिकारियों ने वाहन चालकों को फिटनेस प्रमाण पत्र, बीमा, पंजीयन, ड्राइविंग लाइसेंस एवं परमिट जैसे दस्तावेज हमेशा साथ रखने के निर्देश दिए ।अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि यातायात नियमों का पालन करना प्रत्येक वाहन चालक की जिम्मेदारी है। नियमों की अनदेखी करने वालों के विरुद्ध आगे भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन द्वारा यह भी बताया गया कि सड़क सुरक्षा को लेकर भविष्य में इस प्रकार के संयुक्त अभियान लगातार जारी रहेंगे।

एसपी वाहनी सिंह का तबादला आशीष खरे को मिली डिंडौरी की कमान

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश में लंबे समय से चर्चा में चल रहे पुलिस अधीक्षकों के तबादलों को लेकर आखिरकार आदेश जारी हो गए हैं। इसी कड़ी में डिंडौरी जिले में बड़ा प्रशासनिक बदलाव करते हुए वर्तमान पुलिस अधीक्षक वाहनी सिंह (आईपीएस 2014) को स्थानांतरित कर उन्हें पुलिस अधीक्षक, पीटीसी इंदौर के पद पर पदस्थ किया गया है। वहीं, आशीष खरे (आईपीएस 2016), जो अब तक जोनल पुलिस अधीक्षक, विशेष शाखा जबलपुर के पद पर कार्यरत थे, उन्हें डिंडौरी जिले का नया पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में लंबे समय से एक ही स्थान पर जमे पुलिस अधीक्षकों के स्थानांतरण को लेकर लगातार चर्चाएं चल रही थीं। प्रशासनिक कसावट, कानून-व्यवस्था में सुधार और कार्यप्रणाली में नई ऊर्जा लाने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा यह फेरबदल किया गया है।

बस स्टैंड से हटाया गया अतिक्रमण

शहडोल (स्वतंत्रमत)। नगर पालिका के मैदानी अमले द्वारा बस स्टैंड परिसर में किए गए अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की गई। अतिक्रमण हटने से यातायात व्यवस्था और सुगम होगी। शहर में अतिक्रमण के खिलाफ यह अभियान निरंतर जारी रहेगा तथा सार्वजनिक स्थलों पर अवैध कब्जा करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नर्मदा स्वच्छता को लेकर जिले में जनजागरण, मैया अभियान बना जनआंदोलन

जल गंगा संवर्धन अभियान
अंतर्गत
स्वच्छता/सफाई कार्यक्रम
आयोजक :- जिला आयुष कार्यालय, डिण्डौरी (म.प्र.)

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)।

जिले में मां नर्मदा की स्वच्छता और संरक्षण को लेकर चलाया जा रहा मैया अभियान अब जनआंदोलन का रूप लेता दिखाई दे रहा है। रविवार को डिंडौरी के शंकर घाट पर आयोजित विशेष स्वच्छता अभियान में प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों, स्वयंसेवकों और आम नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया। अभियान के दौरान शंकर घाट पर सुबह से ही लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। किसी ने झाड़ू लगाई, किसी ने कचरा एकत्र किया, तो कई लोग नदी में उतरकर गंदगी बाहर निकालते नजर आए। इस सामूहिक प्रयास ने नर्मदा तट को स्वच्छ बनाने के साथ लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश भी दिया।

अभियान की खास बात यह रही कि कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया स्वयं टोकरी उठाकर सफाई करती दिखाई दीं। उन्होंने श्रमदान कर लोगों को स्वच्छता के लिए प्रेरित किया और नागरिकों से शहर एवं गांव की साफ-सफाई में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

कलेक्टर ने कहा कि च्मैया अभियानज्ज केवल सफाई कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनजागरूकता का अभियान है। इसका उद्देश्य लोगों में पर्यावरण संरक्षण और नर्मदा स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है, ताकि मां नर्मदा सदैव स्वच्छ, निर्मल और अविरल बनी रहें।

अभियान में एसडीएम राम बाबू देवांगन, संयुक्त कलेक्टर भारती मरावी, सीएमओ अमित तिवारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों ने सहभागिता निभाई।

प्रशासन और जनता की साझेदारी से संचालित यह अभियान डिंडौरी में जनभागीदारी आधारित विकास और पर्यावरण संरक्षण की एक प्रेरणादायक मिसाल बनता जा रहा है।

इजराइल में युद्ध से बची पर यहां भरोसा टूटा

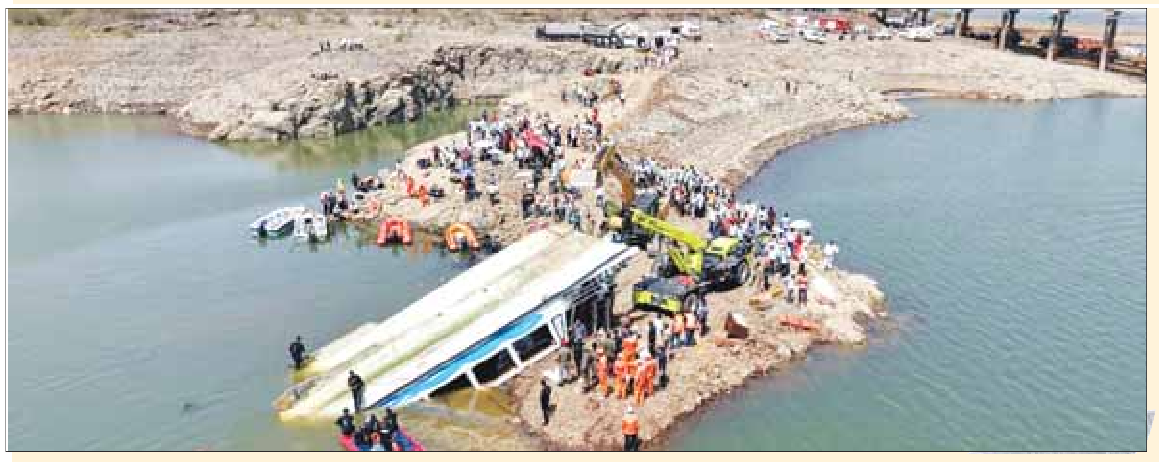

बरगी क्रूज़ हादसे की चश्मदीद और पीड़ित ने निजी अस्पतालों पर लगाए गंभीर आरोप

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

हम मौत को छूकर वापस आए थे, कलेजा हलक में था, लेकिन अस्पताल को हमारी जान से ज्यादा अपने बिल की फिक्र थी। यह बात वाराणसी की सविता वर्मा ने मीडिया से चर्चा में कही है, जो जबलपुर के भेड़ाघाट में हुए भीषण क्रूज़ हादसे की चश्मदीद और पीड़ित हैं। इजराइल में युद्ध के चलते 16 साल बाद वतन लौटी सविता को क्या पता था कि अपने देश की अव्यवस्था और संवेदनहीनता उन्हें अपनों की मौत के खौफ से ज्यादा चोट पहुंचाएगी। हादसे के बाद की आपबीती सुनाते हुए सविता वर्मा ने जबलपुर के निजी अस्पतालों पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने बताया कि जब उन्हें अस्पताल ले जाया गया, तब उनके पास न तो फोन काम कर रहे थे और न ही जेब में रखे पैसे सूखे थे।

पहले थमा दिया बिल

सविता ने कहा कि उन्हें पता नहीं चला कि उन्हें किस हॉस्पिटल में ले गए थे। हम सबके फोन डेड हो गए थे। हम एक दूसरे से कॉन्टेक्ट नहीं कर पा रहे थे। 50 लोग आकर हमसे नाम पूछ रहे हैं। हम अपने लोगों के बारे में पूछ रहे हैं कोई बताने और हेल्प करने वाला नहीं हैं। सबके नोट भीग चुके हैं ऑनलाइन पेमेंट नहीं कर सकते और हॉस्पिटल वालों ने सबसे पहले बिल थमा दिया। आप एड्रेस फोन नंबर ले सकते हैं। हम लोग ऑनलाइन पे कर सकते हैं। इस तरह की घटनाएं होती हैं तो क्या यहां के हॉस्पिटल कोई हेल्प नहीं करते हैं। कोई हेल्पलाइन कोई सुविधा नहीं होती है क्या?

दवा तक नहीं दी, बिल थमा दिया

सविता ने कहा एक टीटी, पेनकिलर हम लोगों को लगे होंगे उतने में 4700 का बिल थमा दिया। उनकी दीदी को तीन चार टांके लगाए और एक दवाई भी नहीं दी और 4700 का बिल थमा दिया। बनारस में मेरा भाई रहता है वो तो कुछ लोगों के आईफोन काम कर रहे थे, तो उसको फोन किया उसने वहां से पेमेंट किया है। यहां के बारे में मुझे कुछ नहीं पता। सविता ने बताया कि वह 16 साल इजराइल में रहीं और पिछले 2-3 सालों से वहां युद्ध जैसे माहौल में थीं। उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि भारत आकर एक छोटे से टूरिस्ट स्पॉट पर उन्हें ऐसी अनहोनी का सामना करना पड़ेगा।

बेटे ने लोगों को लाइफ जैकेट बांटी

हादसे को याद करते हुए सविता भावुक हो गईं। उन्होंने बताया कि अचानक मौसम बदला और नाव में पानी भरने लगा। लोग पैनिक करने लगे, बच्चे चिल्ला रहे थे। क्रू मेंबर्स की जगह उनका 22 साल का बेटा और अन्य यात्री ही एक-दूसरे की मदद कर रहे थे। सविता के बेटे ने खुद लाइफ जैकेट पहनने के बजाय दूसरों की मदद की और डूबती नाव से पानी निकालने का प्रयास किया। सविता ने बताया कि जब नाव पलटी, उनके हाथ में एक बच्चा था। दो सेकंड के लिए लगा कि सब खत्म हो गया, लेकिन नर्मदा मैया और भोलेनाथ की कृपा से वह पानी से बाहर निकल आईं।

आईएमए एमपी स्टेट यूनिट को मिला राष्ट्रीय गौरव सम्मान

उत्कृष्ट कार्यों के लिए सचिव डॉ दीपक साहू सम्मानित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन मुख्यालय द्वारा हैदराबाद में आयोजित 235वीं केंद्रीय कार्यकारिणी की राष्ट्रीय बैठक में मध्य प्रदेश इकाई ने अपनी सफलता का परचम लहराया है। 2 और 3 मई 2026 को आयोजित इस गरिमामय बैठक में मध्य प्रदेश शाखा को उसके द्वारा किए गए उत्कृष्ट और सराहनीय कार्यों के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आईएमए मध्य प्रदेश के अध्यक्ष डॉ. बी.एम. सरनागत एवं सचिव डॉ. दीपक साहू को राज्य में चिकित्सा सेवाओं और संगठन की मजबूती के लिए किए गए विशेष प्रयासों हेतु सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि आईएमए मध्य प्रदेश के सभी सदस्यों के लिए गौरव का विषय बनी है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल नायक, राष्ट्रीय सचिव डॉ. शर्बरी दत्ता, फाइनेंस सेक्रेटरी डॉ. पीयूष जैन, डॉ. वसंत लुंगे, डॉ. पी.आर. सोमवंशी और डॉ. मंजूषा गिरी सहित मुख्यालय के कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

भविष्य की योजनाओं पर चर्चा

बैठक के दौरान देश भर से आए चिकित्सकों ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने पर विचार साझा किए। मध्य प्रदेश के प्रतिनिधियों ने राज्य में चल रहे प्रोजेक्ट्स और भविष्य की स्वास्थ्य योजनाओं पर विस्तार से प्रेजेंटेशन दिया।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर डॉ. अरविंद जैन, डॉ. आर.के. पाठक, डॉ. अशोक मिश्रा, डॉ. जय परयानी, डॉ. सुब्बा राव, डॉ. अनूप निगम, डॉ. वीरेंद्र मुंगी और डॉ. सुष्मिता मुंगी सहित बड़ी संख्या में चिकित्सक मौजूद रहे। आईएमए मध्य प्रदेश शाखा ने इस सम्मान पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्रीय नेतृत्व का यह प्रोत्साहन भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी और जन-हितैषी बनाने में मददगार साबित होगा।

जिले में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध

जबलपुर। जिले में पर्याप्त मात्रा में यूरिया डबल लॉक केंद्रों, समितियों और निजी विक्रय प्रतिष्ठानों में उपलब्ध है। आने वाले सप्ताह में जिले को यूरिया की अतिरिक्त 2 रैक प्राप्त होना प्रस्तावित है, जिससे उर्वरक की आपूर्ति व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। उप संचालक कृषि उमेश कटहरे ने यह जानकारी देते हुये जिले के सभी किसानों से असुविधा से बचने के लिये ई-टोकन प्रणाली के माध्यम से ही उर्वरक प्राप्त करने का आग्रह किया है।

एपी नर्मदा विधि महाविद्यालय में एलुमनाई मीट का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पुराने रिश्तों को पुर्नजीवित करने के साथ-साथ वर्तमान विद्यार्थियों को प्रेरणा देने का कार्य एलुमनाई मीट मील का पत्थर साबित होती है। इस प्रकार के आयोजनों से महाविद्यालय में व्यतीत किये गये उन सुनहरे पलो को स्मरण करने एवं अपने छात्र जीवन में जो भी हमे ज्ञान प्राप्त हुआ उसका उपयोग हम विधि के कैरियर को स्थापित करने में पूरी तरह से लगाते हुये एक सुनहरी यात्रा की ओर अग्रसर होते है। उक्त आशय के उद्गार एपीएन लॉ महाविद्यालय के अध्यक्ष श्री चमन श्रीवास्तव ने एपीएन लॉ कॉलेज के पूर्व छात्र सम्मेलन के उद्धाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर व्यक्त किये। कार्यक्रम के प्रथम चरण में पूर्व छात्रों ने वर्तमान छात्रों के समक्ष अपना विस्तृत परिचय प्रदान करते हुये अपने अनुभवों का साझा किया तथा विधि के क्षेत्र में अपने कैरियर और उपलब्ध्यिों की जानकारी भी प्रदान की। द्वितीय चरण में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमे एक से बढकर एक प्रस्तुतियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में संस्था सह-महाप्रबंधक मयंक श्रीवास्तव, रजिस्ट्रार मानवेन्द्र सिह, विधि विभाग की विभागध्यक्ष प्रियंका श्रीवास्तव, प्राचार्य डा सोनल खरे, एड. रविन्द्र गुप्ता, अरूण त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

पेंशन और अर्जित अवकाश के लिए प्रोफेसर कर रहे संघर्ष

शासकीय महाविद्यालयों में बढ़ती समस्याओं को लेकर प्राध्यापक संघ ने दी आंदोलन की चेतावनी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। प्रांतीय शासकीय प्राध्यापक संघ के प्रदेश प्रतिनिधियों ने आयोजित एक पत्रकार वार्ता में उच्च शिक्षा विभाग और शासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. आनंद शर्मा और संरक्षक प्रो. कैलाश त्यागी ने कहा कि प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में शिक्षकों की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। प्रशासन की उदासीनता और आए दिन जारी होने वाले नए आदेशों के कारण पूरा शैक्षणिक माहौल प्रभावित हो रहा है। प्राध्यापक संघ ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो आने वाले समय में बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस अवसर पर संघ के सम्भागीय अध्यक्ष प्रो.अरुण शुक्ल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

पेंशन दावों की जमीनी हकीकत-प्राध्यापक संघ के संरक्षक श्री त्यागी ने सेवानिवृत्ति दावों के भुगतान में हो रही भारी देरी पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के दिन ही उनके सभी वित्तीय लाभ मिलने चाहिए, लेकिन वर्तमान में भुगतान के लिए 6 महीने से लेकर एक साल तक का समय लग रहा है। इस पूरी प्रक्रिया में उन्होंने भारी भ्रष्टाचार की आशंका भी जताई है। प्रो. त्यागी ने चेतावनी दी कि यदि प्राध्यापकों के काम समय पर पूरे नहीं किए गए, तो संगठन शासन के विरोध सड़कों पर उतरेगा। अर्जित अवकाश के भुगतान का मुद्दा भी उठा। इस श्रेणी के भुगतान पांच-पांच साल से लंबित हैं।शासकीय महाविद्यालय प्राध्यापक संघ के प्रांताध्यक्ष डॉ. आनन्द शर्मा ने कहा कि महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की ड्यूटी जनगणना जैसे गैर शैक्षणिक कार्यों में लगाई जा रही है। सबसे बड़ी विसंगति यह है कि महाविद्यालयों में कनिष्ठ कर्मचारियों द्वारा प्राध्यापकों की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट लिखी जा रही है, जो पूरी तरह से नियमों के विरुद्ध है।

जनगणना के कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं: निगमायुक्त

जबलपुर । नगर निगम के आयुक्त एवं मुख्य जनगणना अधिकारी राम प्रकाश अहिरवार ने रविवार को जनगणना कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक के दौरान उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि राष्ट्र के विकास में जनगणना की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निगमायुक्त ने सभी संभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि आवंटित क्षेत्रों में जनगणना के प्रत्येक चरण को निर्धारित समय-सीमा के भीतर अनिवार्य रूप से पूर्ण करें। बैठक में उन्होंने जोर दिया कि प्रगणकों द्वारा एकत्रित किया जा रहा डाटा पूरी तरह सटीक और त्रुटिहीन होना चाहिए, ताकि भविष्य की योजनाओं के लिए सही आंकड़े उपलब्ध हो सकें। उन्होंने संभागीय अधिकारियों को स्वयं क्षेत्रों का भ्रमण करने और जमीनी स्तर पर आ रही समस्याओं का तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए गए। आयुक्त ने कार्य को सुगम बनाने के लिए आवश्यक तकनीकी और प्रशासनिक सहयोग सुनिश्चित करने की बात कही। उन्होंने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं है, बल्कि यह भविष्य की जनकल्याणकारी नीतियों का आधार है।

एक साथ टूटे 4 घरों के ताले, लाखों का सामान गायब

सिहोरा थाना क्षेत्र में वारदात, लोगों में आक्रोश

सिहोरा। खितौला थाना क्षेत्र अंतर्गत नेशनल हाइवे से लगी पॉश रिलायंस पोस्ट कॉलोनी और सुविधा गैस एजेंसी के सामने शनिवार देर रात चोरों ने धावा बोलते हुए चार घरों के ताले तोड़ दिए। इनमें एक जज का घर भी शामिल है, जो हाल ही में किराए से यहां रहने आए थे। चोर सोने-चांदी के गहने, नगदी और कीमती सामान समेटकर फरार हो गए। वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस, डॉग स्क्वायड और फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गए हैं। जानकारी के मुताबिक वार्ड क्रमांक 9 स्थित रिलायंस कॉलोनी में जज विशाल रिछारिया के घर का ताला तोड़कर चोरी की गई, हालांकि नुकसान का आंकलन अभी नहीं हो पाया है। वहीं कॉलोनी के पीछे रहने वाले संजीव मलिक के घर से 15 हजार रुपए नकद और सोने की झुमकी चोरी हो गई। इसके अलावा दो अन्य घरों के ताले भी टूटे, लेकिन वहां से कुछ खास हाथ नहीं लगा। सुविधा गैस एजेंसी के सामने स्थित कॉलोनी में मनीष खरे के मकान से गहने और एलसीडी टीवी चोरी कर ली गई। पहले भी हो चुकी बड़ी चोरी, अब तक नहीं मिला सुराग करीब डेढ़ माह पहले भी क्षेत्र में 20 लाख रुपए की चोरी हुई थी, जिसका अब तक खुलासा नहीं हो सका है। लगातार हो रही वारदातों से पुलिस की रात्रि गश्त पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

दानवीर भामाशाह की जयंती पर हुए विविध आयोजन

सिहोरा (स्वतंत्र मत)।

नगर में दानवीर भामाशाह की जयंती मनाई गई । गोसलपुर साहू समाज कार्यालय में साहू मित्र मंडल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में साहू समाज मित्र मंडल ने भाग लिया एवं पूजन अर्चन किया।इस अवसर पर दानवीर भामाशाह के जीवन और उनके योगदान पर विस्तृत चर्चा की गई वक्ताओं ने उनके द्वारा दिए गए सहयोग और अनुदान पर प्रकाश डाला। समाज को उनके आदर्शों के जीवन मे पढ़ने और समझने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा की आने वाली पीढ़ियां उन्हें पूजेंगी उन्होंने यह भी कहा की किसी भी समाज के महापुरुषों के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता और उनकी जयंती व पुण्यतिथि पर उन्हें सदैव याद किया जाना चाहिए। इस समारोह में साहू समाज के लोगों ने अपने विचार व्यक्त किए इस अवसर पर समस्त साहू युवा मित्र मंडल शामिल रहा।

चेकिंग के दौरान आपस में झगड़ पड़े पार्षद और एएसआई

सर्मथकों ने गोहलपुर थाने का किया घेराव, कार्यवाही की मांग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गोहलपुर थाना अंतर्गत रविवार को वाहन चैकिंग के दौरान नगर निगम में भाजपा पार्षद और एक एएसआई के बीच जमकर नोंकझोंक हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि पार्षद के समर्थन में पहुंचे नगर निगम में एमआईसी मेंबर सहित अन्य पार्षदों व भाजपा कार्यकर्ताओं ने गोहलपुर थाना में धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। भाजपा पार्षद बाबा श्रीवास्तव ने तो यहां तक कह दिया कि एएसआई पर अगर कार्रवाई नहीं हुई तो वे आत्महत्या कर लेंगे।

इस मामले में पार्षद बाबा श्रीवास्तव ने बताया कि वाहन चैकिंग के दौरान उनके भतीजे को पुलिस ने बिना हेलमेट का होने के चलते रोका था। इसी दौरान वे अधारताल से रानीताल अपनी बेटी को कोचिंग से लेने जा रहे थे। तब उनकी नजर भतीजे पर पड़ी और वे वहीं रुक गये। मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारी ने बताया कि चालान कटने के बाद ही वाहन छोड़ा जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यवाही में समय लग रहा था, इसलिए उन्होने अपने भतीजे को कहा कि वे बेटी को लेने चला जाए और चालानी कार्यवाही के लिए रुके रहते हैं। बाबा श्रीवास्तव के मुताबिक मौके पर मौजूद एएसआई उनके भतीजे को जाने नहीं दे रहा था, उल्टा उनकी बेटी को लेकर अपशब्द कहने लगा। जिसके बाद विवाद की स्थिति निर्मित हो गई। बाबा श्रीवास्तव के समर्थन में भाजपा पार्षद और कार्यकर्ता भी गोहलपुर थाना पहुंच गए और एएसआई को निलंबित करने की मांग करते हुए धरने पर बैठ गए।

तापमान में आई कमी, 2 दिन बाद फिर करवट लेगा मौसम

कई मौसम प्रणालियां हुई सक्रिय, मौसम विभाग ने किया अलर्ट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जिले में अलग-अलग पश्चिमी विक्षोभ और चक्रवाती हवा से मौसम की रंगत बदल गई है। रविवार को भी हवाओं के बीच धूप निकली रही। गर्मी का असर बना रहा। मौसम विभाग के अनुसार वर्तमान में अलग-अलग स्थानों पर बारिश करने वाली मौसम प्रणालियां सक्रिय हैं। इनके प्रभाव से आगामी चार दिनों तक जबलपुर सहित संभाग के जिलों मे 40 से 50 किमी प्रति घंटे की गति से हवा चलने और गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती है। मौसम विभाग के अनुसार रविवार को अधिकतम तापमान -39.2 डिग्री और न्यूनतम तापमान 20.8 डिग्री दर्ज किया गया।

प्रदेश के ऊपर से गुजर रही द्रोणिका-मौसम विभाग के अनुसार वायुमंडल में कम दबाव बना हुआ है। यानि ट्रफ के रूप में प्रदेश के ऊपर से गुजर रहा है। मौसम विज्ञान की भाषा में इसे द्रोणिका भी कहते हैं। एक उत्तर-दक्षिण ट्रफ, पश्चिम राजस्थान के ऊपर सक्रिय चक्रवातीय परिसंचरण से कोमोरिन क्षेत्र तक पूर्वी राजस्थान, मध्य प्रदेश, विदर्भ, तेलंगाना, रायलसीमा और आंतरिक तमिलनाडु के ऊपर विस्तृत है। एक पूर्व-पश्चिम ट्रफ, उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश से मणिपुर तक छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल, बांग्लादेश और दक्षिण असम तक विस्तृत है। वायुमंडल में बने कम दवाब के क्षेत्र से बारिश हो रही है। पांच मई तक जबलपुर सहित संभाग के डिंडौरी, कटनी, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट सहित अन्य जिलों में तेज हवा के साथ बारिश संभावित है।

चक्रवाती घेरा और नमी का प्रभाव 5 मई तक

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, वर्तमान में बना चक्रवाती घेरा और नमी का प्रभाव 5 मई तक बना रहेगा। तब तक तापमान में बहुत अधिक वृद्धि की संभावना नहीं है, जिससे घूमने-फिरने के लिहाज से स्थितियां अनुकूल रहेंगी। हालांकि, यह राहत अस्थायी है।

फिर करवट लेगा मौसम

पूर्वानुमान है कि चार दिन बाद यानी 6 मई से मौसम फिर करवट लेगा। आसमान साफ होते ही सूरज की सीधी किरणें धरती को तपाएंगी और पारा एक बार फिर 42-44 डिग्री के पार जा सकता है। मई के दूसरे सप्ताह से भीषण गर्मी और लू का प्रकोप बढ़ने की आशंका जताई गई है। मौसम विभाग ने खुशनुमा मौसम के बीच नागरिकों को सर्तकता बरतने की सलाह भी दी है।

मौसम विभाग का कहना है कि बारिश के दौरान यदि बादल गरजें या बिजली चमके, तो पेड़ों के नीचे या खुले मैदान में न रहें। साथ ही, छुट्टियों के दौरान नदी, तालाबों या जलप्रपातों की ओर जाने वाले पर्यटकों को गहरे पानी में न जाने और सुरक्षा मानकों का पालन करने की सख्त हिदायत दी गई है।

फंदे पर झूलती मिली हिना

संदेह : हत्या या आत्महत्या

रोते-बिलखते पिता बोले, मेरी दुनिया उजड़ गई

पुनः पोस्टमार्टम करवाकर निष्पक्ष जांच करे पुलिस कंकर मुंजारे

बालाघाट (स्वतंत्रमत)

मॉयल नगरी भरवेली से लगे हुए ग्राम हीरापुर में एक दिल को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है, जहां पर वार्ड नंबर 5 निवासी नवमी कक्षा की छात्रा हिना खान का शव लगभग एक सप्ताह पूर्व घर के पास ही नाले की रेलिंग में लटकता हुआ पाया गया। मृतिका बहुत ही गरीब परिवार से आती है, जिसके माता-पिता मजदूरी का कार्य करते हैं और वह अपने माता-पिता की इकलौती संतान थी। हीना को 26 से 27 तारीख की मध्यरात्रि करीबन 1.40 बजे दो युवको द्वारा बहला फुसलाकर घर से बुलाया गया और उसे बाईक में बिठाकर ले गये। जिसका सीसीटीव्ही फुटेज भी सामने आया है। लेकिन हीना सुरक्षित घर नही लौटी, बल्कि अगले ही दिन सुबह करीबन 5:30 बजे घर के पास ही लगे नाले की रेलिंग में हिना का शव फांसी के फंदे से लटकता हुआ पाया गया। जिससे ईलाके में हड़कप मच गया।

पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लिया और अपने स्तर पर जांच पड़ताल शुरू कर दी। लेकिन घटना का पूर्णतः खुलासा नही हो पाया है कि आखिर हीना के साथ ऐसा क्या हुआ? जांच विवेचना के दौरान हिना खान का मोबाइल भी उसके घर से जप्त कर लिया गया। इस दिल को झकझोर देने वाली घटना को लेकर अब कई तथ्य सामने आ रहे है। पुलिस सुत्रो के अनुसार मामले में पुलिस ने दो युवको में से एक सहयोगी आरोपी युवक लवकुश कोहरे को गिरफ्तार कर लिया गया है। लेकिन मुख्य आरोपी अजीत बाहेश्वर अब भी फरार बताया जा रहा है, जिसकी अन्य प्रदेश में होने की पुलिस को लोकेशन मिली है और पुलिस टीम उसकी गिरफ्तारी के लिये भेजी गई है।

भरवेली थाने के नवागत थाना प्रभारी श्री पंद्रे ने औपचारिक चर्चा में मामले की जानकारी देते हुए दबे मुंह बताया कि पीड़िता के साथ अजीत बाहेश्वर मुख्य आरोपी द्वारा दुष्कर्म की घटना कारित किया गया है। जिसे मानेगांव के बैल बाजार परिसर में ले जाया गया था और वहां उसके साथ दुष्कर्म का कृत्य हुआ। उसके बाद आरोपी के सहयोगी लवकुश कोहरे ने उसे गिरानी चिकन सेंटर के पास लगभग 3.15 बजे लाकर छोड दिया, जहां से वह पैदल चलकर शराब दुकान के पास पहुंची थी। जिसके बाद संभवतः तनाव में आकर पीड़िता ने फांसी लगा ली। पुलिस ने बताया कि पीड़िता और आरोपी अजीत बाहेश्वर का पिछले डेढ-दो माह से परिचय व बातचीत प्रारंभ हुई थी। अजीत ग्राम सुरवाही का रहने वाला है और लवकुश ग्राम धनसुआ का निवासी है। दोनो युवक आपस में दोस्त है। अजीत बाहर कमाने जाता है, जिसने पीड़िता को बहला फुसलाकर मिलने बुलाया था और उसके साथ अप्रिय घटना घटित हुई। बहरहाल पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी में जुटी हुई है। लेकिन समूचे घटनाक्रम को लेकर लोगो में आक्रोश है और पुलिस की कार्यप्रणाली पर तरह तरह के आरोप प्रत्यारोप लग रहे है। इसी बीच परिजनो ने भी पुलिस पर आरोप लगाया है कि मामले को दबाने के लिये घटना स्थल पर पंचनामा कार्यवाही के दौरान कोई वीडियोंग्राफी नही की गई है। वही पूर्व सांसद कंकर मुंजारे ने भी मामले को बेहद संवेदनशील बताते हुए पीड़िता का शव पुनः कब्र से बाहर निकालकर, पुनः पोस्टमार्टम करवाने, पुनः पंचनामा बनवाने और वीडियोग्राफी करवाने के साथ स्पेशल जांच की मांग की है। वही भरवेली थाना में पदस्थ एसआई रामप्रसाद मेश्राम पर राजनैतिक संरक्षण में आकर मामले को दबाने का प्रयास करने का आरोप लगाकर उन्हे तत्काल निलबित करने व थाने से हटाने की मांग भी की है।

हीना खान, अपने गरीब मजदूर माता-पिता की एकलौती संतान थी, वही उनकी उम्मीद थी, वही बुढ़ापे का सहारा थी, वही उनके सपनों की आखिरी डोर। लेकिन हीना का शव नाले की रेलिंग से फांसी पर लटका मिला, तो मानो उस गरीब परिवार की पूरी दुनिया ही उजड़ गई। कपकपाते होठ और लड़खड़ाती जुबा से रोते-बिलखते पिता बार-बार सिर्फ एक ही बात कह रहे हैं-मेरी बेटी ऐसा नहीं कर सकती मेरी बच्ची को इंसाफ चाहिए। अब इस मामले में न्यायिक जांच की मांग तेज हो गई है। परिजन, मुस्लिम जमात और पूर्व सांसद कंकर मुंजारे इसे आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या बता रहे हैं। लेकिन सामने आए सीसीटीवी फुटेज ने पूरे मामले को और ज्यादा संदिग्ध बना दिया है। बेटी की याद व साथ बिताये पलो को याद करके पिता फूट-फूटकर रो पड़ते है, उनकी आंखों में सिर्फ एक ही सवाल हैं कि आखिर उनकी मासूम बच्ची के साथ हुआ क्या? एक मजदूर पिता की टूटी सिसकती आवाज आज पूरे सिस्टम से सवाल कर रही है, अगर मेरी बेटी के साथ गलत हुआ है, तो दोषियों को सजा कब मिलेगी?ह्व अब सबकी निगाहें पुलिस जांच पर टिकी है।

ग्राम कोसमी में हुई अतिक्रमण कार्यवाही ने पकड़ा तूल

जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि मुकेश मोहले ने ली प्रेस वार्ता

राजनीतिक द्वेष के कारण कार्रवाई करने का प्रशासन पर लगाया आरोप

बालाघाट (स्वतंत्रमत)

ग्राम कोसमी में स्व. डाली दमाहे के मकान पर शनिवार को प्रशासन ने अतिक्रमण के तहत कार्यवाही की है जहां पर बुलडोजर चलने के मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। वहीं रविवार 3 मई को जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि मुकेश महोदय ने स्थानीय सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता ली, जहां उन्होंने इस कार्रवाई को राजनीति द्वेष बताया है। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने दबाव में आकर कार्यवाही की है, जो न्याय संगत कार्यवाही नहीं है। अगर प्रशासन को न्याय संगत कार्रवाई करना था तो हमारा भी पक्ष सुनना था, लेकिन एक पक्षीय कार्यवाही की गई है। मुकेश माहुले ने कहा कि तहसीलदार पूरे दबाव में कार्यवाही कर रहे है। यदि गांव में आबादी भूमि में अतिक्रमण हुआ है कि अन्य लोगो के विरूद्ध भी कार्यवाही होनी चाहिये थी। इस कार्रवाई के पीछे सत्ता पक्ष के बडे नेताओं का षड्यंत्र है जिन्होंने दबाव बनाकर यह कार्यवाही करवाई है और यह मुकेश माहुले को टारगेट नही किया गयां, बल्कि स्वर्गीय डाली दमाहे के मकान को टारगेट किया गया है। उन्होंने कहा कि कुछ अधिकारियों से यह जानकारी मिली है, जिन्हे ऊपर से प्रेशर मिला है कि अतिक्रमण के तहत जल्द से जल्द कार्रवाई करना है। माहुले ने कहा कि उक्त भूमि आबादी भूमि है, जिस पर वर्षो से कई पीढ़ी निवास करती आ रही है। कोसमी में लगभग 20 एकड़ आबादी भूमि है,जिसमें ग्रामीण निवास करते आ रहे है। लेकिन उक्त भूमि में 10/35 में ही अधिकारियों को अतिक्रमण दिखा है, जबकि उक्त भूमि की रजिस्ट्री दस्तावेंज है। हमने एसडीएम के पास स्थगन हेतू आवेदन लगाया है, लेकिन आदेश से पहले ही कार्यवाही कर दी गई है। यह राजनैतिक दुर्भावनावंश कार्यवाही की गई है। सत्ता पक्ष के लोगो ने विकास निकोसे का मोहरा बनाकर प्रशासन के माध्यम से गलत कार्यवाही करवाई है। हमे लगता है कि इस मामले में एक बडे नेता का हाथ है। हम माननीय न्यायालय में जायेगें और निष्पक्ष जाचं की मांग करेगें। घटना के दौरान मेरे द्वारा किया गया कृत्य भावुक भावना के कारण हुआ, मुझे उस समय कोई सूझबूझ नही थी, मै उसके लिये माफी चाहता हूं।

बैहर में बढा चोरों का आतंक, एक दिन में 10 डंफरों से बैटरी चोरी

बालाघाट। जिले के बैहर क्षेत्र में इन दिनों चोरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। जहां खड़ी गाड़ियों से लगातार बैटरी चोरी की घटनायें हो रही है, जिसने वाहन मालिकों और व्यापारियों की चिंता बढ़ा दी है। जानकारी के अनुसार, स्थानीय व्यवसायी कपिल सोनी के यार्ड में खड़े 10 डम्परों से एक ही दिन में 10 बैटरियां चोरी कर ली गईं। इसके अगले ही दिन चोरों ने फिर वारदात को अंजाम देते हुए 5 और बैटरियां पार कर दीं। जिसके बाद पीड़ित द्वारा थाने में शिकायत दर्ज करवाई गई। बावजूद इसके चोरों के हौसले नही डगमगाये, बल्कि बुलंद होते जा रहे है। बताया जा रहा है कि कपिल सोनी ने डम्परों में नई बैटरियां लगवाई थीं, लेकिन चोरों ने उन्हें भी नहीं छोड़ा और उन बैटरियों से भी हाथ साफ कर दिया। अब तक चोर 30 से 35 बैटरियां चोरी कर चुके हैं। जहां बैहर और आसपास के क्षेत्रों में भी ट्रैक्टरों और डम्परों से बैटरी चोरी की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं, लेकिन अब तक पुलिस उन चोरो तक नहीं पहुंच सकी है। लगातार हो रही चोरियों से पुलिस गश्ती व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं।

बारिश से भीगे गेंहू को सुरक्षित ठिकाने लगाने में जुटा महकमा

खबर का असर

बालाघाट (स्वतंत्रमत)

शनिवार को हुई बेमौसम बारिश में बालाघाट रेल्वे स्टेशन के रैक पाईंट पर रखा लगभग 600 क्रिंटल गेहूं खुले में रखे होने की वजह से भीग गया था, जिसे मीडिया ने प्रमुखता से दिखाया था। जिसे संज्ञान में लेने के बाद संबधित विभाग हरकत में आया और रैक पाईंट पर रखे गेहूं का उठाव सुबह से उठाव शुरू करवाया गया। जहां नागरीक आपूर्ति विभाग के प्रभारी जिला प्रबंधक हरीश कोरी सुबह से ही रैक प्वाइंट पर मौजूद रहे और उन्होने अपनी मौजूदगी में बारिश से भीगी गेहू की बोरियो का अलग करवाया और सुरक्षित गेहूं का तत्काल परिवहन करवाया। जहां ट्रांसपोर्टर द्वारा उक्त गेंहू को वेयर हाउस भिजवाया जा रहा है।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आरोह 2026 का हुआ भव्य शुभारंभ

उमरिया (स्वतंत्रमत)

शुक्रवार 1 मई को मध्यप्रदेश शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आरोह 2026 का शुभारंभ स्टेडियम उमरिया में किया गया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक श्री विजय भगवानी के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री सीताराम के कुशल नेतृत्व में आयोजित इस शिविर का विधिवत शुभारंभ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकाी सीताराम द्वारा किया गया। शिविर 1 से 31 मई तक संचालित होगा, जिसमें हॉकी, हैंडबॉल, फुटबॉल, क्रिकेट, बैडमिंटन एवं वॉलीबॉल के खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने कहा कि खेल केवल शारीरिक विकास ही नहीं, बल्कि मानसिक मजबूती का भी आधार है। उन्होंने बताया कि शिविर के दौरान खेल प्रशिक्षण के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियां,नशा मुक्ति, साइबर क्राइम,मोबाइल एडिक्शन एवं देश में लागू नए कानूनों पर कार्यशालाएं भी आयोजित की जाएंगी, जिससे खिलाड़ियों में जागरूकता बढ़ेगी।उन्होंने बच्चों में बढ़ते मोबाइल उपयोग पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे आंखों सहित शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। इसका प्रभावी समाधान खेलों में सक्रिय भागीदारी है। उन्होंने छात्रों को खेल को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। शिविर में इस वर्ष बालिकाओं के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण की विशेष व्यवस्था की गई है। साथ ही, खिलाड़ियों को प्रतिदिन स्वल्पाहार एवं खेल यूनिफॉर्म उपलब्ध कराने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। खेल विभाग द्वारा अनुभवी प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इस शिविर से प्रशिक्षित कई खिलाड़ी पूर्व में राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन कर चुके हैं। खिलाड़ियों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में ऑनलाइन पंजीयन कर शिविर का लाभ उठाएं। इस अवसर पर क्रिकेट प्रशिक्षक हिमांशु यादव, हॉकी प्रशिक्षक संजय सिंह एवं प्रवीण पसेरिया, हैंडबॉल प्रशिक्षक आकाश बर्मन एवं शिवप्रताप पाल सहित खेल एवं युवा कल्याण विभाग के चरण सिंह उपस्थित रहे।

मादा हाथी की मौत के बाद बांधवगढ़ में एंथ्रेक्स अलर्ट, हेल्थ कैंप आयोजित

उमरिया (स्वतंत्रमत)

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में मादा हाथी की मृत्यु के बाद एंथ्रेक्स की आशंका को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। इसी क्रम में आरआरटी (रैपिड रिस्पॉन्स टीम) द्वारा ताला क्षेत्र में महावतों एवं संबंधित कर्मचारियों के स्वास्थ्य परीक्षण और प्रशिक्षण के लिए ड्यूटी लगाई गई। जिले से आरआरटी टीम में जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. मुकुल तिवारी, जिला माइक्रोबायोलॉजिस्ट लालसिंह तथा आईडीएसपी के जिला डाटा मैनेजर सुधीर सोनी ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। बांधवगढ़ ताला के इको सेंटर में क्षेत्र संचालक एम.पी. सिंह, सहायक संचालक डी.के. मराठा और वन परिक्षेत्र अधिकारी राहुल किरार की उपस्थिति में हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया। मानपुर विकासखंड से डॉ. देवानंद रैदास (चिकित्सक), विनय गुप्ता (फार्मासिस्ट), एएनएम सुषमा पाण्डेय एवं आशा कार्यकर्ता प्रिया साहू भी मौजूद रहीं। इस दौरान कर्मचारियों के ब्लड सैंपल लिए गए। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार फिलहाल सभी कर्मचारी स्वस्थ पाए गए हैं, हालांकि एहतियात के तौर पर निगरानी जारी रखी जा रही है।

मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने झपट्टा मारकर लूटा बैग, जेवर और नकदी लेकर हो गए फरार

उमरिया (स्वतंत्रमत)

पुलिस थाना
इन्दवार
जिला उमरिया म.प्र.

जिले के इंदवार थाना क्षेत्र में लूट की एक घटना सामने आई है, जहां अज्ञात बदमाशों ने मोटरसाइकिल से आकर एक व्यक्ति का बैग छीन लिया। बैग में सोना-चांदी के जेवर और नकदी रखी हुई थी। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पलझा निवासी संतोष सोनी बाजार में सोना-चांदी के जेवर बेचने के उद्देश्य से गया हुआ था। वह वापस अपने गांव लौट रहा था। इसी दौरान अमरपुर-पिपरिया रोड पर हथी तिराहा के पास तीन अज्ञात युवक मोटर साइकिल से उसके पास पहुंचे। इससे पहले कि वह कुछ समझ पाता, आरोपियों ने तेजी से झपट्टा मारते हुए उसका बैग छीन लिया। घटना के दौरान झटके से संतोष सोनी असंतुलित होकर सड़क पर गिर गया, जिससे उसे चोटें आईं। अचानक हुई इस वारदात से वह घबरा गया और मदद के लिए इधर-उधर देखने लगा, लेकिन तब तक आरोपी बैग लेकर मौके से फरार हो चुके थे। बैग में सोना-चांदी के कीमती जेवरात के साथ नकदी भी रखी हुई थी, जिससे फरियादी को आर्थिक नुकसान हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।फरियादी की रिपोर्ट पर थाना इंदवार में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 0149/2026 के तहत प्रकरण कायम किया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों की उम्र लगभग 20 से 25 वर्ष के बीच बताई जा रही है और वे मोटरसाइकिल पर सवार थे। फरियादी ने बताया कि घटना के समय अंधेरा होने के कारण वह आरोपियों के चेहरे साफ तौर पर नहीं देख सका, लेकिन सामने आने पर पहचान करने की बात कही है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है, ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके और जल्द से जल्द उन्हें गिरफ्तार किया जा सके। इस घटना ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इस तरह की वारदातों से आमजन में भय का माहौल बनता है और सड़कों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत किए जाने की आवश्यकता है। फिलहाल पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है और संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही मामले का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

जर्जर भवन में संचालित हो रहा है 82 ग्राम पंचायतों का जनपद पंचायत मुख्यालय

जनरेटर के अभाव और इनवर्टर की कमजोरी से यहां के कार्य हो रहे हैं बाधित

मानपुर (स्वतंत्रमत)

प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा शासकीय भवन निर्माण और जीणोद्धार कार्य में सराहनीय पहल चर्चित रहा है, जसके बाद भी उमरिया जिला के मानपुर क्षेत्र में कई शास्कीय भवन जरजर हैं तो कई भवन सुविधा के अभाव में संचालित हैं। कार्यालय जनपद पंचायत मानपुर जर्जर भवन में संचालित है, सूत्रों के अनुसार इस भवन का निर्माण लगभग बीसों साल पहले करवाया गया था तब से इस भवन का कभी भी किसी भी प्रकार से मरम्मत कार्य भी नहीं करवाया गया, जबकि इस भवन में हर महीने कई बैठक भी होते रहते हैं। यहां जिला सीइओ, कलेक्टर, एसडीएम, कमिश्नर एवं विधायक जी का आगमन होता ही रहता है,लेकिन किसी अधिकारी का ध्यान शायद इस भवन के जर्जर स्थिति में न गया होगा..? इस भवन के दीवाल में कई जगह डरावने दरार पड गये हैं, यहां के छत (सीलिंग) की परत निकल कर कई जगह गिर गये हैं जहां जंग से खते सोहा के सरिया बाहर निकले पडे हैं जो टूटकर गिरते रहते हैं, यहां के फर्श भी उखड कर गड्ढे रूप में तब्दील हो चुके हैं।

सूत्रों की माने तो मानपुर जनपद पंचायत में बहुत पुराना एक जनरेटर दिखावा के लिये रखा हुआ है जो कई वर्ष पहले से बिगडा हुआ बंद पडा है, यहां का इनवैटर भी कम वोल्टेज का है जिसका चार्ज छणिक समय में उतर जाता है जिस के माध्यम से कम्प्यूटर, स्कैनर और फोटो कापी के मसीन लोड नहीं ले पाते हैं, यहां बिजली का आवा गमन हर आधे घंटे में कई मिन्टों के लिये होता रहता है जिस से यहां के शासकीय कार्यों का बाधित होना निश्चित है।

इनका कहना है

ज.पं. मानपुर कार्यालय नये भवन निर्माण के लिये पूर्व सोइओ के द्वारा प्रस्ताव भेजा जा चुका है कुछ दिन बाद पुनः भेजा जायेगा, सीघ्र ही यहां के जनरेटर और इनवैटर के समस्या का समाधान करवाना है।

अंकित कुमार सिरोचिया सीईओ
जनपद पंचायत मानपुर

कलेक्टर ने उपार्जन केन्द्रों का किया औचक निरीक्षण बदहाल व्यवस्था पर अधिकारियों को लगाई फटकार

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

जिले में किसानों की समस्याओं और उपार्जन व्यवस्था को लेकर लगातार मिल रही शिकायतों के बीच रविवार को एक बड़ा प्रशासनिक एक्शन देखने को मिला। कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने नैनपुर क्षेत्र के निवारी और हीरापुर वेयरहाउस उपार्जन केंद्रों का अचानक औचक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण ने न सिर्फ व्यवस्थाओं की पोल खोल दी बल्कि जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही पर गंभीर सवाल भी खड़े कर दिए हैं। कलेक्टर के इस दौरे को सामान्य निरीक्षण नहीं बल्कि एक सख्त प्रशासनिक संदेश के रूप में देखा जा रहा है जहां उन्होंने मौके पर ही व्यवस्थाओं की खामियों को उजागर करते हुए स्पष्ट शब्दों में नाराजगी जताई और सुधार के लिए तत्काल निर्देश जारी किए।

कलेक्टर को मिल रही थी शिकायत

पिछले कई दिनों से जिले के किसानों द्वारा उपार्जन केंद्रों में अव्यवस्था लंबी प्रतीक्षा छाया और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी और स्लॉट बुकिंग में आ रही दिक्कतो की शिकायतें लगातार प्रशासन तक पहुंच रही थी। किसानों का आरोप था कि उन्हे घंटों धूप में खड़ा रहना पड़ता है और कई बार टोकन व स्लॉट सिस्टम के बावजूद भी उनकी उपज समय पर नहीं खरीदी जाती। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने बिना किसी पूर्व सूचना के रविवार को नैनपुर क्षेत्र का दौरा किया और सीधे उपार्जन केंद्रों की हकीकत जानने पहुंचे।

कलेक्टर का फूटा गुस्सा, लगाई फटकार

कलेक्टर ने निवारी उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण किया जहां स्थिति बेहद चिंताजनक पाई गई। केंद्र पर किसानों के लिए न तो पर्याप्त छाया की व्यवस्था थी और न ही गर्मी से बचाव के कोई उचित इंतजाम नजर आए। तेज धूप में किसान अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए जिससे असंतोष और थकान साफ झलक रही थी। इस स्थिति को देखकर कलेक्टर राहुल धोटे का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों और केंद्र प्रभारी को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि किसानों की सुविधा से कोई भी समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कलेक्टर ने तत्काल निर्देश दिए कि केंद्र में पर्याप्त छायादार शेड की व्यवस्था की जाए साथ ही किसानों के लिए ठंडा पेयजल और छाछ की व्यवस्था तुरंत सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में इस तरह की लापरवाही पाई गई तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

स्वयं उठाया गेहूं गुणवत्ता की जांच

निवारी केंद्र के बाद कलेक्टर का काफिला हीरापुर वेयरहाउस उपार्जन केंद्र पहुंचा जहां उन्होंने व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। यहां कलेक्टर का अंदाज और भी सख्त दिखाई दिया। कलेक्टर राहुल धोटे ने किसी भी औपचारिकता को दरकिनार करते हुए स्वयं गेहूं के ढेर से दाने उठाकर उनकी गुणवत्ता की जांच की। उन्होंने सर्वेयर को बुलाकर मौके पर ही सैंपलिंग करवाई और स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी स्थिति में गुणवत्ता के मानकों से समझौता नहीं किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी स्तर पर संदेह की स्थिति बनती है तो फसल की दोबारा जांच की जाए ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी या नुकसान का सामना न करना पड़े।

किसानों से किया सीधा संवाद

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने मौके पर मौजूद किसानों से सीधे संवाद किया। उन्होंने किसानों से उनकी समस्याएं, अनुभव और उपार्जन प्रक्रिया में आने वाली दिक्कतों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। किसानों ने स्लॉट बुकिंग प्रणाली में आ रही परेशानियों समय पर टोकन न मिलने और केंद्रों पर लंबी प्रतीक्षा जैसी समस्याएं खुलकर सामने रखीं। कई किसानों ने यह भी बताया कि तकनीकी दिक्कतों के कारण उनकी उपज समय पर नहीं बिक पाती जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान होता है। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने तत्काल जिला आपूर्ति अधिकारी डीएसओ को निर्देशित किया कि स्लॉट बुकिंग प्रणाली की खामियों को तुरंत दूर किया जाए और किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। निरीक्षण के दौरान एसडीएम नैनपुर आशुतोष ठाकुर, तहसीलदार, डीएसओ, जिला वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन के अधिकारी, जेएसओ, सर्वेयर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

लापरवाह व्यवस्था पर उठे सवाल

उपार्जन व्यवस्था में जमीनी स्तर पर गंभीर खामियां दिखाई दी। छाया, पेयजल, भीड़ प्रबंधन और गुणवत्ता जांच जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी सीधे तौर पर प्रशासनिक लापरवाही की ओर इशारा करती है। कलेक्टर का यह दौरा केवल एक निरीक्षण नहीं बल्कि एक सख्त संदेश था कि अब व्यवस्था में ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। किसानों की मेहनत और उनकी फसल को सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से खरीदना प्रशासन की जिम्मेदारी है, और इसमें किसी भी प्रकार की चूक गंभीर परिणाम ला सकती है।

किसानों को अब जागी उम्मीद

निरीक्षण के बाद किसानों में उम्मीद की एक नई किरण जरूर दिखाई दी है। जहां पहले वे उपार्जन केंद्रों की अव्यवस्था से परेशान थे वहीं कलेक्टर के सख्त रुख ने उन्हें यह भरोसा दिया है कि शायद अब उनकी समस्याओं का समाधान होगा।

हालांकि असली चुनौती अब प्रशासन के सामने है कि वह इन निर्देशों को कितनी जल्दी और कितनी प्रभावी तरीके से लागू करता है। क्योंकि किसानों की समस्याएं केवल निरीक्षण से नहीं, बल्कि जमीन पर बदलाव से ही हल होंगी।

राष्ट्र के नाम कार्यक्रम

मण्डला (स्वतंत्रमत)। हम फाउंडेशन भारत द्वारा प्रतिमाह आयोजित किया जाने वाला कार्यक्रम दो मिनट राष्ट्र के नाम माहिष्मति घाट स्थित गोंडी़ पब्लिक ट्रस्ट भवन प्रांगण में प्रात: 9 00 बजे आयोजित किया गया। प्रारंभ में रामकुमार पाठक ने कार्यक्रम के आयोजन पर प्रकाश डाला। तत्पश्चात मुख्य अतिथि डॉ हर्ष कर्महे ने मां भारती भारत माता का पूजन अर्चन किया। फिर रामकुमार पाठक ने राष्ट्र गीत व राष्ट्रगान कराया। बी के राय द्वारा सबका आभार व्यक्त किया व प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

कन्हैया माहेश्वरी को दी विदाई

मण्डला/मवई (स्वतंत्रमत)। बहुउद्देशीय कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित खलोड़ी में कार्यरत सहायक प्रबंधक कन्हैया माहेश्वरी के सेवानिवृत्ति अवसर पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित रहे इस अवसर पर मुख्यरूप से पूर्व विधायक पंडितसिंह धुर्वे, सहकारिता एवं उद्योग समिति सभापति अनंत सिंह राठौर, अक्षय परते, हनुमान जाट, कीर्तन झरिया, डीलन मरकाम, हनुमंत धुर्वे, चमरू दास बघेल, धनसिंह मरावी, रामलाल यादव, विक्रम सिंह, मोहर सिंह बंजारा एवं अशोक बंजारा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं संबंधित विभाग के अधिकारी–कर्मचारी मौजूद रहे।

राशन दुकान का निरीक्षण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर ने रविवार को ग्राम मक्के स्थित उचित मूल्य की दुकान का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने वितरण पंजी की जांच करते हुए निर्देश दिए कि ग्राम के सभी कार्डधारकों के नाम पंजी में अंकित किए जाएं और दैनिक आधार पर अपडेट किया जाए। दुकान परिसर में साफ–सफाई की स्थिति ठीक न मिलने पर कलेक्टर श्री धोटे ने नाराजगी जताई और तत्काल स्वच्छता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए सेल्समेन से मासिक उठाव के विरुद्ध राशन वितरण की जानकारी ली। केंद्र में 100 प्रतिशत वितरण होने पर उन्होंने सेल्समेन को बधाई दी और कहा कि हर माह निर्धारित समय पर राशन वितरण सुनिश्चित करें।

महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम

मण्डला (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती शालिनी तिवारी के मार्गदर्शन में लाड़ली लक्ष्मी उत्सव के साथ हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन योजना अंतर्गत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम ग्राम पंचायत जहरमऊ में आयोजित किए गए कार्यक्रम का संचालन पर्यवेक्षक श्रीमती निधि उईके द्वारा किया गया सरस्वती पूजन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई जिसमें लाड़ली लक्ष्मी योजना की जानकारी देते हुए मेधावी बालिकाओं को आश्वासन प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

कर्मचारी संघ का अभ्यास वर्ग सम्पन्न

मण्डला (स्वतंत्रमत)।

मप्र राज्य कर्मचारी संघ का दो चरणों में आयोजित अभ्यास वर्ग सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। अभ्यास वर्ग का प्रथम चरण गत माह भोपाल में आयोजित किया गया था जबकि द्वितीय चरण 2 एवं 3 मई 2026 को मां रेवा के पावन उद्गम स्थल अमरकंटक में सम्पन्न हुआ। दोनों चरणों में संगठन की आगामी रणनीति कर्मचारी हितों से जुड़े विभिन्न विषयों सेवा संबंधी समस्याओं संगठन विस्तार एवं आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तृत मंथन किया गया साथ ही संघ की विस्तृत रीति–नीति संगठनात्मक कार्य पद्धति एवं कर्मचारी हित संरक्षण के उद्देश्यों की जानकारी कार्यकर्ताओं को प्रदान की गई अभ्यास वर्ग में कार्यकर्ताओं को सदस्यता अभियान किस प्रकार चलाया जाए प्रभावी पत्राचार कैसे किया जाए कर्मचारी हितों के आंदोलनों का संचालन किस प्रकार हो संगठनात्मक आयोजन कैसे आयोजित किए जाएं तथा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का प्रवास कब एवं किस प्रकार होना चाहिए इन सभी विषयों पर विस्तार पूर्वक मार्गदर्शन दिया गया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष हेमंत श्रीवास्तव ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन की एकता सक्रियता एवं कर्मचारी हितों की रक्षा हेतु निरंतर संघर्षरत रहने का आव्हान किया।

प्रदेश महामंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि अभ्यास वर्ग में संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने कर्मचारियों की लंबित समस्याओं के निराकरण तथा आगामी समय में कर्मचारी हितों के लिए प्रभावी आंदोलन एवं संवाद की रणनीति तैयार की गई कार्यक्रम में प्रदेश संभाग एवं जिला स्तर के पदाधिकारी कार्यकर्ता एवं प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

मंडला एसपी रजत सकलेचा का ट्रांसफर नवागत पुलिस अधीक्षक होंगे राजेश रघुवंशी

मण्डला (स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश में प्रशासनिक स्तर पर एक अहम फेरबदल करते हुए राज्य शासन ने शनिवार देर रात भारतीय पुलिस सेवा आईपीएस अधिकारियों के तबादलों की सूची जारी की। इस सूची के अनुसार रजत सकलेचा को मंडला जिले के पुलिस अधीक्षक पद से हटाकर छतरपुर जिले की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं राजेश रघुवंशी को मंडला का नया एसपी नियुक्त किया गया है। बता दें कि 2016 बैच के आईपीएस अधिकारी रजत सकलेचा ने 28 मार्च 2023 को मंडला जिले के एसपी के रूप में पदभार संभाला था। कार्यकाल के दौरान उन्होंने विशेष रूप से नक्सल उन्मूलन अभियान में सक्रिय और प्रभावी भूमिका निभाई। वही मंडला जिले की कमान संभालने वाले राजेश रघुवंशी का पुलिस सेवा में लंबा अनुभव रहा है। वे 1998 बैच के राज्य पुलिस सेवा के अधिकारी हैं और हाल ही में 24 दिसंबर 2025 को भारत सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के तहत उन्हें आईपीएस पद से नवाजा गया था। इससे पहले वे खंडवा जिले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पद पर कार्यरत थे मंडला जैसे जिले में एसपी के रूप में कार्यभार संभालना आसान नहीं है। राजेश रघुवंशी के सामने कई अहम चुनौतियां होंगी जिनमें कानून–व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखना अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण और नशे के अवैध कारोबार पर रोक लगाना प्रमुख हैं। इसके अलावा नक्सल गतिविधियों पर निगरानी बनाए रखना भी उनकी प्राथमिकता में शामिल रहेगा।

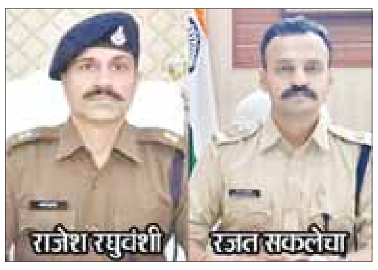

अंडर–20 फुटबॉल टीम में खिलाड़ियों का चयन

मण्डला (स्वतंत्रमत)।

जिले की फुटबॉल प्रतिभा ने एक बार फिर प्रदेश स्तर पर अपनी मजबूत पहचान दर्ज कराई है। मध्यप्रदेश फुटबॉल संघ द्वारा इंदौर में आयोजित अंतर जिला अंडर–20 फुटबॉल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के बाद मंडला डी.एफ.ए. के चार प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन मध्यप्रदेश अंडर–20 फुटबॉल टीम में हुआ है। इस उपलब्धि ने पूरे जिले को गौरवान्वित किया है, वहीं इस सफलता के पीछे फुटबॉल खिलाड़ियों की मेहनत मार्गदर्शन और समर्पण की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। 11 अप्रैल से 19 अप्रैल तक इंदौर में आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में मंडला डीएफए की टीम ने दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए उपविजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। जिला फुटबॉल संघ के सचिव एवं फुटबॉल प्रशिक्षक पंकज उसराठे ने बताया कि प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 26 खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर (नेशनल कैंप) के लिए किया गया था। इस शिविर में मंडला डीएफए के सात खिलाड़ियों ने स्थान बनाया जो अपने आप में जिले के लिए बड़ी उपलब्धि रही। 20 अप्रैल से 30 अप्रैल तक इंदौर में आयोजित इस विशेष प्रशिक्षण शिविर में खिलाड़ियों ने अपनी तकनीकी क्षमता, फिटनेस और खेल कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। शिविर के समापन के बाद मध्यप्रदेश अंडर–20 टीम के लिए 18 खिलाड़ियों की अंतिम सूची घोषित की गई जिसमें मंडला जिले के चार होनहार खिलाड़ी अशोक उइके, डेनिश भावेदी, अजीत कुमार और नागेश्वर धुर्वे ने अपनी प्रतिभा, अनुशासन और शानदार प्रदर्शन के दम पर प्रदेश टीम में स्थान बनाया।

पुलिस ने बच्चों को परिजनों से मिलाया

मण्डला (स्वतंत्रमत)।

पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के नेतृत्व में पुलिस ने अभियान के दौरान उत्कृष्ट कार्य करते हुए 120–93 प्रतिशत रिकवरी रेट प्राप्त किया जो जिले के लिए बड़ी उपलब्धि रही। अभियान की मॉनिटरिंग अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा एवं उपपुलिस अधीक्षक सतीश कुमार चतुर्वेदी द्वारा लगातार की गई अभियान के दौरान मंडला जिले से 02 बालक एवं 50 बालिकाओं सहित कुल 52 गुमशुदा बच्चों को सकुशल दस्तयाब कर उनके परिजनों से मिलाया गया। इनमें मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों के साथ–साथ महाराष्ट्र, गुजरात, केरल, हरियाणा, बिहार एवं कर्नाटक जैसे अन्य राज्यों से भी बच्चों को खोजकर सुरक्षित वापस लाया गया अभियान में थाना कोतवाली, बम्हनी, बिछिया, घुघरी, बीजाडांडी, नैनपुर, मोहगांव, निवास, मोतीनाला, टिकरिया एवं खटिया थाना पुलिस की विशेष टीमों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रेलवे स्टेशन बस स्टैंड, निर्माण स्थलों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार सर्चिंग एवं सत्यापन कार्यवाही की गई।

15 दिवसीय क्रिकेट समर कैंप आरंभ

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

जिला क्रिकेट संघ एवं मैकल क्रिकेट एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में स्थानीय खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने के लिए 1 मई से 15 दिवसीय क्रिकेट समर कैंप का शुभारंभ किया गया है। महात्मा गांधी स्टेडियम में आयोजित है कैंप का विधिवत शुभारंभ 1 मई को इंडोर स्टेडियम में शाम 5:30 बजे किया हुआ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एडिशनल एसपी शिव कुमार वर्मा एवं जिला खेल अधिकारी विकास सर तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता मैकल एसोसिएशन के अध्यक्ष भीष्म द्विवेदी ने किया है यह प्रशिक्षण शिविर 15 मई तक चलेगा इसमें 8 वर्ष की आयु से लेकर सीनियर वर्ग तक के बालक एवं बालिका खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। कैंप के दौरान 8 मई से एक दिवसीय मैचों का मैकल कप टूर्नामेंट होगा जिसमें खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर प्रोत्साहन दिया जाएगा। कार्यक्रम में चयन समिति के सदस्य इम्तियाज अली,पंकज दुबे,अक्षय चंद्रोल,फैजान, एवं प्रशिक्षक बसंत ठाकुर,सत्यम बर्मन,युवराज यादव,मोहित बर्मन, शैलेन्द्र सहित जावेद अली, सिकंदर अली, प्रशांत पटेल, सत्यप्रकाश दुबे सहित सभी सदस्य उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन सुधीर उपाध्याय ने किया है।

हिमांशु ने रक्तदान कर दिया संदेश

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे के कुशल नेतृत्व एवं सहायक संचालक राहुल वासनिक के मार्गदर्शन में जिला जनसंपर्क कार्यालय में पदस्थ सोशल मीडिया हैंडलर हिमांशु यादव ने रक्तदान कर मानवता की सेवा की मिसाल पेश की है ऑफिस के कर्तव्यों के निर्वहन के साथ–साथ सामाजिक दायित्वों के प्रति सजगता दिखाते हुए श्री यादव ने जिला अस्पताल स्थित ब्लड बैंक पहुंचकर रक्तदान किया उल्लेखनीय है कि कलेक्टर के निर्देशन में जिले में रक्तदान–जीवनदान अभियान को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है ताकि आपात स्थिति में किसी भी जरूरतमंद को समय पर रक्त उपलब्ध हो सके सहायक संचालक श्री वासनिक ने श्री यादव के इस स्वैच्छिक निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि विभाग के युवा कर्मचारियों का यह उत्साह समाज के अन्य वर्गों के लिए भी प्रेरणादायी है शासकीय सेवक न केवल प्रशासन और जनता के बीच सेतु का कार्य कर रहे हैं बल्कि व्यक्तिगत स्तर पर भी मानवीय मूल्यों को प्राथमिकता दे रहे हैं। इस दौरान कृष्णा साहू, देवेंद्र चौधरी, रोहित बघेल उपस्थित थे।

कांग्रेसियों ने कैंडल मार्च कर श्रृद्धांजलि दी

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

बरगी में हाल ही में हुए दर्दनाक क्रूज हादसे में मृत नागरिकों को श्रृद्धांजलि देने के लिए जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा स्थानीय महिष्मति घाट पर कैंडल मार्च आयोजित किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने मोमबत्तियाँ जलाकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अशोक मर्सकोले सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक शामिल हुए। सभी ने एकजुट होकर इस दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया और मृतकों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि बरगी में हुआ यह हादसा अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है जिसने कई परिवारों को गहरे दुख में डाल दिया है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि इस घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। कार्यक्रम के अंत में दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

प्रयाग को मिला नया जीवन

मण्डला (स्वतंत्रमत)। निवास विकासखंड के ग्राम बम्हनीमाल पोस्ट भटगांव निवासी 10 माह का बालक प्रयाग टेकाम जन्म से ही तालू फटा क्लेफ्ट पैलेट की समस्या से जूझ रहा था परिवार इस समस्या को सामान्य मानकर अनदेखा कर रहा था और समय के साथ ठीक होने की उम्मीद लगाए बैठा था आरबीएसके टीम ने ग्राम भ्रमण के दौरान स्वास्थ्य परीक्षण में इस गंभीर समस्या की पहचान की टीम ने परिजनों को समझाइश दी और बच्चे के इलाज के लिए प्रेरित किया टीम के मार्गदर्शन में प्रयाग को जबलपुर के दुबे सर्जिकल एंड डेंटल क्लीनिक में भर्ती कराया गया जहां 14 अप्रैल को उसकी नि:शुल्क प्राइमरी पैलेटोप्लास्टी सर्जरी सफलता पूर्वक की गई।

गोंदिया के बजाय सिवनी छिन्दवाड़ा होकर चलेगी रीवा इतवारी एक्सप्रेस

गोंदिया में बैलेस्ट ट्रेक में कार्य होने के कारण गाड़ियों में रुट में परिवर्तन

नैनपुर (स्वतंत्र मत)।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर मंडल अंतर्गत गोंदिया रेलवे स्टेशन पर संरक्षा, परिचालन क्षमता तथा यात्री सुविधाओं में वृद्धि के उद्देश्य से महत्वपूर्ण अधोसंरचना कार्य होने जा रहा है। रेलवे प्रशासन द्वारा गोंदिया स्टेशन की लाइन क्रमांक–06 (प्लेटफॉर्म क्रमांक–4) पर स्थित वॉशेबल एप्रन को हटाकर उसे आधुनिक बैलेस्टेड ट्रैक में परिवर्तित किया जाएगा। यह कार्य आज 03 मई से 22 मई तक कुल 20 दिनों में संपन्न किया जाएगा। कार्य के दौरान प्लेटफॉर्म क्रमांक 4 (डाउन मेन लाइन) अस्थायी रूप से बंद रहेगा, जिसके कारण कुछ ट्रेनों को निरस्त, कुछ को परिवर्तित मार्ग से चलाया जाएगा तथा कुछ ट्रेनों का आंशिक समापन/प्रारंभ किया जाएगा। इन ट्रेनों में सप्ताह में 3 दिन नैनपुर से बालाघाट–गोंदिया होकर चलने वाली गाड़ी संख्या 11754/11753 भी शामिल है। जिसे निर्धारि तिथियों में परिवर्तित मार्ग नैनपुर–सिवनी–छिंदवाड़ा होते हुए चलाया जाएगा। जानकारी के अनुसार गाड़ी संख्या 11754 रीवा–नैनपुर–नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी एक्सप्रेस दिनांक 02, 04, 06, 09, 11, 13, 16 एवं 18 मई को अपने निर्धारित मार्ग जबलपुर–नैनपुर बालाघाट गोंदिया के स्थान पर जबलपुर–नैनपुर– छिन्दवाड़ा होकर चलेगी। इसी तरह गाड़ी संख्या 11753 नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी–नैनपुर–रीवा एक्सप्रेस दिनांक 03, 05, 07, 10, 12, 14, 17 एवं 19 मई को अपने निर्धारित मार्ग नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी–गोंदिया–बालाघाट–नैनपुर–जबलपुर के स्थान पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी–छिंदवाड़ा–सिवनी–नैनपुर–जबलपुर होते हुए चलेगी।

संपादकीय

ट्रंप का नया 'तूफान'

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब भी युद्धोन्मादी हैं। ईरान को 'कब्रिस्तान-सा' बनाने के बावजूद उनका दिल नहीं पसीजा है। उन्होंने अब भी किसी 'तूफान' के आने की धमकी दी है और दावा किया है कि उस तूफान को कोई रोक नहीं सकेगा। क्या ट्रंप अब ईरान पर परमाणु हमला भी कर सकते हैं? अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख ने ईरान में परमाणु स्थितियों पर चिंता जताई है और ईरान के परमाणु कार्यक्रम के दुरुपयोग की आशंका भी व्यक्त की है। हालांकि हम किसी परमाणु दुर्घटना की संभावना को नहीं मानते, क्योंकि रूस के राष्ट्रपति पुतिन करीब 90 मिनट की बातचीत में राष्ट्रपति ट्रंप को सचेत कर चुके हैं कि अब हमले के अंजाम बहुत बुरे और गंभीर होंगे।

बीती 28 फरवरी से जो विनाशकारी हमले ईरान पर किए गए हैं, बीच-बीच में युद्धविराम के 'नाटक' भी खेले गए हैं, तेल-गैस-खाद आदि की आवाजाही इस कदर बाधित हुई है कि दुनिया में 'महामंदी' के संकट फैलने लगे हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी महामंदी के आसार की चेतावनी दी है, क्योंकि वैश्विक अर्थव्यवस्था की विकास-दर 2 फीसदी से भी कम होने के संकेत मिल रहे हैं। यदि दुनिया में ऊर्जा-संकट, सप्लाई चेन का अवरुद्ध होना, खाद्य-संकट यूं ही जारी रहे, तो भुखमरी के हालात भी पुख्ता हो सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय कारोबार भी बैठ सकता है। खुद अमरीका के पेंटागन की रपट है कि अभी तक ईरान युद्ध पर 25 अरब डॉलर खर्च किए जा चुके हैं। यह राशि अधिक भी हो सकती है। पेंटागन ने 1.5 ट्रिलियन डॉलर के अतिरिक्त बजट की मांग संसद से की है, लेकिन अमरीकी संसद राष्ट्रपति ट्रंप से पूछ रही है कि जब 2025 के हमले में ईरान के परमाणु एवं यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को तबाह कर दिया गया था, तो फिर यह युद्ध क्यों किया गया? राष्ट्रपति उसी परमाणु कार्यक्रम की नए सिरे से बात क्यों कर रहे हैं? युद्ध पर 25 अरब डॉलर नासा के खर्च के बराबर है, जिसे ट्रंप की सामंतवादी सोच ने यूं ही फूंक दिया। कैबिनेट में उपराष्ट्रपति वेंस शुरू से ही युद्ध-विरोधी थे, लेकिन अब उनका युद्ध मंत्री हेगसेथ के साथ विवाद बढ़ गया है। उपराष्ट्रपति का गंभीर आरोप है कि युद्ध मंत्री राष्ट्रपति ट्रंप को गलत ब्रीफ कर रहे हैं, लिहाजा ईरान से अभी तक अमरीका जीत नहीं पाया है। उपराष्ट्रपति का आग्रह है कि अब युद्ध को स्थायी विराम दिया जाना चाहिए। इस तरह युद्ध के मुद्दे पर ट्रंप कैबिनेट विभाजित है और राष्ट्रपति 'तूफान' की धमकियां दे रहे हैं! पेंटागन भी राष्ट्रपति को गलत सूचनाएं दे रहा है। हकीकत यह है कि अमरीकी मिसाइलों, ड्रोन, थाड, पैट्रियट आदि वायु रक्षा प्रणालियों और अन्य हथियारों के भंडार काफी कम हो चुके हैं। रणनीतिक तौर पर यह अमरीका के लिए खतरनाक स्थिति है। हथियारों के पर्याप्त भंडारण के लिए अपेक्षित उत्पादन में 3-5 साल का वक्त भी लग सकता है। फिर भी ट्रंप और पेंटागन की ओर से बयान दिए जा रहे हैं कि अब जो हमला अमरीका करेगा, उससे ईरान के बिजली संयंत्र, पुल, जल संयंत्र आदि तबाह कर दिए जाएंगे। सवाल है कि क्या अब भी राष्ट्रपति ट्रंप को युद्ध जारी रखने की अनुमति संसद देगी अथवा चौतरफा दबावों के मद्देनजर ट्रंप एकतरफा जीत की घोषणा करेंगे और युद्ध समाप्त होने लगेगा? क्या ईरान अमरीका को ऐसा करने देगा? सुप्रीम लीडर और आईआरजीसी के कमांडर भी अमरीका को धमका रहे हैं कि अमरीकी सैनिकों और जहाजों को आग लगा कर समंदर में डुबो दिया जाएगा। ईरान ने कुछ नए हथियार बनाए हैं या रूस से आयातित हैं, जिनका इस्तेमाल अब ईरान अमरीकी सैनिकों, जहाजों पर करेगा। ईरान के बहुत बुरे आर्थिक और कारोबारी हालात हैं, वहां रोजी-रोटी भी मयस्सर नहीं है।

आजीविका का संकट बढ़ाएगी बढ़ती गर्मी

आदित्य सिन्हा

एक हालिया आकलन के अनुसार दुनिया के सौ सबसे गर्म शहरों में से 98 भारत में हैं। भीषण गर्मी अपने साथ तमाम मुश्किलें लाती हैं। ये मुश्किलें उस तबके के लिए और विकराल बन जाती हैं, जिन्हें आजीविका के लिए खुले आसमान के नीचे काम करना पड़ता है। स्वाभाविक है कि उनके समक्ष आजीविका का संकट पैदा होता है, क्योंकि उनके लिए किए जाने वाले उपाय पर्याप्त नहीं होते। इससे न केवल श्रमिकों, बल्कि देश की उत्पादकता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। कई शोध भी इसी ओर संकेत करते हैं। इस समस्या का समाधान तलाशने की दिशा में इनके निष्कर्षों पर विचार किया जाना चाहिए। इसमें पहला पैमाना शारीरिक पहलुओं से जुड़ा है।

श्री रामचंद्र संस्थान की विद्या वेणुगोपाल, पीके लता और रेखा षणमुगम का 2026 से संबंधित एक अध्ययन %साइंटिफिक रिपोर्ट्स% में प्रकाशित हुआ है। इसमें तमिलनाडु के 11 जिलों के उन 1,560 श्रमिकों की गतिविधियों पर दो वर्ष तक नजर रखी गई, जिन्हें कामकाज के लिए बाहर निकलना पड़ता था। अध्ययन में सामने आया कि गर्मियों के दौरान औसत तापमान 29.9 डिग्री सेल्सियस था, जो 27.5 डिग्री सेल्सियस की अधिकतम बर्दाश्त योग्य सीमा से भी ऊपर था। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार तापमान की इस सीमा से ऊपर निरंतर भारी काम करना असुरक्षित माना जाता है। पर्यवेक्षण समीक्षा के अधीन 88 प्रतिशत श्रमिकों को इस उच्च तापीय परिस्थितियों में काम करना पड़ा।

इनमें से 61 प्रतिशत की उत्पादकता में गिरावट दर्ज की गई। भीषण गर्मी के संपर्क में आने वाले श्रमिकों की उत्पादकता में गिरावट की आशंका भी डेढ़ गुना अधिक थी। इनमें 15 प्रतिशत कर्मियों के समक्ष रोजगार छिनने का संकट भी मंडराया, जबकि सर्दियों में उनका प्रतिशत 9.3 ही रहा। दूसरा पहलू वृहद आर्थिक स्तर से जुड़ा है। जर्नल आफ पालिटिकल इकोनमी में सोमनाथन और उनकी टीम का %उत्पादकता और श्रम आपूर्ति पर तापमान के प्रभाव% शीर्षक से एक शोध प्रकाशित हुआ था। इसमें सूरत के बुनकरों, एनसीआर और हैदराबाद की गारमेंट-सिलाई लाइनों और भिलाई मिल में स्टील शिफ्टों की परिस्थितियों का विश्लेषण किया गया। इसका निष्कर्ष यह था कि तापमान में प्रति डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने पर वार्षिक फैक्ट्री उत्पादन में लगभग दो प्रतिशत की गिरावट आई।

हालांकि यह डाटा 2012 तक का ही है, पर इसके निष्कर्षों का निहितार्थ यह है कि गर्मियों का असर पूंजी या कच्चे माल से अधिक श्रम उत्पादकता पर कहीं गहरा पड़ता है। स्पष्ट है कामकाजी स्थल के भीतर एयर कंडीशनर उत्पादकता में गिरावट को तो थाम सकता है, पर उपस्थिति को नहीं। ऐसा इसलिए, क्योंकि एसी वाले कार्यस्थल से निकलकर श्रमिकों को आम तौर पर उन्हीं आवासों में जाना पड़ता है, जहां ऐसी सुविधा नहीं होती और पारा अमूमन 45 डिग्री को पार कर जाता है।

गर्मी का तीसरा पहलू मानवीय संवेदनाओं से जुड़ा है। इंडिया डेवलपमेंट रिव्यू में 2024 और 2025 के दौरान सामने आया कि दीमापुर में रेहड़ी लगाने वाली 60 प्रतिशत महिलाओं की सब्जियां गर्मियों में एक ही दिन में खराब हो जाती थीं, जबकि सामान्य दिनों में वे दो-तीन चलती थीं। दिल्ली में 11 से 19 जून, 2024 की हीटवेव में 192 बेघर लोगों की मौत हो गई थी। द लैंसेट काउंटडाउन आन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज की अक्टूबर 2025 की रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि भारत ने 2024 में भीषण गर्मी के चलते 247 अरब कामकाजी घंटों का नुकसान झेला, जो 1990 के दशक के औसत की तुलना में 124 प्रतिशत अधिक रहा।

कृषि क्षेत्र को इसका दो तिहाई और कंस्ट्रक्शन उद्योग को 20 प्रतिशत नुकसान उठाना पड़ा। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार भीषण गर्मियों के चलते 2030 तक उत्पादकता पर होने वाला आघात आठ करोड़ पूर्णकालिक नौकरियों के बराबर होगा। इसकी सर्वाधिक तपिश कृषि और कंस्ट्रक्शन जैसे क्षेत्रों को झेलनी पड़ेगी। भारत के लिए यह और हानिकारक है, क्योंकि कामकाजी आबादी का एक बहुत बड़ा हिस्सा इन्हीं क्षेत्रों में है, जहां सीधे गर्मी के संपर्क में ही काम करना पड़ता है। भारत में श्रमबल का करीब 90 प्रतिशत हिस्सा असंगठित क्षेत्र में है और दस प्रतिशत से कम घरों में ही एसी की सुविधा उपलब्ध है।

बढ़ती गर्मियों के चलते रोजगार पर संकट की समस्या का समग्रता में समाधान आवश्यक हो गया है। हमारे यहां कई स्थानों पर दोपहर 12 बजे से तीन बजे तक काम पर पूरी तरह विराम लगाने का प्रविधान है, जिसे बदला जाना चाहिए। इसके बजाय ऐसी व्यवस्था तय की जाए, जिससे कार्यस्थल पर परिस्थितियों के अनुरूप काम को रोका या आरंभ किया जा सके। मौसमी परिस्थितियों के अनुरूप ही काम का पालियों के समय निर्धारण की लचीली व्यवस्था अस्तित्व में आए। सिंगापुर और यूएई में इसी प्रकार का तंत्र प्रभावी है। दूसरा एक उपाय यह हो सकता है कि पूर्व निर्धारित मानकों पर आधारित व्यवस्था के जरिये असंगठित क्षेत्र के कर्मियों को भी सुरक्षा आवरण प्रदान किया जाए। गुजरात में सक्रिय संस्था स्व-रोजगार महिला संघ (सेवा) की प्रायोगिक परियोजना इस दिशा में उपयोगी हो सकती है।

उद्योग जगत के लिए भी किसी अनिश्चित देनदारी की तुलना में एक छोटा और पूर्व-निर्धारित प्रीमियम चुकाना कहीं अधिक आसान और व्यावहारिक होगा। तीसरा उपाय कूल रूफ यानी ठंडी छतों को आवास और औद्योगिक संहिताओं के एक अनिवार्य हिस्से के रूप में शामिल करने से जुड़ा है। अहमदाबाद की पहल ने मात्र 50 रुपये प्रति वर्ग फुट की लागत पर तापमान को पांच डिग्री सेल्सियस तक कम किया है। पीएम आवास योजना इस लागत का बोझ उठा सकती है। कारोबारी सामाजिक उत्तरदायित्व यानी सीएसआर का भी इसमें सहयोग लिया जा सकता है। केंद्रीय बजट में गर्मियों के लिए तैयारी से जुड़े उपायों को भी चिह्नित कर उन्हें प्राथमिकता दी जाए, जैसे जेंडर बजट और सतत विकास लक्ष्यों के विषय में किया जाने लगा है। गर्मियां जिस तरह श्रमिकों के हितों पर आघात करती जा रही हैं, उससे उनकी सुरक्षा के हरसंभव उपाय करने ही होंगे।

(लेखक लोक-नीति विश्लेषक हैं)

ओपेक के हाथ से फिसलता तेल का बाजार

रामिश सिद्दीकी

ओपेक यानी तेल निर्यातक देशों के संगठन का उदय तेल उत्पादक देशों की उस आकांक्षा से हुआ था, जिसके केंद्र में अपने संसाधनों, उत्पादन और आय पर अधिक नियंत्रण हासिल करने की इच्छा थी। 1960 में जब ईरान, इराक, कुवैत, सऊदी अरब और वेनेजुएला ने बगदाद में इस संगठन की स्थापना की, तो उनका उद्देश्य केवल तेल की कीमतों को प्रभावित करना नहीं था। इसके साथ वे उस वैश्विक व्यवस्था को भी बदलना चाहते थे, जिसमें तेल उत्पादक देशों के पास संसाधन तो थे, लेकिन कीमत, उत्पादन और आय पर निर्णायक प्रभाव विदेशी कंपनियों और उपभोक्ता देशों का था। इस पृष्ठभूमि में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का ओपेक और ओपेक प्लस से अलग होने को केवल उत्पादन कोटे पर मतभेद या क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा के रूप में देखना अधूरा होगा। यह ऊर्जा संप्रभुता की बदलती परिभाषा का संकेत है। 1960 में तेल उत्पादक देशों के लिए सामूहिक मंच बनाना जरूरी था, लेकिन आज 2026 में यूएई जैसे देशों को अपना हित स्वतंत्र निर्णय लेने में है। ओपेक ने तेल उत्पादक देशों को सामूहिक शक्ति दी थी। यूएई अब वही नियंत्रण सामूहिक उत्पादन सीमाओं के बजाय अपनी क्षमता, अवसंरचना और दीर्घकालिक राष्ट्रीय रणनीति के आधार पर हासिल करना चाहता है।

ओपेक की ऐतिहासिक भूमिका निर्विवाद है। उसने तेल उत्पादक देशों को अंतरराष्ट्रीय तेल कंपनियों और बड़े उपभोक्ता देशों के सामने सामूहिक शक्ति दी। 1970 के दशक में तेल केवल व्यापारिक वस्तु नहीं रहा, बल्कि वैश्विक राजनीति का केंद्रीय तत्व बन गया। सऊदी अरब ने अपने विशाल भंडार और अतिरिक्त उत्पादन क्षमता के कारण इस व्यवस्था में विशेष स्थान बनाया, लेकिन आज तेल बाजार पहले जैसा नहीं है। अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा कच्चा तेल उत्पादक है। रूस, कनाडा, ब्राजील, गुयाना और अन्य गैर-ओपेक तेल उत्पादक देश वैश्विक आपूर्ति को प्रभावित कर रहे हैं। 2016 में ओपेक प्लस का विस्तार इसी बदली हुई वास्तविकता की स्वीकृति था।

ओपेक अप्रासंगिक तो नहीं हुआ, लेकिन तेल बाजार अब उसकी मूल संरचना से आगे निकल चुका है। यूएई की रणनीति भी इसी से जुड़ी है। वह केवल तेल निर्यातक देश बनकर नहीं रहना चाहता, बल्कि वह ऊर्जा, लाजिस्टिक्स, वित्त, तकनीक और वैश्विक व्यापार में अपनी भूमिका बढ़ा रहा है। तेल उत्पादन सीमा से बंधे रहना उसकी व्यापक राष्ट्रीय रणनीति से मेल नहीं खाता। उसके लिए यह केवल तेल उत्पादन का विषय नहीं, बल्कि भविष्य की अर्थव्यवस्था से जुड़ा प्रश्न है। दुनिया में तेल की मांग अभी समाप्त नहीं हुई है, पर वैश्विक अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे विद्युतीकरण, स्वच्छ ऊर्जा और जलवायु नीतियों की ओर बढ़ रही है।

ऐसे में कम लागत पर तेल निकालने वाले देशों के सामने बड़ा प्रश्न है कि क्या वे कीमतों को ऊंचा बनाए रखने के लिए उत्पादन सीमित रखें या अपने संसाधनों को समय रहते आय में बदलकर भविष्य की तैयारी करें? यूएई का झुकाव दूसरे विकल्प की ओर दिखाई देता है। ईरान-अमेरिका तनाव और होर्मुज स्ट्रेट के आसपास की अस्थिरता ने इस सोच को और प्रासंगिक बना दिया है। पाइपलाइन अवसंरचना के कारण यूएई के पास सीमित ही सही, लेकिन ऐसा विकल्प है, जो संकट के समय खरीदारों को अतिरिक्त भरोसा देता है। इसका महत्व एशिया के लिए विशेष है। भारत, चीन, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देश अब केवल तेल उपभोक्ता नहीं, बल्कि उसकी दिशा प्रभावित करने वाले बड़े आयातक हैं। उनकी मांग, रिफाइनिंग क्षमता और दीर्घकालिक अनुबंध तेल उत्पादक देशों की रणनीति को प्रभावित करते हैं। यदि यूएई अधिक लचीला और भरोसेमंद आपूर्तिकर्ता बनता है, तो एशियाई देशों की आपूर्ति सुरक्षा मजबूत हो सकती है और ऊर्जा कीमतों से जुड़ा आर्थिक दबाव कुछ कम हो सकता है।

सत्ता और सामाजिक जिम्मेदारियों के हॉर्मुज में प्रेस

अनिरुद्ध सिंह 'कुसुम'

लेखक/पत्रकार

प्रेस बिना स्वतंत्रता के एक बिना कंकड़ का झुनझुना है, जिसकी कोई आवाज़ नहीं है। प्रेस एक आईना है जिस पर समाज को सचाई दिखाने का दारोमदार है, प्रेस में दबाव शुरु से ही रहा है लेकिन आज ये गलियारा बहुत संकरा हो गया है। और इस बात के गवाह हैं आंकड़े वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स में हमारा बेहद खराब है.प्रेस को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहते हैं। सवाल है-ये स्तंभ आज कितना सीधा खड़ा है, कितना झुका हुआ है?

कागज पर पूरी आजादी है

संविधान का अनुछेद 19(1)(a) हर नागरिक को अभिव्यक्ति की आजादी देता है। प्रेस के लिए अलग से कोई कानून नहीं, पर सुप्रीम कोर्ट कई बार कह चुका है कि प्रेस की आजादी इसी में शामिल है। आरटीआई डिजिटल मीडिया, यूट्यूब चैनल-सूचना के साधन पहले से यादा हैं। सरकार की आलोचना, घोटाले उजागर करना, लाइव डिबेट-ये सब रोज हो रहा है। यानी थ्योरी में प्रेस 100% स्वतन्त्र है ।

आज के बड़े दबाव हैं मालिक और मुनाफा - 90% मीडिया हाउस किसी न किसी कॉरपोरेट के हैं। चैनल चलाना, अखबार छापना महंगा धंधा है। पैसा विज्ञापन से आता है। सबसे बड़ा विज्ञापनदाता कौन? सरकार और 4-5 बड़ी कंपनियां।

नतीजा- जो फीड दे उसका न्यूज नहीं बिगाड़ते। कई बार एडिटोरियल पॉलिसी तय होती है-सरकार के खिलाफ तीखी खबर मत चलाओ, विज्ञापन कट जाएगा। इसे कहते हैं सेल्फ-सेंसरशिप। डंडा किसी ने नहीं मारा, पर डर से कलम खुद रुक गई।

कनूनी बेडियां -मानहानि केस, UAPA, IT Act की धारा 66 जैसी धाराएं, आडी-सीबीआआई की रेड-ये सब पत्रकार के लिए तलवार हैं। 2022-2024 के बीच कई पत्रकारों पर केस दर्ज हुए। छोटा यूट्यूबर भी अगर सत्ता से सवाल पूछे तो फेक न्यूज का ठप्पा लग जाता है।

नतीजा- खबर लिखने से पहले 10 बार सोचना पड़ता है-कहीं जेल न हो जाए। खोजी पत्रकारिता कम हुई है, कॉपी-पेस्ट पत्रकारिता बढ़ी है।

टीआरपी और सोशल मीडिया का ट्रायल - पहले छपकर बिकते थे, अब बिककर छपते हैं । जिस खबर में गाली, चीख, हिंदू-मुस्लिम, भारत-पाकिस्तान हो, उसकी टीआरपी ज्यादा। इसलिए प्राइम टाइम डिबेट में मुद्दे गायब, ड्रामा फुल। साथ में ट्रोल आर्मी। अगर सरकार के खिलाफ लिखा तो देशद्रोही, अगर पक्ष में लिखा तो गोदी मीडिया। पत्रकार बीच में पिस रहा है।

उम्मीद बाकी है

डिजिटल मीडिया सैकड़ों स्वतंत्र यूट्यूब चैनल, न्यूज पोर्टल, न्यूजलेटर आ गए हैं। 5 लाख के कैमरा-माइक से भी सच दिखाया जा सकता है। रवीश कुमार से लेकर ध्रुव राठी तक, सबने मेनस्ट्रीम से अलग जगह बनाई।

क्षेत्रीय अखबार- आज भी छोटे शहरों का लोकल अखबार कलक्टर-एसपी से सवाल पूछ लेता है। क्योंकि उसका पाठक नेता नहीं, जनता है।

सुप्रीम कोर्ट- कई बार कोर्ट ने पत्रकारों को राहत दी है, कहा है सरकार कीआलोचना राजद्रोह नहीं।

प्रेस इंडेक्स में हम कहां

रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स की वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स 2024 में भारत 180 देशों में 159वें नंबर पर था। कारण बताया-पत्रकारों पर हिंसा, मालिकों का दबाव, सरकारी विज्ञापन का खेल। सरकार इस रैंकिंग को नकारती है, कहती है भारत में सबसे यादा स्वतंत्र प्रेस है।

पेपर है मजबूर नहीं

आज का प्रेस पिंजरे में बंद नहीं है, पर उसके पंख पर अदृश्य धागे बंधे हैं। धागे का नाम है-विज्ञापन, केस, टीआरपी ट्रोल। जो पत्रकार ये धागे काट दे, वो सच दिखा देता है। जो डर जाए, वो प्रेस रिलीज पढ़ने लगता है।

हम होंगे कामयाब

प्रेस उतनी ही स्वतन्त्र है जितनी समाज उसे होने देना चाहता है। जब जनता सवाल पसंद करेगी, [illegible] के लिए चीखना बंद करेगी, और खबर के लिए पैसे देने को तैयार होगी-उस दिन प्रेस सच में आजाद हो जाएगी।

क्योंकि लोकतंत्र में प्रेस सरकार से नहीं, जनता से ताकत पाती है। और जनता अभी कन्फ्यूज है कि उसे न्यूज चाहिए या नशा।

इन्हीं कन्फूजन को दूर करने और प्रेस की महत्ता बताने के लिए 3 मई को विश्व प्रेस दिवस मनाया जाता है सरकारों को प्रेस की आज़ादी याद दिलाने के लिए 3 को मनाया जाता है।

उद्देश्य: प्रेस की स्वतंत्रता के मूल सिद्धांतों का जश्न मनाना, मीडिया की स्वतंत्रता पर हमलों से रक्षा करना और उन पत्रकारों को श्रद्धांजलि देना जिन्होंने ड्यूटी के दौरान अपनी जान गंवाई।

शुरुआत: संयुक्त राष्ट्र महासभा ने दिसंबर 1993 में, यूनेस्को की सिफारिश के बाद, 3 मई को इस दिवस के रूप में घोषित किया था।

महत्व: यह दिन सरकारों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान करने की याद दिलाता है।

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस सम्मेलन 2026, जिसका शीर्षक शांति के भविष्य का निर्माण है, 4 मई को लुसाका में आयोजित किया जाएगा। कई कार्यक्रम ऑनलाइन भी आयोजित किए जाएंगे।

मन एक वीडियो गेम की तरह, जीत और हार का असली मैदान भीतर

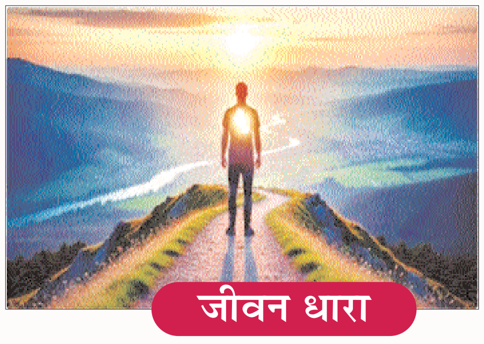

जीवन धारा

वीडियो गेम की तरह हमें हर दिन नई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। अगर हम समझदारी से खेलते हैं, अनुभवों से सीखते हैं, तो हर बार बेहतर होते जाते हैं। पर अगर हम अपनी गलतियां दोहराते रहते हैं, तो बार-बार दुश्मन से हारते रहेंगे।

असल में, हमारे पास अपनी सोच और मन के अलावा और कुछ भी स्थायी नहीं है। हमने जीवन में जो कुछ भी महसूस किया, चाहे वो खुशी हो या दुख, वह सब हमारे मन के जरिये ही हम तक पहुंचा है। हम दूसरों को भी वही दे पाते हैं, जो हमारे मन के भीतर चल रहा होता है। मुश्किल समय में हमें अक्सर ऐसा लगता है कि हमारी खुशियां या दुख बाहरी हालातों-जैसे पैसा, सफलता या अन्य लोगों की वजह से हैं। पर सच्चाई यह है कि हम कैसा महसूस करते हैं, हमारे रिश्ते कैसे हैं और हमारा हर अनुभव कैसा होगा, यह पूरी तरह हमारी अपनी सोच और मानसिक स्थिति पर निर्भर है।

यदि हमारा मन लगातार गुस्से, उदासी, भ्रम या नफरत से भरा है, या हमारा ध्यान हमेशा बिखरा हुआ रहता है, तो फिर यह मायने नहीं रखता कि हम कितने सफल हो जाते हैं। हम उस सफलता का आनंद ही नहीं ले पाएंगे। इसलिए, असली काम बाहरी दुनिया को बदलने से पहले अपने मन को समझने और उसे सही दिशा देने का है। हमारा मन एक वीडियो गेम की तरह है। हम हर दिन एक नए स्तर पर होते हैं, जहां हमें चुनौतियों का सामना करना होता है। अगर हम समझदारी से खेलते हैं, अपने अनुभवों से सीखते हैं, तो हर बार बेहतर होते जाते हैं। लेकिन अगर हम बिना सीखे, बिना जागरूक हुए वही गलतियां दोहराते रहते हैं, तो हम बार-बार अपने दुश्मन से हारते रहेंगे। यह कोई बाहरी दुश्मन नहीं, बल्कि हमारा डर, बुरी आदतें और नकारात्मक सोच है।

असल में, हम जो कुछ भी करते हैं, उसका मकसद अपने सोचने और महसूस करने के तरीके (चेतना) को बदलना ही होता है। हम दोस्ती करते हैं, ताकि अकेलेपन से बच सकें, किताबें पढ़ते हैं, ताकि किसी महान शख्सियत के सकारात्मक विचारों को महसूस कर सकें और अपने सोचने के अनुभव को समृद्ध बना सकें।

इसका मतलब है कि जीवन का असली केंद्र बाहर नहीं, भीतर है। अगर हम अपने मन को समझना, उसे शांत रखना और जागरूक होना सीख जाएं, तो जो दुनिया हमें उलझनों भरी लगती थी, वही हमें साफ और संतुलित नजर आने लगेगी।

विश्व-रंग : मेलोनी और ट्रंप के रिश्तों में खटास

डॉ. सुधीर सक्सेना

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं

इतिहास गवाह है कि दुनिया के नौ देशों पास परमाणु बम हैं, लेकिन केवल एक ने ही अब तक उनका इस्तेमाल किया है और वो देश....... अमेरिका है।

-जियोर्जिया मेलोनी

जियोर्जिया मेलोनी योरोपीय राष्ट्र इटली की प्रधानमंत्री है, निर्वाचित प्रधानमंत्री। यह बात उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस आशय के बयान के उत्तर में कही, जिसमें ट्रंप ने ईरान के इस्लामी बम से लोगों को डराया था और गैर-इस्लामी मुल्कों का समर्थन हासिल करना चाहा था। ट्रंप योरोपीय देशों को हौव्वा दिखाकर आगाह करना चाहते थे कि सावधान, अगर ईरान के हाथों में बम आ गया, तो तुम्हारा क्या हश्र होगा?

ट्रंप के वक्तव्य और मेलोनी के प्रति-वक्तव्य से स्पष्ट है कि अमेरिका और इटली के मध्य दरार दिनों-दिन चौड़ी होती जा रही है। विश्व की सर्वोच ताकत अमेरिका का राष्ट्रपति होने के नाते ट्रंप तमाम देशों को तुछ या दबैल मानने की ग्रंथि से पीड़ित हैं और जब-तब उन्हें धमकाते या गरियाते रहते हैं। वह किसी भी राष्ट्राध्यक्ष या प्रतिष्ठित व्यक्ति का मखौल उड़ाने अथवा तंज कसने में भी बाज नहीं आते। गत दिनों कैथोलिक ईसाइयों के धर्मगुरु पोप ने उन्हें आईना दिखाया, किंतु उसके बाद भी वह अपने बड़बोलेपन पर अड़िग रहे। उनके बयान की इतालवी संसद में तीखी प्रतिक्रिया हुई और इटली के सर्वोच सदन में सत्ता पक्ष और प्रतिपक्ष ने एक सुर में ट्रंप के बयान पर ऐतराज जताया। इतालवी संसद में नेता प्रतिपक्ष सुश्री एली श्लेन ने गरजते हुये कहा कि कोई भी विदेशी राष्ट्ह्याध्यक्ष मेरे देश और मेरी सरकार का अपमान नहीं कर सकता। ट्रंप को खरी खोटी सुनाते हुये श्लेन ने दो टूक कहा - सुन लो, ट्रंप। भले ही हम राजनीतिक कि प्रतिद्वंद्वी हों, लेकिन हम इतालवी जने अपने देश पर होने वाले हमलों को बर्दाश्त नहीं करेंगे, खासकर तुम्हारी तरफ है।

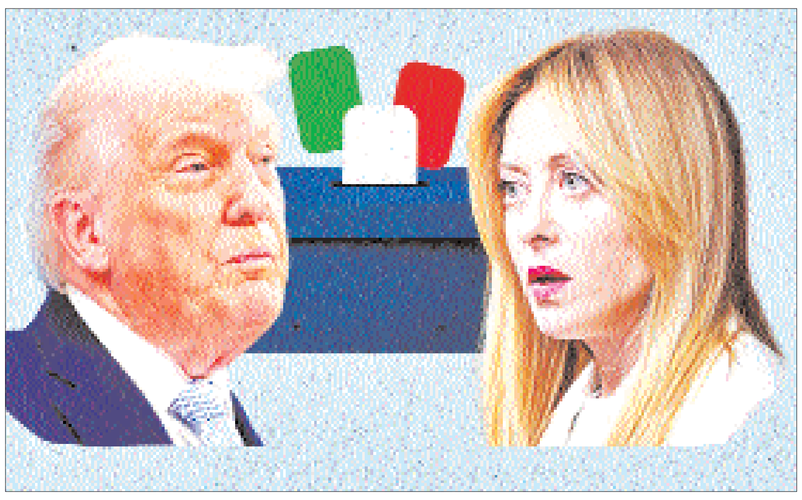

इटली की सेंट्रल लेफ्ट विपक्षी पार्टी डेमोक्रेटिक- पार्टी की नेत्री श्लेन की मेलोनी के साथ एकजुटता ने ट्रंप को बेतरह हैरान कर दिया है। कुछ अर्सा पहले तक मेलोनी ट्रंप की विश्वसनीय सखी समझी जाती थीं। एक छमाही पहले की बात है, जब शर्म-अल-शेख में मेलोनी और तमाम नेता गाजा शांति योजना पर विचार के लिये एकत्र हुये थे। तब ट्रंप ने मेलोनी की शान में कसीदे काढ़ते हुये कहा था- यू डोंट माइंड बीइंग काल्ड ब्यूटीफुल, राइट मेलोनी की ओर मुखातिब ट्रंप के बोल थे - आप वाकई खूबसूरत हैं, आपके आने का शुक्रिया। ट्रंप की तारीफ से मेलोनी असहज तो हुई, लेकिन उन्होंने तारीफ कुबूल कर स्वयं को ट्रंप की सची दोस्त साबित करने में कसर नहीं उठा रखी थी। यही नहीं, वह ट्रंप के पदग्रहण पर भी गयीं और फ्लोरिडा में उनके मार-अ-लागो कंट्री क्लब का फौरी दौरा भी किया। मगर उनका यह रिश्ता कपूर की नाईं उड़ गया। इसी हफ्ते एक इतालवी पत्र को दिये इन्टरव्यू में ट्रंप ने ईरान के साथ युद्ध में अमेरिका का साथ नहीं देने के लिये मेलोनी को आड़े हाथों लेते हुये कहा कि उनमें साहस की कमी है। ट्रंप ने मेलोनी के रवैये को नाकाबिले-बर्दाश्त बताते हुये कहा कि मेलोनी को इस बात की फिक्र नहीं है कि यदि इटली के पास परमाणु बम होता तो वह दो मिनट में उड़ा देता।

ट्रंप ने मेलोनी पर यह फबती तब कसी, जब मेलोनी इटली में घरेलू मोर्चे पर अपनी छवि और नीतियों को लेकर विवादों में उलझी हुई थीं। ट्रंप के प्रति झुकाव के लिये भी वह नुक्ताचीं की शिकार थी और शर्म-अल-शेख में ट्रंप के कमेंट की भी अछी प्रतिक्रिया नहीं हुई थी। अपनी छवि सुधारने के लिये मेलोनी को मौके की तलाश थी और पोप-प्रकरण ने उन्हें वह मौका थमा दिया। मेलोनी यह बखूबी जानती हैं कि इटली में लाग पोप से प्यार और युद्ध से घृणा करते हैं। इतालवी जनों की इस मनोदशा का मेलोनी ने लाभ उठाया और 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका-इस्त्रायल के साझा हमले के बाद ट्रंप से फासला बरतने का क्रम शुरू हुआ। उन्होने सतर्कतापूर्वक ईरान और अमेरिका से सम-दूरी की नीति अपनाई। उन्होंने कहा कि हमें अयातुल्लाहो का ऐसा ईरान नहीं चाहिये, जिसके पास अणु बम है और जो इटली और योरोप का डराये। ऐसे ही उन्होंने ईरान-अमेरिका जंग में अमेरिका की मदद के लिये इतालवी फौजी भेजने से इंकार कर दिया।

इसमें शक नहीं कि मेलोनी अपनी छवि को लेकर अत्यंत सचेत हैं। रेफेरेंडम में पराजय ने अतिरिक्त सचेत बना दिया है। इसी के चलते उन्होंने अमेरिका को ताजा जंग में सिसिली के एयरबेस में उपयोग की इजाजत नहीं दी। अमेरिका चाहता था कि उसके फ़ौजी विमानों को यह सुविधा मिले। उनकी सतर्कता का आलम यह था कि वह पोप प्रकरण पर कुछ नहीं कहना चाहती थीं, लेकिन विपक्ष ने उन्हें स्पष्ट रुख अख्तियार करने को बाध्य कर दिया। उन्होंने कहा कि शांति की बहाली की मांग पोप का हक है। यकीनन मेलोनी तनी हुई रस्सी पर चल रही हैं, जहां जरा सी चूक घातक हो सकती है। वह जानती है कि इटली में अगले वर्ष आम चुनाव है और इतालवी जनता की वैश्विक घटनाक्रम में अधिक रुचि भले ही नहीं हो, किंतु ईरान-अमेरिका की जंग लंबी खिंचने से इतालवियों को मंहगाई और ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ेगा। इसी अवधारणा के तहत उन्होंने इस्त्रायल के साथ सामरिक - संधि तोड़ ली है। फ्रांस के इमैनुएल मैक्रों और ब्रिटेन के कोर स्टार्मर के साथ उनकी मुलाकात पर अमेरिका और सारे योरोप की उत्सुक निगाहें हैं। अंदाजा यही है कि मेलोनी और ट्रंप के रिश्तों में उपजी खटास नये गुल खिला सकती है।

किसी में हिम्मत नहीं कि मुझे मरवा दे: अविमुक्तेश्वरानंद

गोविष्टि यात्रा में योगी सरकार पर गरजे शंकराचार्य

गोरखपुर।

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से रविवार को गोविष्टि यात्रा का शुभारंभ हुआ। भारत माता मंदिर, सहारा स्टेट के सामने आयोजित कार्यक्रम में जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज ने इस यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने अपने संबोधन में न केवल धार्मिक मुद्दों को उठाया, बल्कि सरकार, राजनीति, वोट बैंक और सामाजिक मानसिकता पर भी तीखे सवाल खड़े किए। उनके भाषण में आक्रोश, आह्वान और आंदोलन की स्पष्ट झलक देखने को मिली। शंकराचार्य ने अपने संबोधन की शुरुआत एक गंभीर आरोप से की। उन्होंने कहा कि गोविष्टि यात्रा शुरू करने से पहले उन्हें कई तरह की धमकियां मिलीं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वे किसी भी प्रकार के डर से पीछे हटने वाले नहीं हैं। उनका कहना था कि किसी के माई के लाल में हिम्मत नहीं है कि हमें मरवा दे। अगर कोई पार्टी ऐसा करने की कोशिश करेगी, तो वह सत्ता से बेदखल हो जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें डराने का प्रयास इसलिए किया जा रहा है क्योंकि वे जनता की वास्तविक भावनाओं और मुद्दों को सामने ला रहे हैं। उनके अनुसार, गोरखपुर की जनता निडर है और वह सच्चाई के साथ खड़ी है, लेकिन कुछ शक्तियां इस आवाज को दबाना चाहती हैं। गोविष्टि यात्रा को लेकर उन्होंने बताया कि इसका मुख्य उद्देश्य देश में गाय की रक्षा और उसके सम्मान को लेकर जनजागरण करना है। उन्होंने कहा कि गाय केवल एक पशु नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का आधार है। गाय को माता कहकर पुकारते हैं, लेकिन व्यवहार में उसके साथ वैसा सम्मान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि गाय के प्रति केवल भावनात्मक जुड़ाव पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसकी सुरक्षा और सम्मान के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। इस यात्रा के माध्यम से वे गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करेंगे और गोरक्षा को जनआंदोलन बनाने की कोशिश करेंगे। अपने भाषण में शंकराचार्य ने केंद्र और राज्य सरकार दोनों पर अप्रत्यक्ष रूप से निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यदि सरकार वास्तव में हिंदू हितों की प्रतिनिधि होती, तो अब तक गोमाता की रक्षा के लिए ठोस और प्रभावी नीतियां लागू हो चुकी होतीं। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर अन्य देशों में वहां के धार्मिक समुदायों की बात सुनी जाती है, तो भारत में गोमाता की रक्षा की मांग क्यों नहीं सुनी जाती? उन्होंने यह भी कहा कि इससे यह संकेत मिलता है कि देश में न तो हिंदू राष्ट्र की अवधारणा लागू है और न ही सत्ता में बैठी पार्टी पूरी तरह हिंदू हितों के प्रति प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री पर भी बोला हमला

शंकराचार्य ने राज्य सरकार की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री गाय की रक्षा के मुद्दे पर अपेक्षित दृढ़ता नहीं दिखा पा रहे हैं। उनके अनुसार यदि नेतृत्व में साहस होता, तो बिना किसी दबाव के गोमाता को राज्यमाता घोषित किया जा सकता था। उन्होंने कहा, अगर मुख्यमंत्री में इच्छाशक्ति होती, तो वे केंद्र की परवाह किए बिना यह निर्णय ले सकते थे। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है, क्योंकि वोट बैंक की राजनीति हावी है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार मुस्लिम और अन्य समुदायों के वोटों को खोने के डर से गोरक्षा जैसे मुद्दों पर सख्त निर्णय नहीं लेती।

लोकतंत्र और मतदान पर जोर

अपने संबोधन में उन्होंने लोकतंत्र की शक्ति और जनता की भूमिका पर भी विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि सरकार हम हैं, जनता ही असली सत्ता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे मतदान के महत्व को समझें और अपने अधिकार का सही उपयोग करें। उन्होंने कहा कि यदि जनता ठान ले, तो वह किसी भी मुद्दे को सरकार के एजेंडे में ला सकती है। आप चाहेंगे कि गाय की रक्षा हो, तो होगी। आप चाहेंगे कि उसकी हत्या हो, तो वह भी होगा।

धार्मिक और सांस्कृतिक तर्क

शंकराचार्य ने अपने भाषण में वेदों और धार्मिक ग्रंथों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्राचीन शास्त्रों में गाय की रक्षा को धर्म का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया गया है। उन्होंने एक वैदिक संदर्भ देते हुए कहा कि गाय को मारने वाले असुरों का नाश किया गया था, और आज भी उसी भावना के साथ समाज को खड़ा होना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि गोरक्षा केवल धार्मिक कर्तव्य नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक जिम्मेदारी भी है। उनके अनुसार, गाय भारतीय समाज की आत्मा से जुड़ी हुई है और उसकी रक्षा करना हर नागरिक का दायित्व है।

वोट बैंक की राजनीति पर हमला

अपने संबोधन में उन्होंने वोट बैंक की राजनीति पर भी कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दल अपने निर्णय जनता के हित में नहीं, बल्कि चुनावी लाभ के आधार पर लेते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि कुछ नेता खुले तौर पर यह स्वीकार करते हैं कि उन्हें हर वर्ग का वोट चाहिए, चाहे वह गोरक्षा के खिलाफ ही क्यों न हो। उन्होंने तीखे अंदाज में कहा, क्या आप गाय का दूध और खून एक साथ मिलाकर पी सकते हैं? नहीं। फिर वोट की राजनीति में ऐसा क्यों किया जा रहा है?

राजनीति से दूरी का दावा

अपने भाषण के अंत में उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनका किसी भी राजनीतिक दल से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य किसी पार्टी के मोहताज नहीं हैं और उनका उद्देश्य केवल सनातन धर्म और समाज के हित में काम करना है। उन्होंने विश्वास जताया कि यदि वे कहीं भी पदयात्रा करेंगे, तो सनातन धर्म के अनुयायी उनका समर्थन करेंगे और उनके मार्ग में फूल बिछाएंगे। गोरखपुर से शुरू हुई गोविष्टि यात्रा केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि एक सामाजिक और राजनीतिक संदेश भी देती नजर आ रही है।

पंजाब में भाजपा बनाएगी अगली सरकार: सैनी

चंडीगढ़ (वार्ता)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब के अन्य पिछड़ा वर्ग समुदाय से एकजुट होने का आह्वान करते हुए दावा किया है कि भारतीय जनता पार्टी राज्य में अगली सरकार बना सकती है। उन्होंने कहा कि भाजपा सभी वर्गों को साथ लेकर चलती है और समान प्रतिनिधित्व देती है। रूपनगर में ओबीसी समुदाय के सम्मेलन को संबोधित करते हुए सैनी ने कहा कि पिछली सरकारों ने ओबीसी को सिर्फ वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा मजदूर दिवस पर बुलाए गए विधानसभा के विशेष सत्र पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि यह मजदूरों का मजाक है और सरकार की गरीब विरोधी मानसिकता दिखाता है। जनता ने आप को भारी जनादेश दिया था, लेकिन अब लोग सरकार के प्रदर्शन से निराश हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान बताएं कि चुनाव में किए गए कितने वादे अब तक पूरे हुए हैं। सैनी ने कहा कि ओबीसी समुदाय की बड़ी भागीदारी दिखाती है कि अब यह समुदाय अपने अधिकार, सम्मान और भविष्य को लेकर जागरूक हो रहा है। यह एकता सामाजिक और राजनीतिक बदलाव लाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सामाजिक न्याय को नीति और नीयत दोनों में लागू किया गया है।

गंगा के जलस्तर में संभावित बढ़ोतरी से प्रशासन अलर्ट

ऋषिकेश (वार्ता)। उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार बारिश के पूर्वानुमान और ऊपरी इलाकों से पानी छोड़े जाने की संभावना के बीच गंगा नदी के जलस्तर में वृद्धि को लेकर रविवार को प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ढालवाला क्षेत्र में तैनात राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल, जल पुलिस और आपदा राहत दल ने संवेदनशील घाटों पर विशेष निगरानी शुरू कर दी है। त्रिवेणी घाट, राम झूला, जानकी पुल और निम बीच सहित प्रमुख स्थलों पर सुरक्षा बलों द्वारा लगातार गश्त की जा रही है। टीम द्वारा घाटों पर मौजूद श्रद्धालुओं और पर्यटकों को लाउडहेलर के माध्यम से सतर्क किया जा रहा है और नदी के नजदीक अनावश्यक रूप से न जाने की अपील की जा रही है।

मिट्टी जांच में बिहार अग्रणी

दो साल में आठ लाख नमूनों की जांच

पटना (वार्ता)।

बिहार मिट्टी जांच में अग्रणी राज्य बनकर उभरा है, जहां पिछले दो वर्षों में आठ लाख नमूनों की जांच की गई है। कृषि विभाग के ताजा आंकड़ों के अनुसार, विगत दो वित्तीय वर्षों में आठ लाख मिट्टी के नमूनों की जांच की गई है, तीन वर्ष में एक बार मिट्टी की जांच की जाती है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 5 लाख और वर्ष 2025-26 में तीन लाख मिट्टी के नमूनों की जांच की गई है। यह आंकड़ा राज्य को मिट्टी के स्वास्थ्य जांच में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करता है। साथ ही, राज्य सरकार कृषि के तेज विकास के लिए मिट्टी जांच की सुविधाओं का तेजी से विस्तार कर रही है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में अनुमंडल स्तर पर 25 जिलों में कुल 32 मिट्टी जांच प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं। वहीं, राज्य में पहले से 14 अनुमंडल स्तरीय मिट्टी जांच प्रयोगशालाएं कार्यरत हैं। इसके अलावा कृषि विश्वविद्यालयों एवं कृषि विज्ञान केंद्रों के स्तर से संचालित मिट्टी जांच प्रयोगशालाओं में भी नमूनों की जांच की जाती है। किसानों को अपने जिले में ही यह सुविधा मिले, इसके लिए राज्य के सभी 38 जिलों में जिला स्तरीय मिट्टी जांच प्रयोगशालाएं कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त प्रत्येक प्रमंडल में एक-एक, अर्थात कुल नौ चलंत मिट्टी जांच प्रयोगशालाएं भी संचालित हैं। साथ ही, ग्राम स्तर पर 72 मिट्टी जांच प्रयोगशालाएं भी कार्य कर रही हैं।

हरियाणा निकाय चुनाव में भाजपा के पक्ष में एकतरफा माहौल: बड़ौली

चंडीगढ़ (वार्ता)।

हरियाणा प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने दावा किया है कि नगर निकाय चुनाव में प्रदेशभर में भाजपा के पक्ष में एकतरफा माहौल है। बड़ौली ने रविवार को अंबाला सिटी में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि मतदाताओं का रुझान पूरी तरह भाजपा के साथ है और अंबाला सहित पूरे हरियाणा में ट्रिपल इंजन की सरकार बनेगी। बड़ौली ने कहा कि नगर निगम, नगर परिषद और नगर पालिका के सात स्थानों पर चुनाव हो रहे हैं और सभी जगह भाजपा के पार्षद और चेयरमैन बड़े बहुमत से जीतेंगे, जिससे प्रदेश में विकास को गति मिलेगी।

उन्होंने अंबाला के छह वार्डों के दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि जनता का समर्थन भाजपा के पक्ष में स्पष्ट है। सभी वार्डों के प्रत्याशियों और मेयर प्रत्याशी अक्षिता सैनी के समर्थन में लोग 10 मई को कमल के फूल पर बटन दबाएंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में प्रदेश में सामुदायिक केंद्र , सड़क, गली, स्ट्रीट लाइट और सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं को मजबूत किया गया है। ट्रिपल इंजन सरकार बनने पर इन सेवाओं को और बेहतर तरीके से जनता तक पहुंचाया जाएगा।

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह का बड़ा फैसला

देशभर में 1594 राजनीतिक नियुक्तियां रद्द

काठमांडू।

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह (बालेन) ने एक बड़े फैसले में देशभर में की गई 1500 से अधिक राजनीतिक नियुक्तियों को एक झटके में समाप्त कर दिया है। उनका यह फैसला नेपाल के हाल के इतिहास में सबसे बड़े संस्थागत बदलावों में से एक माना जा रहा है। सरकार ने कैबिनेट बैठक के बाद आठ अध्यादेशों को मंजूरी के लिए राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल के पास भेजा था। इनमें से एक अहम अध्यादेश सार्वजनिक निकायों में की गई राजनीतिक नियुक्तियों को समाप्त करने से जुड़ा था। राष्ट्रपति पौडेल ने इस अध्यादेश को स्वीकृति दे दी। राजपत्र में प्रकाशित होते ही यह अध्यादेश लागू हो गया और करीब 150 सरकारी और सार्वजनिक संस्थानों में नियुक्त 1594 पदाधिकारी तत्काल प्रभाव से पदमुक्त हो गए। इनमें पूर्व सरकारों के दौरान की गई नियुक्तियां शामिल हैं, चाहे वे केपी शर्मा ओली, शेर बहादुर देउबा, पुष्प कमल दहल प्रचण्ड या सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार से जुड़ी नियुक्तियां ही क्यों न रही हों। सभी को एक साथ निरस्त कर दिया गया है। बालेन सरकार ने इस फैसले के लिए करीब 110 अलग-अलग कानूनों में संशोधन का रास्ता अपनाया है। अध्यादेश के अनुसार, पहले से नियुक्त सभी पदाधिकारी, चाहे उनकी कार्यावधि या सेवा शर्त कुछ भी रही हो, स्वत: पदमुक्त माने जाएंगे। इस कदम का असर शिक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा, एविएशन, कला-संस्कृति, मीडिया और विभिन्न ट्रस्ट व नियामक संस्थाओं तक व्यापक रूप से पड़ा है। सबसे ज्यादा असर विश्वविद्यालयों पर देखने को मिला है। देश के प्रमुख विश्वविद्यालयों जैसे- पूर्वांचल विश्वविद्यालय, पोखरा विश्वविद्यालय, संस्कृत विश्वविद्यालय, कृषि एवं वन विज्ञान विश्वविद्यालय, मध्यपश्चिम विश्वविद्यालय, सुदूरपश्चिम विश्वविद्यालय और लुम्बिनी विश्वविद्यालय के उपकुलपति, रजिस्ट्रार और अन्य शीर्ष पदाधिकारी हट गए हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र में भी व्यापक बदलाव हुआ है। सरकारी मेडिकल कॉलेजों के उपकुलपति, रेक्टर, रजिस्ट्रार और अस्पताल निदेशक पदमुक्त कर दिए गए हैं। साथ ही नेपाल मेडिकल काउंसिल, नर्सिंग काउंसिल, स्वास्थ्य अनुसंधान परिषद और चिकित्सा शिक्षा आयोग के अधिकारियों को भी हटाया गया है। इसके अलावा दूरसंचार प्राधिकरण, नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरण, नेपाल पर्यटन बोर्ड, प्रेस काउंसिल, कर्मचारी संचय कोष, गोरखापत्र संस्थान, गुठी संस्थान और तकनीकी शिक्षा परिषद जैसे प्रमुख निकाय भी इस फैसले की जद में आए हैं। यहां तक कि सत्य निरूपण आयोग और बेपत्ता व्यक्तियों की जांच आयोग, जो माओवादी संघर्ष के बाद शांति प्रक्रिया का अहम हिस्सा थे, उनके पदाधिकारी भी पदमुक्त कर दिए गए हैं। सरकार के इस फैसले को जहां एक ओर प्रशासनिक सुधार की दिशा में बड़ा कदम बताया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर इसे लेकर राजनीतिक बहस भी तेज हो गई है।

सरकार ने बदला नियम...भारत में कर सकेंगी निवेश

चीनी कंपनियों की बल्ले-बल्ले

नई दिल्ली। सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है, जिससे चीन की हिस्सेदारी वाली कंपनियों की बल्ले-बल्ले होने वाली है। दरअसल, वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना जारी कर उन विदेशी कंपनियों को फेमा के तहत ऑटोमैटिक रूट से भारत में निवेश करने की परमिशन दे दी है, जिनमें चीन की हिस्सेदारी 10 फीसदी तक है। सरकार ने फेमा के तहत बदलावों को नोटिफाई कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बीते मार्च महीने में डीपीआईआईटी के 2020 के प्रेस नोट-3 में चेंज को मंजूरी दी थी। इसके तहत जिन विदेशी कंपनियों में चीन या हांगकांग की हिस्सेदारी 10 फीसदी तक है, वे भारत के उन सेक्टर्स में ऑटोमैटिक रूट से निवेश कर सकती हैं, जहां एफडीआई की अनुमति है, अब एफडीआई में ये ढील लागू भी कर दी गई है। हालांकि, यह सेक्टर के लिए तय की गई शर्तों पर निर्भर करेगा, जिनका पालन कंपनियों को करना होगा।

हालांकि, यहां ये जान लेना जरूरी है कि आसान किए गए एफडीआई रूल्स चीन या हांगकांग या भारत के साथ जमीनी सीमा शेयर करने वाले दूसरे देशों में सीधे तौर पर रजिस्टर्ड कंपनियों पर लागू नहीं होंगे। इनमें चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, म्यांमार और अफगानिस्तान शामिल हैं। इससे पहले इन देशों के शेयरहोल्डर वाली विदेशी फर्मों को, जिनके पास एक भी शेयर हो, भारत में किसी भी सेक्टर में निवेश करने के लिए सरकार से जरूरी मंजूरी लेनी पड़ती थी। अब खासतौर पर चीन के लिए नियम थोड़ा आसान किया गया है। बदलावों में साफ किया गया है कि बेनिफिशियल ओनर अहम रहेगा, यानी किसी व्यक्ति या संस्था के पास 10 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सेदारी है, तभी उसे महत्वपूर्ण माना जाएगा। पीएमएलए नियम के अनुसार, कंट्रोलिंग ओनरशिप इंटरेस्ट का मतलब कंपनी के 10 फीसदी से ज्यादा शेयर या कैपिटल और प्रॉफिट का ओनरशिप है। इसके अलावा सरकारी नोटिफिकेशन में यह भी कहा गया है कि कोई मल्टीलेटरल बैंक या फंड, जिसका भारत मेंबर है, उसे किसी खास देश की एंटिटी नहीं माना जाएगा और न ही किसी देश को भारत में ऐसे बैंक या फंड के इन्वेस्टमेंट का बेनिफिशियल ओनर माना जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, अप्रैल 2000 से दिसंबर 2025 तक भारत में कुल एफडीआई इक्विटी इनफ्लो में चीन 0.32 फीसदी के मामूली हिस्से के साथ 23वें नंबर पर है, निवेश का आंकड़ा 2.51 अरब डॉलर है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

नाना पाटेकर 76 की उम्र में भी युवा एक्टर्स को भी दे रहे फिटनेस में मात

नाना पाटेकर, भारतीय सिनेमा के एक ऐसे दिग्गज अभिनेता हैं, जो सिर्फ अपनी बेहतरीन अदाकारी के लिए ही नहीं, बल्कि अब अपनी अद्भुत फिटनेस के लिए भी जाने जाते हैं। 76 साल की उम्र में भी वे अपने किसी भी युवा समकालीन को कड़ी टक्कर दे सकते हैं, और इसका हालिया सबूत सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में देखने को मिला। प्रसिद्ध फोटोग्राफ़र और प्रोड्यूसर अतुल कासबेकर ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो अपलोड किया, जिसमें नाना पाटेकर लगातार 15 ट्राइसेप डिप्स करते हुए नजर आ रहे हैं और वह भी बिना किसी थकान या पसीना बहाए। अतुल द्वारा फोटो-शेयरिंग ऐप पर शेयर की गई इस क्लिप में नाना पाटेकर को टैन शॉर्ट्स और सफेद बनियान पहने देखा जा सकता है, जिसके साथ उन्होंने अपने गले में एक गमछा भी लपेटा हुआ है, जो उनके देसी अंदाज को दर्शाता है।

उन्हें बिना किसी रुकावट के, पूरी सहजता के साथ ट्राइसेप डिप्स करते देखा गया, और तो और, इस कसरत के आखिर में उनके चेहरे पर एक संतुष्टि भरी मुस्कान भी थी। इस उम्र में भी फिटनेस के बड़े लक्ष्य तय करने के लिए नाना की तारीफ करते हुए, अतुल ने कैप्शन में लिखा, आ-हो नाना साहेब...आपने तो मेरे फिटनेस लक्ष्य ही बदल दिए...ये हैं नाना पाटेकर जी। उनकी उम्र 76 साल है। और ये उन्हें बार्स पर ट्राइसेप डिप्स करते हुए दिखाया गया है।

फिल्म इंडस्ट्री के कई सदस्यों ने नाना के इस जज्बे की तारीफ की। शिल्पा शेट्टी, विनीत कुमार सिंह और राहुल देव जैसे कलाकारों ने कमेंट सेक्शन में आग और लाल दिल वाले इमोजी शेयर करके अपनी प्रशंसा जाहिर की, जिससे पता चलता है कि नाना की फिटनेस सिर्फ प्रशंसकों के बीच ही नहीं, बल्कि उद्योग में भी चर्चा का विषय बन गई है। कुछ इंस्टाग्राम यूजर्स ने नाना के मशहूर किरदार, वेलकम फ्रैंचाइजी के उदय शेट्टी का भी जिक्र किया। उन्होंने कंट्रोल उदय कंट्रोल और उदय भाई अभी भी फिट दिख रहे हैं जैसे मजेदार कमेंट्स किए, जो नाना के लोकप्रिय ऑन-स्क्रीन किरदारों और उनके वास्तविक जीवन की फिटनेस के बीच एक दिलचस्प संबंध स्थापित करते हैं। अब अगर नाना की आगामी फिल्मों की बात करें, तो वह 2025 में आने वाली हाउसफुल 5 का हिस्सा थे, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख और अन्य कलाकार भी थे। इसके अलावा, उन्हें विशाल भारद्वाज की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म ओरोमियो में एक पुलिसवाले के किरदार में भी देखा गया था, जिसमें शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी मुख्य भूमिकाओं में थे। उन्होंने अनिल कपूर और राधिका मदान स्टारर फिल्म सूबेदार में भी एक कैमियो रोल किया था। नाना पाटेकर की यह ऊर्जा और काम के प्रति समर्पण वाकई प्रेरणादायक है।

भविष्य की विरासत के लिए काम करना चाहती है अनन्या पांडे

अभिनेत्री अनन्या पांडे इन दिनों अपनी आगामी फिल्म चांद मेरा दिल को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। युवा पीढ़ी की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक अनन्या, अपने करियर और भविष्य की योजनाओं को लेकर काफी स्पष्ट और मुखर हैं। हाल ही में उन्होंने अपने पेशेवर दृष्टिकोण और आकांक्षाओं को लेकर खुलकर बात की। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट की, जिसमें उन्होंने बताया कि वह अपने करियर को किस दिशा में ले जाना चाहती हैं और किन उद्देश्यों के साथ काम कर रही हैं। अनन्या ने अपनी बातों को साझा करते हुए कहा, मुझे लगता है कि मैंने अभी तो बस शुरुआत की है, लेकिन ऐसी बहुत सी फिल्में और बेहतरीन कलाकार हैं, जिनके साथ काम करना मेरा सपना है। यह उनके असीमित उत्साह और सीखने की ललक को दर्शाता है।

अनन्या ने बताया कि उनके पास भविष्य की योजनाओं की एक लंबी लिस्ट है और वह इंडस्ट्री में बहुत कुछ हासिल करना चाहती हैं। उन्होंने अपनी बातें शेयर करते हुए कहा कि वह अब अपने करियर में एक कदम और आगे बढ़ाना चाहती हैं। अभिनेत्री का उद्देश्य अब ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना है, जो केवल तात्कालिक सफलता ही नहीं, बल्कि लंबे समय तक दर्शकों के दिलों में बसी रहें और एक स्थायी प्रभाव छोड़ें। उन्होंने दृढ़ता से कहा, मैं कुछ ऐसा प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना चाहती हूं, जिसे हमेशा याद रखा जाए और जो मेरे बाद भी दुनिया में बना रहे। यह कथन उनकी परिपक्व सोच और कला के प्रति गहरे सम्मान को दर्शाता है, जहां वह क्षणिक प्रसिद्धि से परे जाकर रचनात्मक विरासत बनाने पर जोर दे रही हैं।

अनन्या ने माना कि उम्र और अनुभव के साथ फिल्मों और अभिनय के प्रति उनका लगाव और गहरा होता जा रहा है। उन्होंने बताया, फिल्मों को अब मैं लंबे समय तक चलने के नजरिए से देख रही हूं, क्योंकि मुझे अब समझ आ रहा है कि फिल्में कितनी प्रभावशाली होती हैं और वे हमेशा के लिए अमर हो जाती हैं। मैं आज के लिए नहीं, बल्कि भविष्य की विरासत के लिए काम करना चाहती हूं। यह उनकी कलात्मक यात्रा में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है, जहां वह अपनी पसंद को अधिक सोच-समझकर चुन रही हैं। अभिनेत्री लक्ष्य लालवानी के साथ जल्द ही फिल्म चांद मेरा दिल में नजर आएंगी। यह एक कॉलेज रोमांस से शुरू होकर एक इंटेंस और ट्रैजिक लव स्टोरी में बदलती है, जो युवाओं के जुनून भरे प्यार को दर्शाती है। फिल्म की कहानी में प्यार, बलिदान और भावनाओं का एक गहरा मिश्रण देखने को मिलेगा।

विवेक सोनी द्वारा निर्देशित फिल्म चांद मेरा दिल का निर्माण करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले किया गया है, जो इसकी भव्यता और गुणवत्ता का संकेत है। फिल्म में अनन्या पांडे चांदनी और लक्ष्य आरव के रूप में नजर आएंगे। चांद मेरा दिल 22 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी, और अनन्या के प्रशंसक उन्हें इस नए और गहरे किरदार में देखने के लिए उत्साहित हैं।

जनअभियान परिषद द्वारा आदि शंकराचार्य की जयंती का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ

कार्यक्रम में आदि शंकराचार्य जी के जीवन एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला गया

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। आदि शंकराचार्य जी की जयंती पर विकासखंड स्तरीय कार्यक्रम ग्राम बम्होरी में मप्र जनअभियान परिषद विकासखंड करेली के तत्वाधान में सम्पन्न हुआ। आयोजित कार्यक्रम में जिला समन्वयक मप्र जनअभियान परिषद श्री जयनारायण शर्मा ने आदि शंकराचार्य जी के जीवन एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए आदि शंकराचार्य जी के जीवन और उनके प्रेरणास्रोत के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि आदि शंकराचार्य जी ने भारत की सांस्कृतिक एकता को सुदृढ़ करने के लिए चारो दिशाओं में चार प्रमुख मठों की स्थापना की। कार्यक्रम में उपस्थित सभी ने सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक एकता एवं सनातन मूल्यों के संरक्षण के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को पं. विष्णु प्रसाद शास्त्री, श्री महेंद्र सिंह सिसोदिया और श्री छत्रपाल सिंह राजपूत ने संबोधित कर आदि शंकराचार्य जी के जीवन में प्रकाश डाला।

इस अवसर पर सरपंच श्री अनिल सिंह राजपूत, विकासखंड समन्वयक श्रीमती माधवी पाठक, परामर्शदाता श्री राजेश सराठे, विकासखंड के नवांकुर संस्था, ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के प्रतिनिधियों, विद्यार्थियों व गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

नर्मदा तटीय क्षेत्रों में रेवा सेवा समागम कार्यक्रम सम्पन्न हुआ-जिला समन्वयक श्री जयनारायण शर्मा जी ने बताया कि नर्मदा नदी के संरक्षण एवं सवंर्धन के उद्देश्य से जिले में नर्मदा नदी के घाटों में रेवा सेवा समागम कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। पूर्णिमा के अवसर पर विभिन्न धार्मिक, सामाजिक एवं पर्यावरणीय गतिविधियां आयोजित किए जाएंगे। जनअभियान परिषद के द्वारा रेवा सेवा समागम कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। एक मई को बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर जिले के सभी पांचों विकासखंड गोटेगांव, नरसिंहपुर, करेली, चावरपाठा एवं सांईखेड़ा के लगभग 15 प्रमुख घाटों कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रमों में नर्मदा स्वच्छता अभियान, जनसंवाद, नदी अनुभूति कार्यक्रम, मां नर्मदा जी की आरती एवं पूजा संपन्न हुईं। इन आयोजनों का मुख्य उद्देश्य नर्मदा नदी की निर्मलता, अविरलता, पोषण, भक्तिभाव तथा सहायक नदियों के संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना रहा। जिला समन्वयक मप्र जनअभियान परिषद, सभी विकासखंड समन्वयक, नवांकुर संस्थाएँ, ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियाँ, सीएमसीएलडी पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राएँ, परामर्शदाता एवं श्रद्धालुओं की सक्रिय सहभागिता रही। उन्होंने नर्मदा तट को स्वच्छ रखने, जल संरक्षण को बढ़ावा देने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया। विकासखंड करेली के ग्राम चिनकी और गोटेगांव विकासखंड के ग्राम बेलखेड़ी के नर्मदा घाटों पर रेवा सेवा समागम कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

वृत्त नरसिंहपुर के अंतर्गत आबकारी बल ने ग्राम खमतरा एवं बचई में दी दबिश

कच्ची हाथ भट्टी अवैध मदिरा एवं 820 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में, जिला आबकारी अधिकारी श्री बृजेन्द्र कोरी के मार्गदर्शन में और सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री बीएल उईके के नेतृत्व में जिले में मदिरा संबंधी अवैध गतिविधियों के विरूद्ध विशेष अभियान शुक्रवार को चलाया गया। अभियान के दौरान वृत्त नरसिंहपुर के अंतर्गत ग्राम खमतरा एवं बचई में आबकारी बल द्वारा दबिश देकर अवैध मदिरा पर कार्यवाही की गई। इस दौरान कच्ची हाथ भट्टी अवैध मदिरा एवं 820 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद किया गया। इस पर मप्र आबकारी अधिनियम 1915 संशोधन 2000 के तहत 3 प्रकरण पंजीबद्ध किये गए। इसी दौरान दो मदिरा दुकानों का भी सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमितताओं के लिए संबंधित लायसेंसियों के विरूद्ध विभागीय प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। इस सम्पूर्ण कार्यवाही के दौरान सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री रवीन्द्र जैन, आबकारी उप निरीक्षक श्री सतीश कुमार, भ्रांति सैयाम, आकांक्षा धनोतिया, आबकारी मुख्य आरक्षक सदर सिंह बरकड़े, आबकारी आरक्षक लालजी चौधरी, नवल सिंह ठाकुर, राकेश जादोन, ब्रिज किशोर सोनी, अनिल राठौर, दीपांश चौकसे, महिला आरक्षक अंकिता शुक्ला एवं नगर सैनिक मौजूद थे।

अवैध परिवहन करते हुए एक ट्रेक्टर-ट्राली जब्त कर पुलिस थाना की अभिरक्षा में रखा गया

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में जिले में खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम के लिए शनिवार को निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान खनिज विभाग द्वारा एक ट्रेक्टर-ट्राली खनिज रेत का अवैध परिवहन करते हुए पाए जाने पर प्रकरण तैयार कर वाहन को पुलिस थाना तेंदूखेड़ा की अभिरक्षा में रखा गया है। प्रभारी अधिकारी खनिज शाखा नरसिंहपुर ने बताया कि जिले में इस प्रकार की कार्यवाही सतत होती रहेगी।

किसानों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए शुरू हुई सीएम किसान हेल्पलाइन 155253

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा राज्य शासन के किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा किसानों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं मार्गदर्शन के लिए सीएम किसान हेल्पलाईन 155253 का शुभारंभ 30 अप्रैल 2026 को किया गया है। प्रदेश एवं जिले के किसान हेल्पलाईन नंबर 155253 पर कॉल कर अपनी खेती संबंधित समस्याएं दर्ज करा सकते हैं। विभाग द्वारा किसानों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जाएगा। कृषि विशेषज्ञों एवं कृषि वैज्ञानिकों द्वारा खेती संबंधित आवश्यक सुझाव एवं समस्याओं का निराकरण भी किया जायेगा। इस संबंध में परियोजना संचालक आत्मा नरसिंहपुर श्री आरपी झारिया ने जिले के समस्त किसानों से अपील की है कि वे कृषि फसलों से सबंधित समस्याओं, कृषि तकनीक, कृषि योजनाओं, उन्नत कृषि यंत्रो और अन्य कृषि संबंधित समस्त जानकारी के लिए किसान हेल्पलाईन 155253 का अधिक से अधिक उपयोग करें। उन्होंने बताया कि उक्त हेल्पलाइन के माध्यम से किसानों को केन्द्र एवं राज्य सरकार के द्वारा चलाई जा रही किसानहितैषी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने और आधुनिक कृषि तकनीकों संबंधी सलाह प्राप्त की जा सकती है। अत: जिले के सभी किसानों से अपील है कि गई है कि वे सीएम किसान हेल्पलाईन 155-253 सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाकर अपनी खेती को सुरक्षित एवं लाभकारी बनाएं।

जिले के किसान कृषि फसलों से संबंधित समस्याओं, तकनीकी, योजनाओं व अन्य कृषि संबंधी जानकारी के लिए कर सकते है

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यों का निरीक्षण किया

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने शनिवार को जिले के विकासखंड करेली के विभिन्न ग्राम पंचायतों में जाकर जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जल संरक्षण के तहत कंटूर ट्रेंच निर्माण एवं शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने ग्राम पंचायत गिधवानी में लगभग 8 एकड़ शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के निर्देश दिए। यहां एक हजार कंटूर ट्रेंच निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

उन्होंने पौधरोपण कराने के निर्देशित किया। इसी तरह कलेक्टर ने निर्देशित किया कि ग्राम पंचायत नयाखेड़ा में चिन्हांकित भूमि में जल संरक्षण के उद्देश्य से एक हजार कंटूर ट्रेंच निर्माण किया जाए। ग्राम गोबरगांव में लगभग 14 एकड़ शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने एवं गांव के प्राचीन तालाबों की सफाई व संरक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत आमगांवबड़ा में वॉटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं का निरीक्षण किया। यहां लगभग 7 एकड़ शासकीय भूमि को समय सीमा में अतिक्रमण मुक्त कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करें। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त सीईओ जिला पंचायत श्री उदय सिंह सहित संबंधित ग्राम पंचायतों का अमला उपस्थित रहा। इसके अलावा कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने ग्राम तिंसरा में पीएमजीएसवाय द्वारा नवनिर्मित पुल का निरीक्षण किया। उन्होंने नदी में पढ़ी निर्माण सामग्री और अन्य कचरे को हटाकर साफ-सफाई करने के निर्देश दिए, ताकि नदी का प्रवाह अविरल बना रहे।

करेली विकासखंड के विभिन्न ग्रामों में जाकर गौशालाओं का किया औचक निरीक्षण

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने शुक्रवार को करेली विकासखंड के ग्राम पंचायत नयाखेड़ा के ग्राम दिल्हेरी व गोरबगांव में जाकर गौशालाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां चारागाह विकसित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत नयाखेड़ा के ग्राम दिल्हेरी में स्थित राधारामण गौशाला का निरीक्षण किया। यहां उन्हें अवगत कराया गया कि वर्तमान में 106 गौवंश संरक्षित हैं। इसका संचालन वंदना स्वसहायता समूह द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने गौशालाओं से लगी शासकीय भूमि में चारागाह विकसित करने के निर्देश दिए, ताकि गौवंश को पर्याप्त हरा चारा उपलब्ध हो सके। इसी तरह ग्राम गोबरगांव की नवनिर्मित गौशाला का अवलोकन किया। उन्होंने निर्देशित किया कि यहां विद्युत ट्रांसफार्मर स्थापित करने के लिए प्रस्ताव भेंजे। सभी गौशालाओं में पशुधन एवं भूसा भंडारण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त सीईओ जिला पंचायत श्री उदय सिंह सहित संबंधित ग्राम पंचायतों का अमला उपस्थित रहा।

83 मरीजों का हुआ नि:शुल्क उपचार

गाडरवारा (स्वतंत्र मत) । साई धामं मंदिर समिति कान्हरगाव के युवाओं द्वारा भगवान सत्य साई बाबा के बताये हुए मार्ग मानव सेवा ही माधव सेवा है।को चरितार्थ करते हुये। माह के प्रथम रविवार को साई सेवा केन्द्र साई धाम मंदिर (कान्हरगाव) में निशुल्क मेडिकल कैम्प का आयोजन हर माह के पहले रविबार को किया जाता है।जिसमें इस रविबार 81 वें कैम्प का आयोजन किया गया।जिसमें शहरों एंव अनेक गावों के लगभग 83 मरीजों ने अपना उपचार करवाया।साथ ही युवाओं द्वारा निशुल्क दवाईयों का वितरण भी किया गया। वही मेडीकल केंप को पालिथिन मुक्त रहां सभी मरीजों को कागज के पाकिट एंव कपड़े के थेले में दवाईयां वितरित कि गयी।मेडीकल कैम्प में डाक्टर स्वाती कुरचानिया,डाक्टर संजय मोदी, डाक्टर मनीष महोबिया, डाक्टर,अरूण दोहरे,डाक्टर दुर्गेश पटेल, सहयोगी,राहुल गिरी गोस्वामी,नीलेश कुशवाहा,सहित साई धामं मंदिर सेवा समिति के युवाओं ने अपनी सेवायें प्रदान कि। मेडीकल कैम्प में नूरनगर,पिपरिया, होशंगाबाद,बगलई,थलबाड़ा, दिघोरी,महगवां,साईखेड़ा,मगरमुहा,गाडरवारा,इमलिया,राजमार्ग,बरेली,कठोतिया,उदयपुरा,महलबाड़ा,इटारसी,जबलपुर कान्हरगांव सहित गावों के मरीज उपस्थित रहे।

जन जातीय एवं पुनर्वास विभाग मंत्री का भ्रमण कार्यक्रम

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

जन जातीय कार्य, लोक परिसंपत्ति प्रबंधन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग डॉक्टर कुँवर विजय शाह एक दिवसीय भ्रमण 5 मई को बाँधवगढ़ आएंगे। श्री शाह 5 मई को दोपहर 1 बजे कार द्वारा जबलपुर हवाई पट्टी से प्रस्थान कर सायं 4 बजे बाँधवगढ़ आएंगे। जहाँ स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेंगे। रात्रि 9.30 बजे बाँधवगढ़ से कटनी के लिए प्रस्थान करेंगे।

विश्व रेडक्रॉस दिवस के उपलक्ष्य में रेडक्रॉस सप्ताह के अंतर्गत भव्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

उमरिया (स्वतंत्रमत)। विश्व रेडक्रॉस दिवस (08 मई 2026) के उपलक्ष्य में 02 मई से 08 मई 2026 तक मनाए जा रहे रेडक्रॉस सप्ताह के अंतर्गत आज पीएम श्री रणविजय कॉलेज, उमरिया में एक भव्य एवं प्रभावशाली जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं एवं छात्र-छात्राओं को मानवता, सेवा, सहयोग एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के मूल्यों से जोड़ते हुए उन्हें समाज सेवा के कार्यों के प्रति प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में जन अभियान परिषद द्वारा संचालित कक्षाओं में अध्ययनरत सामाजिक कार्य (सोशल वर्क) के स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। इस अवसर पर विद्यार्थियों को भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की स्थापना, उद्देश्य, सिद्धांतों एवं कार्यप्रणाली के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। साथ ही वर्ष 2026 की थीम (मानवता में एकजुटता) के महत्व को समझाते हुए बताया गया कि रेडक्रॉस संगठन किस प्रकार वैश्विक स्तर पर मानवता की सेवा, आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवाओं, रक्तदान एवं राहत कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।कार्यक्रम के दौरान रेडक्रॉस सप्ताह के अंतर्गत आयोजित किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी भी साझा की गई, जिसमें जनजागरूकता अभियान, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, स्वच्छता अभियान, रक्तदान हेतु प्रेरणा, आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण एवं अन्य सामाजिक सेवा गतिविधियां शामिल हैं। विद्यार्थियों को सक्रिय भागीदारी निभाने हेतु प्रोत्साहित किया गया, ताकि सकारात्मक परिवर्तन के वाहक बन सकें।

नवीन विग्रह प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ

पंच दिवसीय कार्यक्रम 8 मई तक

नगर के श्रीदेव अटल बिहारी मंदिर में होंगे आयोजन

गाडरवारा (स्वतंत्र मत) ।

नगर के श्रीदेव अटल बिहारी मंदिर मे अखिल कोटि ब्रह्माण्ड नायक परमाराध्य लाड़ले ठाकुर श्रीदेव अटल बिहारी लाल के नवीन विग्रह एवं श्रीदेव अटल बिहारी लाल युगल सरकार उत्सव विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में पंच दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन आज 3 मई से किया जा रहा है। पंच दिवसीय कार्यक्रम में 3 मई दिन रविवार को ब्राह्मण आगमन, मंडल निर्माण, शाम 7 बजे से भजन संध्या, 4 मई को प्रात: मुंडन संस्कार, दश विधि स्नान, जल मात्रिकापूजन, शाम को पंचांग पूजन व आरती, 5 मई को प्रात: पंचांग एवं मंडल पूजन, शाम को आरती, 6 मई को शाम 5 बजे भव्य शोभा यात्रा व आरती, 7 मई को महास्नान, सहस्त्र धाराभिषेक शाम को 5 बजे हवन कुंड निर्माण व हवन, आरती एवं 8 मई को सुबह प्राण प्रतिष्ठा व भंडारा शाम 7 बजे से भोजराज धर्मशाला में होगा। इस आयोजन में श्रीदेव अटल बिहारी मंदिर भक्त मंडल गाडरवारा ने श्रद्धालुओ से उपस्थिति की अपील की है ।

अधिकारियों ने किया उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण, किसानों से 4 लाख 60 हजार क्विंटल गेहूं खरीदी हुई

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। जिले में समर्थन मूल्य पर चल रही खरीदी प्रक्रिया को सुचारू बनाए रखने के लिए राज्य एवं संभाग स्तर से आए अधिकारियों द्वारा गेहूं, चना एवं मसूर उपार्जन केंद्रों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। जिला उपार्जन समिति के सदस्यों ने भी विभिन्न केंद्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम, तहसीलदार, उप संचालक कृषि, जिला आपूर्ति अधिकारी, डीएम वेयरहाउस, जेएसओ एवं कॉर्पोरेशन इंस्पेक्टर द्वारा केंद्रों पर व्यवस्थाओं की सतत निगरानी की जा रही है, जिससे खरीदी कार्य में किसी प्रकार की बाधा न आए। जिला आपूर्ति अधिकारी नरसिंहपुर ने बताया कि जिले में अब तक 10 हजार से अधिक किसानों से लगभग 4 लाख 60 हजार क्विंटल गेहूं की खरीदी की जा चुकी है। साथ ही लगभग 30 हजार किसानों द्वारा स्लॉट बुकिंग कराई गई है, जिससे खरीदी प्रक्रिया व्यवस्थित रूप से संचालित हो रही है। असामयिक बारिश को ध्यान में रखते हुए उपार्जन केंद्रों पर तिरपाल, पन्नी सहित बारिश से बचाव के सभी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं। इसके साथ ही किसानों के लिए छाया, ठंडे पेयजल एवं बैठने की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। खरीदी की गति बढ़ाने के लिए केंद्रों पर तौल-कांटों एवं हम्मालों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 50 से 60 हजार क्विंटल गेहूं की खरीदी की जा रही है। वहीं सर्वर से संबंधित समस्याओं का भी अधिकांश समाधान कर लिया गया है, जिससे प्रक्रिया में तेजी आई है। जिला प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे स्लॉट बुकिंग के अनुसार निर्धारित तिथि पर ही उपार्जन केंद्रों में गेहूं लेकर आएं, ताकि खरीदी कार्य सुगमता एवं पारदर्शिता के साथ पूर्ण किया जा सके।

खनिज संपदा का गढ़ कटनी अब प्रदेश की माइनिंग कैपिटल बनेगी

बड़वारा में 50 हेक्टेयर डोलोमाइट क्षेत्र आरक्षित

कटनी (स्वतंत्रमत)

मध्य प्रदेश का कटनी जिला अब अपनी भौगोलिक सीमाओं को लांघकर वैश्विक मानचित्र पर माइनिंग हब के रूप में उभर रहा है। 20 से अधिक प्रकार के बेशकीमती खनिजों की उपलब्धता और रिकॉर्ड राजस्व वृद्धि के साथ कटनी अब प्रदेश की खनिज राजधानी बनने की ओर तेजी से अग्रसर है। जिला प्रशासन की सक्रियता से यहाँ न केवल औद्योगिक निवेश को गति मिल रही है, बल्कि रोजगार के नए द्वार भी खुल रहे हैं।

औद्योगिक विस्तार: बड़वारा में बड़े निवेश की तैयारी– हाल ही में राज्य शासन ने जिले की बड़वारा तहसील के बड़ेरा एवं बचरबाड़ा ग्राम में एक बड़ा निर्णय लिया है। यहाँ 50 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में तीन बड़े डोलोमाइट ब्लॉक्स को माइनिंग कार्पोरेशन के पक्ष में आरक्षित किया गया है। इस कदम से जिले में खनिज आधारित उद्योगों की स्थापना और भारी निवेश की संभावनाएं प्रबल हो गई हैं।

खनिजों का अनमोल खजाना: अब सोना और कोयला भी– कटनी की धरा के गर्भ में चूना पत्थर, डोलोमाइट, बॉक्साइट, मार्बल और आयरन ओर जैसे खनिजों का भंडार तो पहले से ही था, लेकिन अब विभागीय अन्वेषणों में यहाँ सोना और कोयले के नवीन भंडार भी मिले हैं। यह खोज भविष्य में जिले की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी।

राजस्व में ऐतिहासिक उछाल– कलेक्टर आशीष तिवारी के कुशल मार्गदर्शन और बेहतर प्रबंधन का परिणाम शासन के खजाने में स्पष्ट दिखाई दे रहा है। विगत वर्षों की औसत आय 100 करोड़ रुपये से बढ़कर अब 160 करोड़ रुपये वार्षिक के पार पहुँच गई है। प्रशासन का जोर अब केवल उत्खनन पर नहीं, बल्कि खनिज के शत–प्रतिशत स्थानीय उपयोग और नई औद्योगिक इकाइयां लगाने पर है।

तकनीक से अवैध उत्खनन पर प्रहार– प्रशासन ने तकनीक के जरिए पारदर्शिता और निगरानी को मजबूत किया है। बड़वारा रोड पर स्थापित आधुनिक ई–चेक गेट से वाहनों के दस्तावेजों की ऑनलाइन जांच की जा रही है। माइनिंग सर्विलांस सिस्टम के माध्यम से अवैध खनन पर प्रभावी लगाम लगाई गई है। लंबित आवेदनों का समय सीमा में निराकरण कर वैधानिक खनन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। जिला प्रशासन का कहना है कि कटनी की प्रचुर खनिज संपदा और हमारी प्रशासनिक सक्रियता मिलकर जिले को भारत के औद्योगिक परिदृश्य में एक नई पहचान दिला रहे हैं। हमारा लक्ष्य पारदर्शिता के साथ राजस्व बढ़ाना और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजित करना है।

55 लाख के विकास कार्यों का हुआ भूमिपूजन

राममनोहर लोहिया एवं बाल गंगाधर तिलक वार्ड में शुरू होंगे निर्माण कार्य

कटनी (स्वतंत्रमत)। शहर में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार को लेकर जनप्रतिनिधियों द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में राममनोहर लोहिया वार्ड के अहमद नगर क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही जनसमस्याओं के समाधान हेतु विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए महापौर प्रीति संजीव सूरी, क्षेत्रीय पार्षद एवं एमआईसी सदस्य उमेंद्र ओमी अहिरवार सहित जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति में 39 लाख 15 हज़ार रुपये की लागत से होने जा रहे विकास कार्य का भूमिपूजन स्थानीय वरिष्ठजनों के करकमलों से विधिवत संपन्न कराया गया। इन विकास कार्यों की श्रृंखला में राममनोहर लोहिया वार्ड स्थित अहमद नगर क्षेत्र में विभिन्न स्थानों में सीसी नाली निर्माण कार्य का शुभारंभ होगा। यह क्षेत्र लंबे समय से जल निकासी की समस्या से जूझ रहा था, जहां बरसात के दौरान जलभराव की स्थिति बन जाती थी। प्रस्तावित नाली निर्माण कार्य पूर्ण होने के पश्चात क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था सुदृढ़ एवं व्यवस्थित हो जाएगी, जिससे विशेषकर बरसात के दौरान होने वाले जलभराव, गंदे पानी के जमाव एवं उससे उत्पन्न होने वाली असुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार होगा। इसके परिणामस्वरूप स्थानीय नागरिकों को लंबे समय से चली आ रही समस्याओं से बड़ी राहत मिलेगी, साथ ही क्षेत्र में स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं आवागमन की स्थिति में भी सकारात्मक सुधार देखने को मिलेगा स्थानीय नागरिकों ने महापौर एवं स्थानीय पार्षद ओमेंद्र अहिरवार एवं समस्त जनप्रतिनिधियों का का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया। क्षेत्रीय पार्षद अहिरवार ने कहा कि इन कार्यों से क्षेत्र की बुनियादी समस्याओं का समाधान होगा और वार्ड के विकास को एक नई दिशा मिलेगी।

ट्रांसपोर्ट नगर में एप्रोच रोड निर्माण से क्षेत्र को मिलेगा नया आधार– इसी कड़ी में बाल गंगाधर तिलक वार्ड अंतर्गत ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में एप्रोच रोड के डामरीकरण कार्य का भी शुभारंभ होगा। लगभग 15 लाख 91 हज़ार रुपए की लागत से होने वाले इस निर्माण कार्य से क्षेत्र में आवागमन सुगम होगा और व्यापारिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी साथ ही जर्जर सड़क के कारण हो रही परेशानी से नागरिकों को निजात मिलेगी। स्थानीय नागरिकों ने महापौर सूरी सहित क्षेत्रीय पार्षद वंदना राजकिशोर यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विकास कार्यों के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर महापौर प्रीति संजीव सूरी ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य केवल योजनाओं की घोषणा तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक विकास कार्य को गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण कर नागरिकों तक उसका वास्तविक लाभ पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि शहर के प्रत्येक वार्ड में बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं और आगे भी जनहित के कार्यों को प्राथमिकता दी जाती रहेगी।

महिलाओं को साड़ी एवं राशन किट का वितरण

29-04-2026 11:51

कटनी (स्वतंत्रमत)

29 अप्रैल को ग्राम बिचुआ में मानव जीवन विकास समिति, कटनी के सचिव निर्भय सिंह के नेतृत्व में जीव दया फाउंडेशन के सहयोग से आंगनवाड़ी केंद्र की महिलाओं हेतु साड़ी एवं राशन किट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराना तथा उनके स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति जागरूक करना था। इस दौरान आंगनवाड़ी केंद्र में उपस्थित महिलाओं को साड़ी एवं राशन किट वितरित किए गए और स्वच्छता, पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सचिव सोने सिंह ठाकुर, सरपंच राजकुमार कोल, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रीति सिंह उपस्थित रहीं। साथ ही मानव जीवन विकास समिति के ब्लॉक समन्वयक अशोक सिंह धुर्वे, दीप प्रताप, अजय फुलसुगे एग्रीकल्चर एक्सपर्ट, फील्ड कोऑर्डिनेटर राजेश तिवारी, धुर्वेंद्र सिंह एवं भारती सिंह भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिससे महिलाओं को आवश्यक सहायता प्राप्त हुई तथा उनके जीवन स्तर में सुधार हेतु सकारात्मक पहल हुई।

गंगा की तर्ज पर निर्मल होगी कटनी नदी

प्रयागराज की आधुनिक तकनीक से शुरू हुआ स्वच्छता का महाअभियान

कटनी (स्वतंत्रमत)

शहर की सांस्कृतिक और भौगोलिक पहचान रही 'कटनी नदी' के संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक अध्याय शुरू हुआ है। वर्षों से प्रदूषण और जलकुंभी की समस्या से जूझ रही इस जीवनदायिनी नदी को नया जीवन देने के लिए नगर निगम ने 'गंगा स्वच्छता मॉडल' को अपनाया है। इस विशेष पहल के तहत कटनी नदी की सफाई के लिए पहली बार अत्याधुनिक मशीनों का उपयोग किया जा रहा है, जो अगले एक माह तक नदी के स्वरूप को बदलने का काम करेंगी।

प्रयागराज से मंगाई गई विशेष 'ट्रैश क्लीनर' मशीन– नदी की सफाई के इस अभियान की सबसे खास बात इसमें उपयोग की जा रही तकनीक है। यह मशीन विशेष रूप से उत्तर प्रदेश के प्रयागराज महानगर पालिका से मंगवाई गई है। गौरतलब है कि प्रयागराज में त्रिवेणी संगम और गंगा नदी की वृहद सफाई के लिए इसी मशीन का उपयोग किया जाता है। मशीन की कार्यक्षमता इतनी अधिक है कि यह नदी की सतह पर तैरते कचरे, भारी जलकुंभी और प्लास्टिक अपशिष्ट को बेहद कम समय में बाहर निकाल सकती है। इस मशीन को कटनी लाने के पीछे नगर निगम प्रशासन का ठोस समन्वय रहा है। नगर निगम आयुक्त तपस्या परिहार ने अपने स्तर पर प्रयागराज के प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा कर इस मशीन की आवश्यकता और उपयोगिता पर बात की, जिसके बाद इसे विशेष रूप से कटनी भेजा गया। यह प्रशासनिक समन्वय शहर के जल स्रोतों को बचाने के प्रति निगम की गंभीरता को दर्शाता है।

कटायघाट से गाटर घाट तक चलेगा अभियान– सफाई के इस महा–अभियान का औपचारिक आगाज कटनी नदी के कटाई घाट छोर से कर दिया गया है। मशीन ने घाट के आसपास जमा गंदगी के अंबार को हटाना शुरू कर दिया है। योजना के अनुसार, यह अभियान चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ेगा। कटायघाट से शुरू होकर यह मशीन नदी के बहाव के साथ गाटर घाट तक जाएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि कटनी नदी के इस हिस्से में गाद (सिल्ट) और जलीय वनस्पतियों के कारण पानी का प्रवाह काफी धीमा हो गया था। मशीन के माध्यम से सफाई होने से न केवल पानी साफ होगा, बल्कि नदी की जल धारण क्षमता में भी वृद्धि होगी, जो आगामी मानसून के दौरान जलभराव की स्थिति को रोकने में सहायक सिद्ध हो सकती है।

नदी संरक्षण के लिए पहली बार मशीन का उपयोग– यह संभवत: जिले के इतिहास में पहली बार है जब किसी नदी की सफाई के लिए इतने बड़े स्तर पर मशीनीकृत प्रयास किए जा रहे हैं। अब तक नदी की सफाई मानव श्रम के माध्यम से की जाती थी, जिसकी अपनी सीमाएं थीं। गहरे पानी और दलदली क्षेत्रों में सफाई करना मजदूरों के लिए जोखिम भरा और कठिन होता था। प्रयागराज से आई यह मशीन पानी में तैरते हुए उन दुर्गम कोनों तक पहुँचने में सक्षम है, जहाँ अब तक सफाई नहीं पहुँच पाई थी।

सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को जन–जन तक पहुंचाएं भाजपाजन

भाजपा जिला संगठन प्रभारी तीन दिवसीय प्रवास पर कटनी पहुंचे

कटनी (स्वतंत्रमत)। भाजपा कटनी संगठन जिला प्रभारी सुजीत जैन तीन दिवसीय कटनी प्रवास 02–03 एवं 04 मई के तहत कटनी पहुंचे। कटनी पहुंचने पर जैन का स्वागत भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक टण्डन तथा वरिष्ठ भाजपा जनों ने किया। जिला संगठन प्रभारी यहां संगठनात्मक कार्यक्रम एवं विभिन्न बैठकों में शामिल होकर कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करेंगे। प्रवास कार्यक्रम की शुरुआत बिलहरी में आयोजित बैठक से हुई। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जैन ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता अपने दायित्व के प्रति सजग रहता है। हम कर्तव्य बोध के साथ कार्य करते हुए अपने संगठन को परम वैभव के लक्ष्य को प्राप्त करने की ओर अग्रसर हैं। जिलाध्यक्ष दीपक टण्डन ने कहा कि गांव से लेकर शहर तक हर कार्यकर्ता अपने समर्पण से पार्टी को निरंतर शिखर पर पहुंचा रहा है। इसी तरह हम सभी अपने दायित्व के प्रति हमेशा सजग रहें और सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को जन–जन तक पहुंचाएं। बहोरीबंद विधानसभा के बिलहरी मंडल की मासिक बैठक में जिलाध्यक्ष दीपक सोनी टंडन, जिला संगठन प्रभारी सुजीत जैन, मंडल प्रभारी सीमा जैन सोगानी, मंडल अध्यक्ष अमित पुरी की उपस्थिति में सफल आयोजन किया गया। बैठक में जिलाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी ने संगठनात्मक विषयों पर चर्चा कर आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की। बैठक में जिला उपाध्यक्ष रवि खरे, वरिष्ठ कैलाश जैन, ओमकार मिश्रा, सचिन तिवारी, अजय मिश्रा पप्पू, रामजस तिवारी सहित मंडल पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। तदोपरांत बिलहरी में अध्यात्मवादी दिगंबर जैन संत आचार्य तारण तरण मण्डलाचार्य की जन्मस्थली पर निर्मित तारण तरण जैन तीर्थ क्षेत्र में उन्होंने दर्शन किए। इस अवसर पर मंडल प्रभारी सीमा जैन सोगानी, जिला उपाध्यक्ष रवि खरे, कैलाश जैन सोगानी, मंडल अध्यक्ष अमित पुरी सहित कार्यकर्ताओं ने मंदिर में दर्शन कर जगत कल्याण की कामना की। बिलहरी दौरे के उपरांत जिला अध्यक्ष तथा संगठन प्रभारी माधवनगर मंडल अध्यक्ष सौरभ अग्रवाल के निवास पर मंडल की बैठक में शामिल हुए तथा संगठनात्मक चर्चा करते हुए कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन दिया। बैठक में पीतांबर टोपनानी, रवि खरे, सुनील उपाध्याय, सीमा जैन सोगानी, वागीश आनंद, मनीष दुबे, सौरभ अग्रवाल, सचिन तिवारी, सतीश मोटवानी, अनंत उरमलिया, हीरा पोपटानी, गोविंद चावला आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इंदिरा गांधी वार्ड में लगभग 40 लाख के विकास कार्यों का भूमिपूजन

कटनी (स्वतंत्रमत)। शहर के इंदिरा गांधी वार्ड में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में लगभग 40 लाख की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन वार्ड की कन्याओं एवं वरिष्ठ नागरिक त्रिवेणी परौहा के करकमलों से सम्पन्न कराया गया। कार्यक्रम में महापौर प्रीति संजीव सूरी, क्षेत्रीय पार्षद ओमप्रकाश बल्ली सोनी तथा एमआईसी सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। भूमिपूजन के साथ ही क्षेत्रवासियों को लंबे समय से अपेक्षित सड़क एवं नाली निर्माण कार्यों की सौगात मिली। भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान मेयर इन काउंसिल सदस्य डॉ रमेश सोनी, सुभाष साहू, जयनारायण निषाद, सुरेंद्र गुप्ता सहित स्थानीय जनों की मौजूदगी रही। कार्यक्रम के दौरान महापौर सूरी ने अपने संबोधन में कहा कि ये विकास कार्य क्षेत्र के समग्र परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य गुणवत्ता के साथ समय–सीमा में पूर्ण किए जाएं, ताकि नागरिकों को शीघ्र इनका लाभ मिल सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुड़वारा विधायक संदीप जायसवाल ने जिला अस्पताल को भेंट किया डेड बॉडी फ्रीजर

कटनी (स्वतंत्रमत)। स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और पीड़ित मानवता की सेवा के संकल्प के साथ मुड़वारा विधायक संदीप श्रीप्रसाद जायसवाल ने एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। विधायक निधि से 6 लाख 50 हजार रुपये की लागत वाला चार कैबिनेट का अत्याधुनिक डेड बॉडी फ्रीजर जिला चिकित्सालय के पोस्टमार्टम गृह को समर्पित किया गया है। अक्सर कानूनी प्रक्रियाओं, मेडिकल जांच या परिजनों के आने में होने वाली देरी के कारण शवों के खराब होने की समस्या सामने आती थी। जनमानस की इस व्यावहारिक समस्या को समझते हुए विधायक जायसवाल ने स्टेनलेस स्टील से निर्मित इस फ्रीजर की व्यवस्था की है। इस आधुनिक फ्रीजर के आने से अब मृतकों के शवों को सुरक्षित और ससम्मान रखा जा सकेगा, जिससे शोक संतप्त परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी। डॉ. राजसिंह ठाकुर, सीएमएचओ स्वास्थ्य सेवाओं में विधायक का निरंतर योगदान विधायक जायसवाल लगातार कटनी की स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के प्रयास कर रहे हैं। उनके हालिया योगदानों की सूची इस प्रकार है पोर्टेबल एक्स–रे मशीन: टीबी मरीजों की सुविधा के लिए 12 लाख 40 हजार रुपये की हैंड हेल्ड मशीन उपलब्ध कराई। निक्षय मित्र: विधायक स्वयं 180 टीबी मरीजों के निक्षय मित्र बने हैं। इन मरीजों को निरंतर 6 माह तक पोषण किट फूड बास्केट प्रदान की जा रही है। इस मानवीय कार्य के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सीएमएचओ डॉ. राजसिंह ठाकुर और सिविल सर्जन डॉ. यशवंत वर्मा सहित पूरे स्वास्थ्य विभाग ने विधायक के प्रति आभार व्यक्त किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन आधुनिक संसाधनों के जुड़ने से जिला चिकित्सालय की कार्यक्षमता और व्यवस्थाएं पहले से अधिक मजबूत होंगी।

बच्चे करें टेक्नॉलोजी का सकारात्मक प्रयोग : डॉ आदित्य कुमार शर्मा

सायना में शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार समारोह सम्पन्न, मेधावी विद्यार्थी हुए सम्मानित

INTERNATIONAL SC
KATNI

ERNATIONAL SC
KATNI

कटनी (स्वतंत्रमत)। सायना इंटरनेशनल स्कूल कटनी में गत दिवस शैक्षणिक सत्र 2024–25 का पुरस्कार वितरण समारोह शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. आदित्य कुमार शर्मा, हेडमास्टर कमल सरेचा, डॉ लोकेश दुबे एवं समन्वयक रीत मोंगा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जिससे पूरे परिसर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ। छात्र–छात्राओं ने अतिथियों का पुष्प गुच्छ व करतल ध्वनि से अभिवादन किया। तदोपरांत बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना की भावपूर्ण प्रस्तुति दी गई। कक्षा पहली से 9वीं एवं 11वीं सैनिक स्कूल सहित में कक्षा में प्रथम स्थान एवं विषय विशेष में सर्वोत्तम अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इसमें कक्षा में प्रथमए द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया एवं विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए भी पुरस्कार दिए गए। इसी कड़ी में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा की ओर से कटनी जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले सैनिक छात्र आदर्श राज को प्रशस्ति पत्र एवं नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। साथ ही सायना स्कूल में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को भी स्वर्ण पदक, रजत पदक, कांस्य पदक एवं प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। सायना के प्राचार्य डॉ. आदित्य कुमार शर्मा ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि यह समारोह केवल अंकों का उत्सव नहीं है बल्कि संकल्प, समर्पण और संस्कार का उत्सव है। इसमें हमारे शिक्षकों की मेहनत के साथ–साथ अभिभावकों का हमारे प्रति विश्वास भी है जिसमें सायना परिवार खरा उतरा है। लेकिन अब शिक्षा के मायने बदल रहे हैं। नई शिक्षा नीति के कारण आ रहे परिवर्तनों को स्वीकार करते हुए पठन–पाठन की शैली भी बदलनी होगी। हमें नई चुनौतियों का सामना करते हुए गतिविधि आधारित शिक्षा को अपनाना होगा। साथ ही हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि बच्चे टेक्नॉलोजी का सकारात्मक प्रयोग करते हुए आदर्श भारत के निर्माण में सहयोगी बनें। सायना के हेडमास्टर डॉ. लोकेश दुबे ने सभी का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। राष्ट्रीय गान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। छात्रों की इस सफलता पर सायना की चेयरपर्सन डॉ. निधि पाठक, सचिव निर्मला सत्येन्द पाठक पूर्व महापौर, विधायक संजय सत्येन्द्र पाठक पूर्व राज्यमंत्री, मध्यप्रदेश शासनद्धनें बधाइयाँ दी हैं। इस कार्यक्रम का सफल संचालन बबीता बजाज एवं प्रीति पाठक ने किया। यह कार्यक्रम डी.सी. मिश्रा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

कोलकाता ने अपनी प्लेऑफ की उम्मीद को जिंदा रखा

हैदराबाद को सात विकेट से हराया

हैदराबाद (वार्ता)।

अंगकृष रघुवंशी (59) और कप्तान अजिंक्या रहाणे (43) की शानदार पारियों की बदौलत कोलकाता नाइट राइडर्स ने रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 45वें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद को 10 गेंदें शेष रहते सात विकेट हरा कर टूर्नामेंट में तीसरी जीत दर्ज करते हुए अपनी प्ले ऑफ की उम्मीद को जिंदा रखा। यह सनराइजर्स हैदराबाद की चौथी हार है।

रिंकू सिंह ने लगातार दो चौके लगाते हुए जीत दिला दी

रिंकू सिंह ने 19वें ओवर की पहली और दूसरी गेंद पर लगातार दो चौके लगाते हुए अपनी टीम को सात विकेट से जीत दिला दी। इस जीत के साथ दो अहम अंक हासिल करते हुए केकेआर सात अंकों तक पहुंच चुकी है और उसके प्ले ऑफ की उम्मीद जिंदा है। इस मैच में पहली पारी में गेंद बेहद धीमी आ रही थी और स्पिनरों को भी मदद मिल रही थी। हालांकि केकेआर ने जिस तरह की आक्रामक शुरुआत की, उससे यह तय हो गया कि उन्हें ज़्यादा रिस्क लेने की जरूरत नहीं है। रघुवंशी ने अर्धशतक लगाते हुए अपनी लय फिर से हासिल की। दूसरी पारी में भी पिच थोड़ी धीमी थी लेकिन केकेआर के बल्लेबाजों ने बेहद सूझबूझ के साथ बल्लेबाजी की। 166 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए फिन ऐलन और अजिंक्या रहाणे की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए शुरुआती चार ओवरों में 49 रन जोड़े। चौथे ओवर की आखिरी गेंद पर पैट कमिंस ने फिन ऐलन को आउट कर सनराइजर्स हैदराबाद को पहली सफलता दिलाई। फिन ऐलन ने 13 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 29 रन बनाये।

अजिंक्या रहाणे ने 43 रन बनाये

15वें ओवर में साकिब हुसैन ने अजिंक्या रहाणे को आउट कर पवेलियन भेज दिया। अजिंक्या रहाणे ने 36 गेंदों में चार चौके एक छक्के की मदद से 43 रन बनाये। 17वें ओवर में शिवांग कुमार ने जीत की ओर अपनी टीम को ले जा रहे अंगकृष रघुवंशी को अपना शिकार बना लिया। अंगकृष रघुवंशी ने 47 गेंदों में पांच चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 59 रनों की पारी खेली।कोलकाता नाइट राइडर्स ने 18.2 ओवरों में तीन विकेट पर 169 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से अपने नाम कर लिया। रिंकू सिंह ने 11 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए नाबाद 22 रन बनाये।

हैदराबाद 19 ओवर में 165 रन पर ढेर

आज यहां इससे पहले कोलकाता नाइट राइडर्स के गेंदबाजों ने सनराइजर्स हैदराबाद को 19 ओवर में 165 रन के स्कोर पर ढेर कर दिया। सनराइजर्स हैदराबाद ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।

चौथे ओवर में अभिषेक शर्मा (15) का विकेट गिरने के बाद ट्रेविस हेड और इशान किशन की जोड़ी ने हैदराबाद की पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट लिए 61 रनों की साझेदारी हुई। नौवें ओवर में वरुण चक्रवर्ती ने ट्रेविस हेड को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा।

ट्रेविस हेड ने 61 रनों की पारी खेली

ट्रेविस हेड ने 28 गेंदों में नौ चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए 61 रनों की पारी खेली। इसके बाद कोलकाता नाइट राइडर्स के गेंदबाजी आक्रमण के आगे सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज टिक कर नहीं खेल सके और अंतराल पर विकेट गंवाते रहे। इशान किशन ने 29 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाते हुए (42) रन बनाये। कप्तान पैट कमिंस 10 रन बना कर आउट हुये। सनराइजर्स के छह बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। एक समय नौ ओवर में दो विकेट पर 105 रन बना चुकी सनराइजर्स ने महज 60 रन जोड़कर अपने आठ विकेट गंवाये। 19वें ओवर की आखिरी गेंद पर कार्तिक त्यागी ने हर्षल पटेल (छह) को आउट कर सनराइजर्स हैदाराबाद की पारी को 165 रन के स्कोर पर अंत किया। कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए वरुण चक्रवर्ती ने तीन विकेट लिये। सुनील नारायण और कार्तिक त्यागी को दो-दो विकेट मिले। अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, कमरून ग्रीन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

फ्रांस ने तोड़ा भारत का सपना

थॉमस कप में ब्रॉन्ज मेडल से करना पड़ा संतोष

होरसेंस (डेनमार्क) (वार्ता)। भारतीय पुरुष टीम होरसेंस, डेनमार्क में आयोजित थॉमस एंड उबेर कप 2026 से कांस्य पदक लेकर लौटेगी, क्योंकि शुक्रवार को सेमीफाइनल में उन्हें फ्रांस के हाथों 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। 2022 के चैंपियन, जिन्होंने क्वार्टरफाइनल में चीनी ताइपे को चौंकाते हुए हराया था, को सेमीफाइनल मुकाबले से पहले एक बड़ा झटका लगा था, क्योंकि उनके शीर्ष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन को कोहनी की चोट के कारण बाहर बैठना पड़ा। इसके बाद पहली बार खेल रहे आयुष शेट्टी को पहला एकल मुकाबला खेलना पड़ा और 2025 वर्ल्ड टूर फाइनल्स के विजेता क्रिस्टो पोपोव ने अपने प्रतिद्वंद्वी के अनुभव की कमी का फायदा उठाते हुए 21-11, 21-9 से जीत दर्ज की और भारतीयों को बैकफुट पर धकेल दिया। इसके बाद विश्व के 10वें नंबर के खिलाड़ी एलेक्स लानियर ने किदांबी श्रीकांत को 21-16, 21-18 से हराकर अपनी टीम की बढ़त को और बढ़ा दिया। इसका मतलब यह था कि युगल जोड़ियों को मुकाबले में लाने के लिए एच.एस. प्रणय को टोमा जूनियर पोपोव के खिलाफ तीसरा एकल मुकाबला जीतना ज़रूरी था। हालाँकि, वह अपनी अच्छी शुरुआत को बरकरार नहीं रख सके और 19-21, 16-21 से हार गए।

परिणाम - पुरुषः भारत फ्रांस से 0-3 से हारा (आयुष शेट्टी क्रिस्टो पोपोव से 11-21, 9-21 से हारे; किदांबी श्रीकांत एलेक्स लानियर से 16-21, 18-21 से हारे; एच.एस. प्रणय टोमा जूनियर पोपोव से 19-21, 16-21 से हारे)।

आखिरी स्थान से बचने के लिए भिड़ेंगे मुंबई और लखनऊ

मुंबई, (वार्ता)। आईपीएल तालिका में सबसे निचले स्थान पर चल रही मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपरजायंट्स आखिरी स्थान पर आने से बचने की उम्मीद के साथ वानखेड़े स्टेडियम में सोमवार की रात भिड़ेंगी। दोनों टीमों के चार-चार अंक हैं। मुंबई नौंवे और लखनऊ दसवें स्थान पर हैं। सात दिन के ब्रेक के बाद वापसी कर रही लखनऊ सुपर जायंट्स को उम्मीद होगी कि इस आराम से उन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मिली दिल तोड़ने वाली हार से उबरने में मदद मिली होगी। वह मैच सुपर ओवर में जाकर उनके हाथ से फिसल गया था। मोहसिन खान की शानदार गेंदबाज़ी (5/23)-जो इस सीज़न का पहला पांच विकेट हॉल था-ने शाम को रोशन कर दिया था, जिसके बाद मोहम्मद शमी के आखिरी गेंद पर लगाए गए छक्के ने एलएसजी को मैच टाई कराने में मदद की थी। जैसा कि भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर अक्सर आईपीएल के तनाव भरे मुकाबलों के दौरान कहते हैं, कि टी20 क्रिकेट में खुद पर तरस खाने की गुंजाइश बहुत कम होती है, और एलएसजी भी यह बात अच्छी तरह जानती है कि उन्हें अब जल्द से जल्द आगे बढ़ना होगा। ऋषभ पंत की टीम आठ मैचों में चार अंकों के साथ पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे है, फिर भी टीम के खेमे में माहौल काफी आशावादी बना हुआ है। टीम मैनेजमेंट का मानना है कि अभी भी छह मैच

बाकी हैं, जो टीम की किस्मत बदलने के लिए काफी हैं-खासकर तब, जब ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर-बल्लेबाज जोश इंगलिस अब चयन के लिए उपलब्ध हैं। वहीं दूसरी ओर, मुंबई इंडियंस को एक कहीं ज़्यादा मुश्किल हकीकत का सामना करना पड़ रहा है। पॉइंट्स टेबल में नौवें स्थान पर मौजूद और पिछले मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स से करारी हार झेल चुकी मुंबई के पास अब समय बहुत कम बचा है। प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए उन्हें अब यहां से लगभग हर मैच में बेहतरीन प्रदर्शन करना होगा। और फिर भी, वानखेड़े में मुंबई को कमज़ोर समझना हमेशा ही जोखिम भरा होता है। यहां की पिच पारंपरिक रूप से साहसी स्ट्रोकप्ले, विकेटों के बीच तेज़ दौड़ और दबाव में भी शांत रहकर मैच खत्म करने वाले खिलाड़ियों के लिए फायदेमंद साबित होती रही है।

महीन धागे से लटकी हैं मुंबई इंडियंस की प्लेऑफ की उम्मीदें

बेंगलुरु (वार्ता)। चल रहे आईपीएल सीजन में मुंबई इंडियंस (एमआई) की प्लेऑफ़ में पहुँचने की उम्मीदें बहुत कम रह गई हैं; पाँच बार की चैंपियन टीम को दौड़ में बने रहने के लिए अपना शेष हर मैच जीतना होगा। नौ मैचों के बाद, एमआई पॉइंट्स टेबल पर नौवें स्थान पर है। उसके पास 2 जीत और 7 हार से मिले सिर्फ़ 4 पॉइंट्स हैं, और उसका नेट रन रेट -0.803 है। लीग के पाँच मैच बाकी हैं, इसलिए टीम ज़्यादा से ज़्यादा 14 पॉइंट्स तक पहुँच सकती है, लेकिन बीच की टीमों के बीच कड़ी टक्कर को देखते हुए शायद यह भी काफ़ी न हो। टेबल में सबसे ऊपर पंजाब किंग्स 13 पॉइंट्स के साथ सबसे आगे है, जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स सभी 12-12 पॉइंट्स के साथ मज़बूत स्थिति में हैं। गुजरात टाइटंस 10 पॉइंट्स के साथ दौड़ में अच्छी स्थिति में है, जिससे क्वालिफ़िकेशन की राह और भी मुश्किल हो गई है।

सभी पाँच भारतीय टीमें फ़ाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहीं

बोत्स्वाना(वार्ता)। शनिवार को बोत्सवाना के गैबोरोन में हुए वर्ल्ड एथलेटिक्स रिले 2026 में, पाँचों भारतीय टीमें अपने-अपने इवेंट के फ़ाइनल के लिए क्वालिफ़ाई करने में नाकाम रहीं। टूर्नामेंट के पहले दिन, हर हीट से शीर्ष दो रिले टीमें, और उनके अलावा कुल मिलाकर अगली दो सबसे तेज टीमें फ़ाइनल में पहुँचीं। इन टीमों ने बीजिंग में होने वाले वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2027 के लिए सीधे तौर पर अपनी जगह पक्की कर ली। मैदान में उतरीं सभी पाँच भारतीय टीमें - मिक्स्ड 4×100मी, मिक्स्ड 4×400मी, महिलाओं की 4×100मी, पुरुषों की 4×100मी और पुरुषों की 4×400मी- अपने-अपने हीट में क्वालिफ़िकेशन की जगहों से बाहर रहीं। इस तरह वे फ़ाइनल में पहुँचने और बीजिंग 27 के लिए तय कोटे का पहला सेट हासिल करने से चूक गईं। तमन्ना, नित्या गांधे, सुदेशना शिवंकर और स्नेहा शानुवल्ली की भारतीय महिलाओं की 4×100मी रिले टीम ने 43.97 सेकंड का समय निकालकर हीट 1 में पाँचवाँ स्थान हासिल किया। कुल 22 टीमों में उनका स्थान 13वाँ रहा। तीनों हीट को मिलाकर कुल सात टीमों को अयोग्य घोषित कर दिया गया। स्पेन (42.26 सेकंड) और

कनाडा (42.39 सेकंड) ने इस हीट में शीर्ष दो स्थान हासिल किए, जबकि दो बार की वर्ल्ड 200मी चैंपियन शेरिका जैक्सन की अगुवाई वाली जमैका की टीम ने 41.96 सेकंड का समय निकालकर सभी हीट में सबसे तेज प्रदर्शन किया। इस बीच, धर्मवीर चौधरी, राजेश रमेश, विशाल थेन्नारासु कायलविझी और मनु थेक्किनाइलिल साजी की भारतीय पुरुषों की 4×400मी रिले टीम ने 3:00.32 का समय निकालकर हीट 3 में चौथा स्थान और कुल मिलाकर 12वाँ स्थान हासिल किया। शनिवार को भारत का प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा। भारत की मिक्स्ड 4×400मी रिले टीम, जिसमें ओलंपियन अमोज जैकब, तीर्थेश पी. शेट्टी, अंसा बाबू और रशदीप कौर शामिल थे, ने 3:16.00 का समय निकालकर हीट 1 में छठा और कुल मिलाकर 18वां स्थान हासिल किया। भारत की पुरुषों की 4×100मी रिले टीम, जिसमें अनिमेष कुजूर, गुरिंदरवीर सिंह, हर्ष संतोष राउत और राघुल कुमार शामिल थे, ने हीट 3 में 39.07 के समय के साथ आठवां स्थान हासिल किया, जिससे वे कुल मिलाकर 20वें स्थान पर रहे। मिक्स्ड 4×100मी रिले में, बैटन बदलने में हुई गड़बड़ी के कारण भारत रेस पूरी नहीं कर पाया। जमैका ने इस इवेंट में 39.99 सेकंड का समय निकालकर विश्व रिकॉर्ड बनाया और सबसे आगे रहा। शनिवार को अपनी रेस पूरी करने वाली चारों भारतीय टीमों ने इस सीजन का अपना सर्वश्रेष्ठ समय निकाला। हालाँकि, सभी पाँचों टीमों को रविवार को रेपचेज हीट्स के जरिए 2027 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप का कोटा हासिल करने का एक और मौका मिलेगा। फाइनल में न पहुँचने वाले सभी खिलाड़ी अतिरिक्त रेस में हिस्सा लेंगे, जिसमें हर हीट से शीर्ष दो खिलाड़ी विश्व चैंपियनशिप में अपनी जगह पक्की करेंगे।

शेयर बाजारों पर दिखेगा वैश्विक कारकों का असर

मुंबई (वार्ता)।

घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही तेजी के बाद आने वाले सप्ताह निवेशकों का रुख वैश्विक कारकों और पीएमआई के आंकड़ों से तय होगा। वैश्विक कारकों में निवेशकों की नजर पश्चिम एशिया की स्थिति और कच्चे तेल की कीमत पर होगी। घरेलू स्तर पर विनिर्माण क्षेत्र के पीएमआई आंकड़े 04 मई को और सेवा क्षेत्र के 06 मई को जारी होने हैं। बीते सप्ताह सोमवार और बुधवार को प्रमुख सूचकांकों में तेजी रही जबकि मंगलवार और गुरुवार को गिरावट देखी गयी। शुक्रवार को महाराष्ट्र दिवस पर बाजार बंद रहा। सप्ताह के दौरान बीएसई का सेंसेक्स 249.29 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की बढ़त में 76,913.50 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 99.60 अंक यानी 0.42 प्रतिशत की साप्ताहिक तेजी के साथ गुरुवार को 23,997.55 अंक पर बंद हुआ। मझौली और छोटी कंपनियों में ज्यादा मजबूती रही। सप्ताह के दौरान निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.84 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 2.50 प्रतिशत चढ़ गया। सेंसेक्स की 30 में से 16 कंपनियों के शेयरों में साप्ताहिक गिरावट और अन्य 14 में तेजी रही। सन फार्मा का शेयर 11.62 प्रतिशत चढ़ गया। टेक महिंद्रा का शेयर 8.38 प्रतिशत, रिलायंस इंडस्ट्रीज का 7.77, आईटीसी का 4.43, अडानी पोर्ट्स का 4.37, भारती एयरटेल का 3.93, टीसीएस का 3.18 और कोटक महिंद्रा बैंक का 3.08 प्रतिशत की बढ़त में रहा। इंफोसिस का शेयर 2.34 फीसदी, मारुति सुजुकी का 2.04, महिंद्रा एंड महिंद्रा का 1.94 और बजाज फाइनेंस का 1.64 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। पावरग्रिड और टाटा स्टील के शेयर भी ऊपर बंद हुए। एक्सिस बैंक का शेयर सप्ताह के दौरान 7.20 फीसदी टूट गया। इंडिगो में 5.01 प्रतिशत, आईसीआईसीआई बैंक में 4.79, इटरनल में 3.88, ट्रेंट में 3.65, अल्ट्राटेक सीमेंट में 3.56, हिंदुस्तान यूनीलिवर में 3.37 और भारतीय स्टेट बैंक में 3.04 प्रतिशत की गिरावट रही। बीईएल का शेयर 2.96 फीसदी, एचडीएफसी बैंक का 1.75, एशियन पेंट्स का 1.60 और बजाज फिनसर्व का 1.32 प्रतिशत लुढ़क गया। एनटीपीसी और टाइटन के शेयरों में भी साप्ताहिक गिरावट रही।

चावल में साप्ताहिक नरमी-दालों, तेलों में घट-बढ़

नयी दिल्ली (वार्ता)। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव टूट गये। वहीं, गेहूं और चीनी में टिकाव रहा। खाद्य तेलों और दालों में उतार-चढ़ाव का रुख देखा गया। सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 11 रुपये घटकर सप्ताहांत पर 3,836 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं 2,781 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग अपरिवर्तित रहा। आटे का भाव भी 3,273 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर रहा। सप्ताह के दौरान तुअर दाल की औसत कीमत 21 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। मूंग दाल 20 रुपये और तुअर दाल 15 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। चना दाल 24 रुपये और मसूर दाल छह रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। बीते सप्ताह सरसों तेल की औसत कीमत 24 रुपये प्रति क्विंटल घट गयी। सूरजमुखी तेल 23 रुपये और वनस्पति 11 रुपये फिसल गया। पाम ऑयल में 72 रुपये और मूंगफली तेल में 31 रुपये की तेजी रही। सोया तेल भी तीन रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। मीठे के बाजार में बीते सप्ताह गुड़ का औसत भाव 13 रुपये प्रति क्विंटल उतर गया। चीनी की कीमत गत दिवस के स्तर पर ही पड़ी रही।दाल चना 7661.85 रुपये, मसूर काली 8079.55 रुपये, मूंग दाल 10189.46 रुपये, उड़द दाल 10847.02 रुपये, तुअर दाल 11246.69 रुपये प्रति क्विंटल रही। अनाज (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2781.11 रुपये और चावल 3836.42 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3273.35 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

शीर्ष 10 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण बढ़ा

भारती एयरटेल, टीसीएस और बजाज फाइनेंस को फायदा, जबकि कई बैंकों को हुआ नुकसान

मुंबई।

छुट्टियों के चलते कम कारोबारी सत्रों वाला पिछला सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए मिली-जुली तस्वीर लेकर आया। जहां एक ओर बीएसई सेंसेक्स ने मामूली बढ़त दर्ज की, वहीं देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से चार के बाजार मूल्यांकन में भारी उछाल दर्ज किया गया। इन चार कंपनियों ने संयुक्त रूप से 2.20 लाख करोड़ रुपये से अधिक का बाजार पूंजीकरण जोड़ा, जिसमें दिग्गज रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे बड़ी लाभार्थी बनकर उभरी। हालांकि, बैंकिंग और कुछ अन्य प्रमुख क्षेत्रों की छह कंपनियों को सामूहिक रूप से 1.24 लाख करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा। पिछले सप्ताह छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्रों के बावजूद देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से चार के संयुक्त बाजार मूल्यांकन में 2.20 लाख करोड़ रुपये का भारी उछाल दर्ज किया गया। इस अवधि में रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक लाभ में रही। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन अकेले 1,39,655.8 करोड़ रुपये बढ़कर 19,36,303.30 करोड़ रुपये पर पहुँच गया, जिससे यह देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही। भारती एयरटेल ने भी शानदार प्रदर्शन किया, जिसका मूल्यांकन 43,503.51 करोड़ रुपये बढ़कर

11,49,222.13 करोड़ रुपये हो गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और बजाज फाइनेंस भी लाभ कमाने वाली कंपनियों में शामिल रहे, जिससे इन चार कंपनियों के संयुक्त मूल्यांकन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। हालांकि, सभी कंपनियों के लिए यह सप्ताह फायदेमंद नहीं रहा। दूसरी ओर एचडीएफसी बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), आईसीआईसीआई बैंक, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मूल्यांकन में कुल मिलाकर 1.24 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई। आईसीआईसीआई बैंक को सर्वाधिक 45,364.62 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, जिससे इसका बाजार पूंजीकरण घटकर 9,04,980.78 करोड़ रुपये रह गया, जबकि एसबीआई का मूल्यांकन 30,922.57 करोड़ रुपये गिरकर 9,85,829.96 करोड़ रुपये पर आ गया। वर्तमान में रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है, जिसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल और भारतीय स्टेट बैंक का स्थान आता है।

एफपीआई ने अप्रैल में पूंजी बाजार से निकाले 70,449 करोड़ रुपये

मुंबई (वार्ता)। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफपीआई) ने अप्रैल में भारतीय पूंजी बाजार से 70,449 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की। शुद्ध निकासी एफपीआई द्वारा पूंजी बाजार में लगायी गयी पूंजी और निकाली गयी पूंजी का अंतर है। यह लगातार दूसरा महीना है जब एफपीआई बिकवाल रहे हैं। इससे पहले, मार्च में उन्होंने रिकॉर्ड 1,26,991 करोड़ रुपये निकाले थे। केंद्रीय डिपॉजिटरी सेवा के ऑकड़ों के अनुसार, अप्रैल में एफपीआई ने इक्विटी और डेट से पैसे निकाले जबकि हाइब्रिड उपकरणों और म्यूचुअल फंड में उनका निवेश बढ़ा है। उन्होंने वित्त वर्ष 2026-27 के पहले महीने में शुद्ध रूप से 58,378 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची। डेट से भी उन्होंने 13,081 करोड़ रुपये की बिकवाली की। हाइब्रिड उपकरणों में उन्होंने 592 करोड़ रुपये लगाये। म्यूचुअल फंड में उनका निवेश 417 करोड़ रुपये रहा। मौजूदा कैलेंडर वर्ष में एफपीआई ने फरवरी को छोड़कर अन्य तीन महीने में बिकवाली की है। इस साल अबतक उन्होंने शुद्ध रूप से भारतीय पूंजी बाजार से

फुटवियर और लेदर सेक्टर की सरकार से गुहार, आयात शुल्क में मांगी राहत

नई दिल्ली।

चमड़ा और फुटवियर (जूता) उद्योग ने सिंथेटिक चमड़े, धातु के सामान, मशीनरी, धागे, मोल्ड और कुछ रसायनों जैसे महत्वपूर्ण इनपुट (कच्चे माल) पर सीमा शुल्क में छूट मांगी है। एक अधिकारी के अनुसार, मौजूदा पश्चिम एशिया संकट के कारण इन इनपुट की लागत में 60 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है. चमड़ा और फुटवियर उद्योग ने हाल ही में वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के समक्ष यह मामला उठाया है। उद्योग के एक अधिकारी ने बताया कि निर्यातकों ने सरकार को प्रस्तावित फ्लोट योजना को जल्द लागू करने का सुझाव दिया है। इस योजना के दायरे में उत्पादों की पूरी श्रृंखला, कच्चा माल, मशीनरी और अन्य इनपुट शामिल होने चाहिए. उन्होंने घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए क्रस्ट और तैयार चमड़े के शुल्क मुक्त आयात की भी मांग की है।

एक अधिकारी ने कहा, पश्चिम एशिया संकट के कारण उद्योग कच्चे माल और इनपुट की बढ़ती कीमतों का सामना कर रहा है, जिनमें 40-60 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है. इसे देखते हुए, हमने सरकार से सिंथेटिक लेदर (क्क-कोडेड फैब्रिक), जूतों के पुर्जे, धातु के सामान, चमड़ा और फुटवियर मशीनरी, धागे, सांचे (द्बश्चद्यस्त्रह्य), टो पफ, आईलेट्स, कुछ लेदर केमिकल और पैकेजिंग सामग्री जैसे महत्वपूर्ण इनपुट पर आयात शुल्क में छूट देने का आग्रह किया है।

कुछ रबर रसायन, पीयू लेदर, गोंद, प्लास्टिक और जूतों के सोल पेट्रोलियम उत्पादों से प्राप्त होते हैं। ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद किए जाने के कारण पश्चिम एशिया संकट ने तेल और गैस जहाजों की

आवाजाही को प्रभावित किया है, जिसका सीधा असर इन सामानों की कीमतों पर पड़ा है। घरेलू उद्योग ईरान कुछ अन्य इनपुट चीन, कोरिया, इंडोनेशिया और जापान जैसे देशों से आयात किए जाते हैं। इस क्षेत्र में देश का आयात साल-दर-साल 4.49 प्रतिशत गिरकर 938 मिलियन अमेरिकी डॉलर रह गया है। वर्ष 2025-26 में देश का चमड़ा और चमड़ा उत्पादों का निर्यात साल-दर-साल 2.36 प्रतिशत घटकर 4.26 बिलियन डॉलर रहा. हालांकि, उद्योग के अनुसार, गैर-चमड़ा वस्तुओं के निर्यात (जिनका डेटा अभी आना बाकी है) के साथ कुल निर्यात 5.6 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

इस क्षेत्र से होने वाले कुल निर्यात में तैयार चमड़ा, चमड़े के जूते, फुटवियर घटक, चमड़े के कपड़े, चमड़े का सामान, जीन और साज-सामान, गैर-चमड़े के जूते, गैर-चमड़े का सामान और फर उत्पाद शामिल हैं। यह निर्यात 2024-25 में 5.57 बिलियन डॉलर रहा, जबकि 2023-24 में यह 5.38 बिलियन डॉलर और 2022-23 में 6 बिलियन डॉलर था।

उद्योगों के उजालों से रौशन हो रहा मध्यप्रदेश: डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने 2360 करोड़ की लागत के इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर के पहले चरण को किया भूमि-पूजन

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विकास एक क्रमिक प्रक्रिया है। प्रदेश में अधिकाधिक औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के जरिए उत्पादन गतिविधियों का विस्तार और निर्यात वृद्धि हमारा प्रमुख लक्ष्य है। हम उद्योग-धंधों को बढ़ावा देकर प्रदेश के औद्योगिक विकास लक्ष्यों की ओर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर प्रदेश की प्रगति का नया अध्याय है। यह कॉरिडोर सच्चे अर्थों में नये मध्यप्रदेश के निर्माण में मील का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मालवा के किसान हमेशा कमाल करते हैं। प्रदेश के विकास में विशेषकर मालवा क्षेत्र के किसानों का सहयोग और समर्पण अनुकरणीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को इंदौर जिले में ग्राम नैनोद में इन्दौर-उज्जैन मेट्रोपोलिटन एरिया की अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजना के तहत 2360 करोड़ की लागत से विकसित होने वाले इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर के पहले चरण के कार्यों का भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह इकोनॉमिक कॉरिडोर यहां की नई संभावनाओं, नए सपनों और नए अवसरों का गेट-वे है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह कॉरिडोर इंदौर-पीथमपुर औद्योगिक प्रक्षेत्र सहित पूरे मालवांचल के विकास को नई गति देगा। साथ ही इंदौर-उज्जैन मेट्रोपॉलिटन एरिया के समग्र विकास में भी अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि इस कॉरिडोर के निर्माण से उद्योगों को बेहतर कनेक्टिविटी, लॉजिस्टिक्स और आधारभूत सुविधाएं मिलेंगी, जिससे उत्पादन लागत में कमी आयेगी।

650 करोड़ के विकसित प्लॉट किसानों को दिए गए- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज यदि हमारा मध्यप्रदेश उद्योगों के उजालों से रौशन हो रहा है, तो इसमें किसानों की बड़ी भूमिका है। उन्होंने अपनी पुश्तैनी जमीनें सरकार को दीं। हमने किसानों की बात सुनी। उनका समर्थन पाया और उन्हें इस कॉरिडोर के निर्माण में भागीदार भी बनाया। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस कॉरिडोर निर्माण में करीब 650 करोड़ रुपये के विकसित प्लॉट किसानों को दिए गए। इससे वे भी विकास के इस महायज्ञ में भागीदार बने। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह किसानों की सरकार है। किसानों को कोई भी कष्ट नहीं आने देंगे। अब हम किसानों को चार गुना मुआवजा देंगे।

परिवहन और औद्योगिक ढांचे को मजबूत किया जाएगा- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस इकोनॉमिक कॉरिडोर के पहले चरण में सड़क, परिवहन और औद्योगिक ढांचे को मजबूत किया जाएगा। इस कॉरिडोर से रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। स्थानीय युवाओं को लाभ मिलेगा और अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी। यह कॉरिडोर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय निवेश के लिए मध्यप्रदेश को एक आकर्षक गंतव्य बनाएगा तथा बेहतर कनेक्टिविटी के साथ आधुनिक अधोसंरचनाओं से लैस यह क्षेत्र जल्द ही देश के प्रमुख इंडस्ट्रियल हब के रूप में अपनी पहचान बनायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लगभग 2360 करोड़ रुपये की लागत से विकसित हो रहा यह कॉरिडोर प्रोजेक्ट प्रदेश को निवेश, उद्योग और रोजगार के नए केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

5 लाख प्रत्यक्ष और 1 लाख अप्रत्यक्ष, रोजगार- करीब 20 किलोमीटर लंबा यह कॉरिडोर इंदौर की व्यावसायिक क्षमता और पीथमपुर के औद्योगिक सामर्थ्य के बीच निर्बाध कनेक्टिविटी स्थापित करेगा। इससे लॉजिस्टिक्स की लागत घटेगी और मार्केट में तेजी आएगी। इस परियोजना से 5 लाख से अधिक प्रत्यक्ष और 1 लाख अप्रत्यक्ष, रोजगार सृजित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि इस इकोनॉमिक कॉरिडोर परियोजना में किसानों के हितों को केंद्र में रखते हुए 60 प्रतिशत विकसित भूमि वापस देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। इससे अब वे विकास प्रक्रिया में भागीदार भी बन रहे हैं।

मुख्यमंत्री का किसानों ने किया अभिनंदन, जताया आभार- कार्यक्रम के दौरान 60 प्रतिशत विकसित भूमि किसानों को वापस देने तथा किसानों को चार गुना मुआवजा देने के राज्य सरकार के ऐतिहासिक निर्णय के लिए क्षेत्रीय किसानों, ग्रामीणों और सरपंचों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का साफा पहनाकर एवं बड़ी गजमाला से आत्मीय स्वागत-अभिनंदन किया। किसानों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को कृषि देवता भगवान बलराम का चित्र एवं पवित्र हल भेंटकर आभार जताया। इस अवसर पर क्षेत्रीय किसानों ने मुख्यमंत्री के समक्ष प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश संवर्धन को इस कॉरिडोर में भूमि देने के लिए अपना सहमति पत्र प्रदान किया। इसी दौरान किसानों को कॉरिडोर में विकसित भूखंडों के अलॉटमेंट लेटर भी प्रदान किए गए।

किसान बनेंगे समृद्ध और युवाओं को मिलेगा रोजगार- नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर परियोजना देश की सर्वश्रेष्ठ योजनाओं में शामिल होगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के विशेष प्रयासों से आकार ले रही यह परियोजना प्रदेश के विकास का मजबूत आधार बनेगी। यह कॉरिडोर प्रदेश के विकास को नई दिशा देगा और औद्योगिक विस्तार का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। औद्योगिकीकरण के लिए सरकार ने हमेशा किसानों के हितों को सर्वोपरि रखा है। किसानों को उनकी संतुष्टि के अनुसार उचित मुआवजा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसान देश का अन्नदाता है और उसकी जमीन के बदले ऐसा मुआवजा मिलना चाहिए कि वह बेहतर विकल्प प्राप्त कर सके। इस योजना के तहत लाभान्वित किसानों को इतना लाभ मिला है कि वे आर्थिक रूप से सशक्त हुए हैं।

स्टार्टअप और नवाचार को बढ़ावा देने राज्य सरकार सदैव तत्पर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों से किया संवाद

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य शासन स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। राज्य में 10 हजार स्टार्टअप धारकों ने अपना पंजीयन कराया है। स्टार्टअप शुरू करने वालों को राज्य सरकार प्रतिमाह स्टाइफंड भी दे रही है। प्रदेश में चारों ओर उद्योगों का फैलाव हो, इसके लिए लगातार नवाचार किए जा रहे हैं। बाहर की कम्पनियों को निवेश के लिए औद्योगिक समिट के माध्यम से प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे युवाओं को रोजगार मिले और प्रदेश विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ता रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को इंदौर जिले के महू में एक निजी कॉलेज में आयोजित प्लेसमेंट प्रोग्राम में युवाओं को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कॉलेज के उन युवाओं को प्लेसमेंट के प्रमाण-पत्र वितरित किए, जिनका प्लेसमेंट विभिन्न कम्पनियों में हुआ। कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, विधायक उषा ठाकुर, कॉलेज के सेक्रेटरी सुनील बंसल और शरद त्रिवेदी विशेष रूप से उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों को आह्वान किया कि यदि हम किसी विषय को मन लगाकर गहराई से पढ़ते हैं, तो उसकी याददाश्त लम्बे समय तक बनी रहती है। एकाग्रचित होकर अध्ययन करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिक्षक बनकर विद्यार्थियों से प्रश्न किए, तो वहीं विद्यार्थियों ने भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव से प्रश्न किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों से विज्ञान और राजनीति से जुड़े प्रश्न किए, तो वहीं विद्यार्थियों ने उद्योग और नवाचार को लेकर प्रश्न किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केवल पाठ्यक्रम तक ही विद्यार्थी स्वयं को सीमित न रखें, वह आगे भी अपना मनन और चिंतन जारी रखे। नये-नये नवाचार करें और स्वयं को भी परखें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्टार्टअप, गुरूत्वाकर्षण, ब्रह्माण्ड, नवाचार, निवेश आदि को विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से समझाया। उन्होंने सुशीला देवी बंसल कॉलेज परिसर में आयोजित विज्ञान परियोजना प्रदर्शनी का अवलोकन किया और विभिन्न वैज्ञानिक मॉडलों और प्रोजेक्ट के बारे में विद्यार्थियों से जानकारी प्राप्त की। साथ ही सामूहिक चित्र खिंचवाये।

नगर को सुंदर बनाना ही हमारा संकल्पः सीएमओ

पथरिया (स्वतंत्र मत)। आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर नगर परिषद पथरिया ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में नगर परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी पीयूष अग्रवाल ने नगरवासियों से विशेष अपील की है। सीएमओ पीयूष अग्रवाल ने कहा कि नगर को स्वच्छ, स्वस्थ और सुंदर बनाना ही हमारा संकल्प है। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि वे स्वच्छता सर्वेक्षण में बढ़ चढ़कर हिस्सा लें और फीडबैक के माध्यम से नगर परिषद का सहयोग करें। उन्होंने यह भी कहा कि सभी लोग अपने घरों का गीला और सूखा कचरा अलग.अलग कर कचरा गाड़ी में ही डालें तथा सड़कों और नालियों में कचरा न फेंकें। यदि कहीं कचरे का बड़ा ढेर दिखाई दे। तो इसकी सूचना तुरंत नगर परिषद को दें। नगर परिषद का मानना है कि जनभागीदारी से ही पथरिया को एक आदर्श और स्वच्छ नगर बनाया जा सकता है।

जल बहुमूल्य है इसके दुरुपयोग को रोकें, नलों में टोंटी लगाएंः मलैया

दमोह विधायक ने किया फिल्टर प्लांट का निरीक्षण

दमोह (स्वतंत्र मत)

रविवार की सुबह विधायक जयंत मलैया ने नगर पालिका के फिल्टर प्लांट का निरीक्षण कर जल व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने प्लांट के प्रत्येक हिस्से को बारीकी से देखा और उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों को व्यवस्थाओं में सुधार के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान विधायक मलैया ने कहा कि कुछ वर्ष पहले दमोह शहर गंभीर जल संकट से जूझ रहा था लेकिन जुझार घाट से पानी की पाइपलाइन शुरू होने के बाद शहर में पर्याप्त जल आपूर्ति सुनिश्चित हो पाई है।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में राजनगर तालाब में एक और इंटेक वेल का निर्माण कार्य जारी हैए जो पूर्ण होने के बाद दो अलग-अलग लाइनों के माध्यम से फिल्टर प्लांट तक पानी पहुंचेगा। इससे भविष्य में शहर में प्रतिदिन जल आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी। उन्होंने आगे कहा कि फिलहाल शहर के कुछ क्षेत्रों में प्रतिदिन पानी की सप्लाई हो रही हैए जबकि कुछ स्थानों पर एक दिन छोड़कर पानी दिया जा रहा है। जहां पानी का प्रेशर कम है वहां टंकियों के माध्यम से पर्याप्त दबाव बनाकर पानी पहुंचाने की व्यवस्था की जाएगीए ताकि हर नागरिक तक सुचारू रूप से पानी पहुंच सके। विधायक मलैया ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि जल एक बहुमूल्य संसाधन है इसलिए इसके अपव्यय को रोकना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि यदि कहीं पानी का वाल्व खुला दिखे तो उसे तुरंत बंद करें और जहां वाल्व की व्यवस्था नहीं है, वहां संबंधित अधिकारियों को सूचित कर वाल्व लगवाएं। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष मनीष तिवारी, मंडल अध्यक्ष द्वय रमाकांत बाजपेई एवं राजेंद्र चौरसिया, जुगल अग्रवाल,पार्षद मोनू राजपूत, विकास जैन, परियोजना अधिकारी कपिल खरे, मुख्य नगर पालिका अधिकारी राजेंद्र सिंह लोधी रहे।

नवोदय वार्ड में जल संकट गहराया

पाइप लाइन उखड़ने से 250 से अधिक परिवार 8 दिन से परेशान

हटा (स्वतंत्र मत)

नगर के नवोदय वार्ड में पिछले आठ दिनों से भीषण जल संकट बना हुआ है। अंधियारा बगीचा से पटेरा नाका एवं दमोह नाके की ओर बन रही फोरलेन सड़क के निर्माण कार्य के दौरान ठेकेदार की लापरवाही से जल सप्लाई की पाइप लाइन उखाड़कर फेंक दी गई जिससे वार्ड के 250 से अधिक परिवारों को पानी के लिए जूझना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि सड़क चौड़ीकरण के दौरान ठेकेदारों ने जेसीबी से उदय प्रोजेक्ट की पटेरा रोड और दमोह पन्ना रोड की पाइप लाइन को नुकसान पहुंचाया जबकि नियमानुसार सड़क खोदने के पूर्व पाइप लाइन को क्षतिग्रस्त करने के बजाय हटाकर तुरंत व्यवस्थित रूप से शिफ्ट करना था। लेकिन आठ दिन बीत जाने के बाद भी न तो पाइप लाइन ठीक हुई और न ही जल आपूर्ति बहाल हो सकी। हैरानी की बात यह है कि इतने लंबे समय से पानी सप्लाई बंद होने के बावजूद संबंधित विभागों को इसकी जानकारी तक नहीं थी। वार्डवासियों ने जब नगर पालिका में शिकायत की तो जल प्रदाय प्रभारी द्वारा जल व्यवस्था भंग होने की जिम्मेदारी एमपीयूडीसीपर डाल दी गई। वहीं एमपीयूडीसी के अधिकारियों ने भी जल सप्लाई बंद होने की जानकारी से अनभिज्ञता जताई। स्थानीय रहवासी जलील खान, वाहिद खान और हसन खान सौरभ, नीरज आदि ने बताया कि वे कई किलोमीटर दूर से साइकिल पर पानी लाने को मजबूर हैं। वहीं मुकुंदी सेन और राजू का कहना है कि नगर पालिका का एक टैंकर सुबह आता है जो कुछ ही मिनटों में खाली हो जाता है। लोकेश रैकवार ने बताया कि उन्होंने सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई है लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। त्रिभुवन यादव और बंटू यादव ने आरोप लगाया कि ठेकेदार की मनमानी के कारण यह स्थिति बनी है और जिम्मेदार अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं। इस मामले में एमपीयूडीआई के प्रोजेक्ट मैनेजर पीडी तिवारी ने कहा कि उन्हें लाइन शिफ्टिंग की कोई पूर्व जानकारी नहीं है ना ही नपा के उपयंत्री ने इस बारे में बताया है। एमपीआरडीसी के अधिकारियों से बात करते हैं जल्द समस्या का समाधान किया जाएगा। वहीं एमपीआरडीसी के सहायक प्रबंधक सुनील कालरा ने कहा कि ठेकेदार को इस तरह कार्य नहीं करना चाहिए मामले की जांच कराई जाएगी।

महादेवघाट पुल पर सड़क हादसा बेहोशी की हालत में मिला युवक

नवयुवक ने दिखाई मानवता

जबेरा (स्वतंत्र मत)। नोहटा थाना क्षेत्र के अंतर्गत महादेव घाट पुल पर एक युवक सड़क दुर्घटना का शिकार होकर बेहोशी की अवस्था में पड़ा मिला। घटना के समय मौके पर कई लोग मौजूद थे लेकिन किसी ने भी घायल को अस्पताल पहुंचाने की पहल नहीं की। इसी बीच हिनौती आजम निवासी नवयुवक दीपराज जाटव ने मानवता का परिचय देते हुए घायल युवक की मदद की। उन्होंने तुरंत 108 एंबुलेंस सेवा को कॉल किया। सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस के पायलट दौलत रैकवार और ईएमटी संजू अहीरवाल मौके पर पहुंचे और बिना समय गंवाए घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जबेरा पहुंचाया। अस्पताल में पदस्थ डॉक्टर सौरभ सुमन द्वारा घायल युवक का इलाज जारी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार घायल की पहचान धर्मेंद्र आदिवासीए निवासी मनगुवाघाट के रूप में हुई है। वहीं पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। दीपराज जाटव ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों की तुरंत मदद करें और उन्हें नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाएं ताकि समय पर इलाज मिलने से उनकी जान बचाई सके।

स्वच्छता, स्वास्थ्य और जनसुविधा से जुड़ी समस्याओं में कोताही बर्दाश्त नहीं : तोमर

मंत्री तोमर ने उप नगर ग्वालियर के वार्ड 17, 6 और 7 में किया सफाई व्यवस्था का निरीक्षण

भोपाल (स्वतंत्र मत)

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने रविवार को उप नगर ग्वालियर के वार्ड 17, 6 तथा 7 में विभिन्न गली-मोहल्लों की सफाई, सीवर, स्ट्रीट लाइट, कचरा प्रबंधन तथा अन्य समस्याओं के निराकरण के लिए स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वच्छता, स्वास्थ्य और जनसुविधा से जुड़ी क्षेत्रवासियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा संबंधित अधिकारियों को शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण सुधार कार्य सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने हिदायत दी कि सीवर की सफाई, कचरा संग्रहण और सड़कों के रखरखाव के कार्य में किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाए, लापरवाही बरतने वाले अधिकारी-कर्मचारियों के खिलाफ कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाए। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने आमजन की सीवर, पानी, बिजली तथा सड़क से सम्बन्धित समस्याओं का मौके पर ही निराकरण करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्वालियर विधानसभा मेरा परिवार है और परिवार को कोई भी असुविधा न हो मूलभूत सुविधाओ में जो कमी है, उसको तुरंत दुरस्त किया जाए।

उन्होंने रविवार की सुबह 6 बजे उप नगर ग्वालियर के वार्ड 17 स्थित विभिन्न गली, मोहल्लों में पेयजलापूर्ति, सीवर सफाई, बिजली व्यवस्था सहित अन्य समस्याओं के सम्बन्ध में स्थानीय नागरिकों से सीधा संवाद किया। उप नगर ग्वालियर के वार्ड 06 स्थित जहाँगीर कटरा,मेवाती मोहल्ला, लधेडी, जगना पुरा, हथियापौर तथा वार्ड 7 के श्रीकृष्ण नगर में भी पहुंचे तथा यहां चल रही सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के सम्बन्ध में स्थानीय नागरिकों से जानकारी ली। उन्होंने लोगों से पूछा कि उन्हें राशन मिल रहा है, पेंशन मिल रही है, आयुष्मान कार्ड बन गया है। इसके जबाव में लोगों अपनी सहमति जताई। उन्होंने बहनों तथा बुजुर्ग माताओं से बातचीत कि और उनसे कुशलक्षेम पूछी। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि हर कदम पर एक ही भावना रहनी चाहिए, हम बदलेंगे, तो हमारा ग्वालियर बदलेगा। यह राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि एक संकल्प है, अपने शहर, अपनी पीढ़ी और अपनों के भविष्य के लिए। उन्होंने आव्हान किया कि ग्वालियर को स्वच्छ, स्वस्थ और नशा मुक्त बनाने के अपने संकल्प को जनसहभागिता के साथ सफलता की सीढ़ी तक पहुंचाना है। स्वच्छता, स्वास्थ्य और जनसुविधा से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। जनता की सेवा और समस्याओं का समयबद्ध समाधान आपके सेवक की प्राथमिकता है।

JABALPUR ENGINEERING COLLEGE, JABALPUR

➤ 23 परीक्षा केंद्रों पर किया गया परीक्षा आयोजन

नीट परीक्षा में शामिल हुए 9 हजार से अधिक अभ्यर्थी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। यूजी मेडिकल पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा रविवार को जिले में राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया। इस दौरान जबलपुर में आयोजित नीट परीक्षा के दौरान 23 परीक्षा केंद्रों पर कुल 10,417 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 9,860 परीक्षार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया। एग्जाम दोपहर दो बजे से लेकर शाम पांच बजे तक आयोजित हुआ। अनिवार्य बायोमेट्रिक सत्यापन, सीसीटीवी मानिटरिंग सिस्टम, जैमर इत्यादि उपाय अपनाए गए हैं।

➤ रांझी के मड़ई में वारदात, प्रकरण दर्ज

युवक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कुंडम थाना अंतर्गत ग्राम भोकदादेवरी में एक 45 वर्षीय व्यक्ति द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने का दुखद मामला प्रकाश में आया है। घटना रविवार सुबह की बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, मृतक कमलेश झारिया (45 वर्ष) ने अपने घर के कमरे के अंदर बल्ली से कपड़े की रस्सी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मृतक के छोटे भाई मिलन झारिया ने थाने में दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को फंदे से उतारा और पंचनामा की कार्यवाही पूरी की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मर्ग कायम किया गया है।

बरगी क्रूज़ हादसे में कुल 13 मौतें

सर्चिंग में मिले 2 और शव

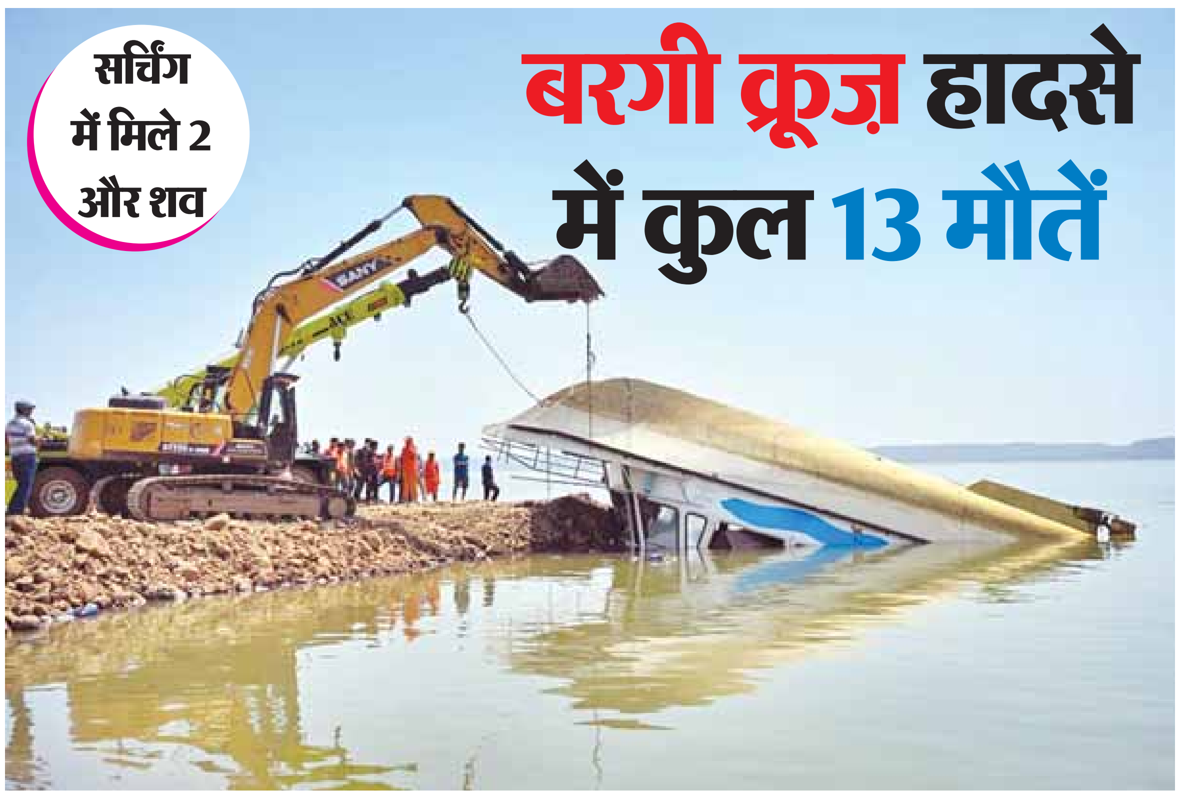

> बरगी डैम में हुए दर्दनाक क्रूज़ हादसे में जान गवांने वाले आखिरी दो लोगों के शव भी रविवार को सुबह सर्चिंग के दौरान पानी में उतराते हुए दिखे। इनमें 45 वर्षीय कामराज आर और उनका भतीजा 8 वर्षीय मयूरन शामिल हैं। इधर कामराज के परिजनों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि यह एक्सीडेंट नहीं, मर्डर है, हमें रेमेडी (मुआवजा) नहीं, जस्टिस चाहिए।

मृतकों के परिजनों ने लगाए गंभीर आरोप अधिकारियों पर कार्यवाही की मांग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

इसके लिए सारा का सारा एमपी टूरिज्म डिपार्टमेंट रिस्पॉन्सबल है। उनका कहना है कि अभी तक कितने ऑफिसर अरेस्ट किए गए, कितने सस्पेंड किए गए। साथ ही बोट ऑपरेटर कहां है और उसे अरेस्ट क्यों नहीं किया गया। उन्होंने सीधे तौर पर टूरिज्म डिपार्टमेंट को कटघरे में खड़ा किया और अफसरों पर सख्त कार्यवाही की मांग की। उनका कहना था कि कामराज की सैलरी एक लाख रुपए थी, ऐसे में सहायता राशि से नुकसान की भरपाई संभव नहीं है। एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हुई है, जब तक दोषियों पर सख्त कार्यवाही नहीं होगी, तब तक न्याय अधूरा रहेगा। इस घटना में अब तक कुल 13 लोगों की मौत हो चुकी है। जिनमें 4 मासूम बच्चे, 8 महिलाएं और एक पुरूष शामिल है। अकेले मृतक कामराज आर के परिवार से इस हादसे में 5 लोगों की मृत्यु हो चुकी हैं।

ये है पूरी घटना

विगत 30 अप्रैल की शाम करीब 5 बजे एमपी टूरिज्म का पर्यटकों से भरा क्रूज़ बरगी डैम में डूब गया था। उसमें करीब 47 पर्यटक सवार थे, जबकि टिकट सिर्फ 29 लोगों की ही कटी थी। हादसा किनारे से लगभग 300 मीटर दूर हुआ था। उस वक्त हवा की रफ्तार करीब 74 किमी/घंटा थी। इधर बरगी क्रूज़ हादसे में जान गंवाने वाले तमिलनाडु के पर्यटकों के शव उनके गृह राज्य भेजे गए। डुमना एयरपोर्ट से कार्गो विमान के जरिए शवों को त्रिची रवाना किया गया। शुरुआत में तकनीकी कारणों से एक कार्गो विमान में दिक्कत आई, जिसके बाद शवों को दूसरे विमान से भेजा गया। मृतकों के परिजन भी साथ में रवाना हुए हैं। प्रशासन की ओर से अन्य शवों को भी उनके गृह राज्यों तक पहुंचाने की तैयारी की जा रही है।

बवंडर को बताया हादसे की वजह

एमपी टूरिज्म के सलाहकार कमांडर राजेंद्र निगम के अनुसार, बरगी डैम हादसा अचानक आए मिनी बवंडर और तेज लहरों के कारण हुआ। उनका कहना है कि ऊंची लहरों से क्रूज़ का संतुलन बिगड़ गया, जिससे वह पलट गया। हालांकि, इस पूरे मामले में सबसे अहम सवाल अब भी अनसुलझा है कि जब मौसम विभाग ने पहले ही यलो अलर्ट जारी कर दिया था तो फिर क्रूज़ का ऑपरेशन क्यों नहीं रोका गया। यह भी स्पष्ट नहीं है कि खराब मौसम के दौरान किसी तरह की रियल-टाइम मॉनिटरिंग या अलर्ट सिस्टम मौजूद था या नहीं।

असली की जगह थमा दिए चिल्ड्रन बैंक लिखे नोट

जबलपुर। बेलखेडा थाने में गायत्री बाई लोधी उम्र 38 वर्ष निवासी गिधउ मोहल्ला ग्राम बेलखेडा ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि उसकी छोटी किराना दुकान है। आनंद सिंह ठाकुर निवासी सुंदरादेही से उसके पारिवारिक सम्बंध थे, जिससे उसका 3 वर्ष से रूपयों का लेनदेन चलता था जो समय पर रूपये वापस नहीं करता था। इसी बीच जब उसने पैसे मांगे तो आनंद द्वारा उससे कहा गया कि क्राइम ब्रांच मे उसका मोबाइल जब्त, इसलिए उस नम्बर पर कॉल मत करना। बाद में आनंद ने उसे एक मोबाइल नम्बर से फोन कर बोला आप पैसे लेने कटाई घाट ग्राम बेलखेडा आ जाओ। उसके मना करने पर आंनद ने कहा कि आपके पैसे लेकर वीरू अनुज तथा आर्यन आयेंगे। दूसरे दिन रात के समय आर्यन व वीरू घर के बाहर खडे थे, तथा अनुज उसके घर के अंदर एक थैले मे पैसे लेकर आया और थैला उसे दे दिया और बोला कि इसमे 15 लाख रूपये है उसने गड्डियॉ गिनी थी जिसमे उपर नीचे 500-500 के असली नोट थे।

घर में सो रहे परिवार पर बदमाशों ने पेट्रोल डालकर लगाई आग

एक युवक गंभीर रूप से झुलसा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मदन महल स्टेशन रोड इलाके में बीती देर रात बदमाशों ने एक रूह कंपा देने वाली वारदात को अंजाम दिया। अज्ञात बदमाशों ने एक घर की छत पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी, जिससे पूरे परिवार और वहां आए मेहमानों में भगदड़ मच गई। इस भीषण आगजनी में एक युवक बुरी तरह झुलस गया है, जिसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी अनुसार मदन महल क्षेत्र निवासी बान परिवार बीती रात अपने घर में सो रहा था। घर में कुछ मेहमान भी आए हुए थे। रात करीब 3:30 बजे अज्ञात बदमाशों ने घर की छत पर लगी सीमेंट शीट और प्लास्टिक की पन्नियों पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरा घर लपटों से घिर गया।

आग लगते ही मची चीख-पुकार- आग की लपटें देख घर के अंदर सो रहे सदस्यों और मेहमानों में चीख-पुकार मच गई। अपनी जान बचाने के लिए लोग बाहर की ओर भागे। इसी अफरा-तफरी के बीच छत पर लगा जलता हुआ प्लास्टिक शिवांश बान (युवक) पर गिर गया, जिससे वह बुरी तरह झुलस गया। परिजनों ने आनन-फानन में शिवांश को राइट टाउन स्थित मोहन लाल हरगोविंददास अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उसका उपचार जारी है।

आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस- पीड़ित रुद्राक्ष बान 20 वर्ष ने बताया कि घर में उसकी मां मनोरमा, बड़ी मां मालती, भाई शिवांश और अन्य सदस्य संयुक्त रूप से रहते हैं। घटना के समय घर में सोमलता ठाकुर, प्रीती ठाकुर, निर्मला सोन और हेमा पुरिया जैसे रिश्तेदार भी मौजूद थे। आगजनी में घर की पूरी गृहस्थी जलकर खाक हो गई है। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। मदन महल पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और हमलावरों की तलाश में जुटी है। इस घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।

सकारात्मक परिवर्तन के लिए युवाओं की भागीदारी अनिवार्य

प्रज्ञा प्रवाह द्वारा प्रांत युवा आयाम अभ्यास वर्ग संपन्न

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। महाकौशल विचार मंच एवं प्रज्ञा प्रवाह महाकौशल प्रांत के संयुक्त तत्वावधान में प्रांत युवा आयाम अभ्यास वर्ग का सफल आयोजन मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय में किया गया। इस अभ्यास वर्ग में महाकौशल प्रांत के 10 विभागों और 17 जिलों (जबलपुर, कटनी, रीवा, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, शहडोल, सिवनी आदि) से चयनित 40 सक्रिय कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता, अखिल भारतीय युवा आयाम प्रमुख श्री ईशान जोशी ने युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण और संगठनात्मक मजबूती के लिए युवाओं का सक्रिय होना अनिवार्य है। वहीं, अखिल भारतीय प्रचार आयाम प्रमुख एवं प्रसिद्ध लेखक श्री प्रशांत पोल ने अपने संबोधन में वैचारिक दृष्टि के विस्तार पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज में किसी सकारात्मक परिवर्तन के लिए युवाओं की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। इस अवसर पर प्रज्ञा प्रवाह के प्रांत संयोजक एडवोकेट राकेश सिंह, प्रांत सह-संयोजक डॉ. पुष्पराज बघेल, युवा आयाम प्रमुख डॉ. शुभांशु शर्मा और युवा आयाम सह-संयोजक डॉ. आशीष यादव सहित संगठन के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी और प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

डिवाइडर से टकराकर युवक हुआ था घायल इलाज के दौरान मौत

जबलपुर

संजीवनी नगर थाने में सुशील बर्मन उम्र 43 साल निवासी स्टार सिटी नक्षत्रनगर थाना माढोताल ने सूचना देकर बताया कि उसके छोटे भाई बसंत बर्मन उम्र 36 साल निवासी न्यू कालोनी थाना रीठी जिला कटनी का मेडिकल अस्पताल में इलाज चल रहा है। वह मेडिकल पहुंचा तो उसे पता चला कि उसके भाई की टक्कर डिवाइडर से हो गई थी। जिससे उसके सिर पर गहरी चोट आ गई। अस्पताल में इलाज के दौरान डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामले को जांच में लिया है।

लम्हेटा घाट पर युवक का शव मिलने से सनसनी

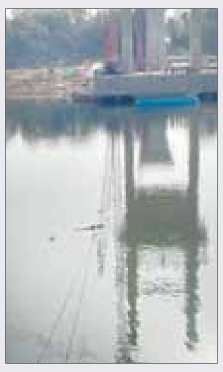

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहर के प्रसिद्ध नर्मदा तट स्थित लम्हेटा घाट पर रविवार की सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब वहां एक अज्ञात युवक का शव मिला। घाट पर शव मिलने की खबर जंगल में आग की तरह फैल गई, जिससे मौके पर स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जमा हो गई। जानकारी अनुसार स्थानीय निवासी प्रियंका यादव ने सबसे पहले शव को देखा और तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में ले लिया है। मृतक युवक की अभी पहचान नहीं हो पाई है और न ही मौत के स्पष्ट कारणों का पता चल सका है। हैरानी की बात यह रही कि घटना के बाद काफी देर तक पुलिस के बीच क्षेत्राधिकार को लेकर असमंजस की स्थिति बनी रही। संबंधित थानों के बीच सीमा विवाद के कारण कानूनी कार्रवाई में देरी हुई, जिसे लेकर स्थानीय ग्रामीणों और प्रत्यक्षदर्शियों में भारी नाराजगी देखी गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल अस्पताल भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शव की शिनाख्त के लिए आसपास के थानों में गुमशुदगी की रिपोर्ट चेक की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही साफ हो पाएगा। पुलिस मामले की हर पहलू से बारीकी से जांच कर रही है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों व प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ की जा रही है।

पमरे के स्टेशनों से होकर गुजरेगी पुणे-गोरखपुर स्पेशल ट्रेन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रेलवे द्वारा समर के दौरान यात्रियों की सुविधा हेतु एवं उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से विभिन्न गंतव्यों के लिए विशेष किराये पर समर स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इसी कड़ी में मध्य रेल से यात्रा मांग पर चल रही गाड़ी संख्या 01415/01416 पुणे-गोरखपुर-पुणे स्पेशल ट्रेन को विस्तारित करते हुए समर स्पेशल के अंतर्गत चलाने का निर्णय रेल प्रशासन द्वारा लिया गया है। यह समर स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेल के इटारसी, रानी कमलापति एवं बीना स्टेशनों से होकर अपने गंतव्य को जाएगी। गाड़ी संख्या 01415 पुणे से गोरखपुर समर स्पेशल ट्रेन दिनांक 15 मई से 15 जुलाई तक (62 ट्रिप) प्रतिदिन पुणे स्टेशन से सुबह 06.50 बजे प्रस्थान कर इटारसी रात 21.10 बजे, रानी कमलापति 23.15 बजे, पहुंचकर अगले दिन बीना मध्यरात्रि 01.25 बजे पहुंचकर मार्ग से होते हुए सायं 16 बजे गोरखपुर स्टेशन पहुंचेगी।

विद्युत कर्मी पर हमला कर क्षेत्र की लाइट कर दी गोल

दर्जनों बदमाशों ने विद्युत कार्यालय पर बोला धावा

जबलपुर। कोतवाली थाने में नारायण प्रसाद कोष्टा उम्र 50 वर्ष निवासी ने बताया कि वह वर्तमान में 33/11 केव्ही उखरी उपकेन्द्र में अपना कार्य रहे थे। इसी बीच 15 से 20 अज्ञात लोग उपकेन्द्र का मेन गेट कुदकर नियंत्रण कक्ष के अंदर अनाधिकृत रूप से आ गये और उनसे मारपीट करने लगे। अज्ञात व्यक्तियों ने नियंत्रण कक्ष में व्ही सी व्ही कन्ट्रोल पैनल का हैडल घूमाकर 33 के व्ही जबलपुर 2 फीडर बल पूर्वक बंद कर दिया गया। जिससे कई घरों की लाइट चली गई। पुलिस ने मामले को जांच में लिया है।

पब्लिक इंटरेस्ट के नाम पर सूचना रोकना गलतः हाईकोर्ट

आरटीआई मामले पर सरकार को झटका

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

आरटीआई के अधिकार बनाम निजता के सवाल पर अहम फैसला देते हुए मप्र हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को बड़ा झटका दिया है। दरअसल जस्टिस दीपक खोत की सिंगल बेंच ने स्पष्ट किया कि कर्मचारी की एसीआर (वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट) जैसी जानकारी को केवल पर्सनल इंफॉर्मेशन बताकर रोका नहीं जा सकता। इसके साथ ही हाईकोट ने राज्य सरकार की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें राज्य सूचना आयोग के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें आयोग ने संबंधित अधिकारी को सूचना उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे।

ये है पूरा मामला

दरअसल यह मामला एक आरटीआई आवेदन से जुड़ा था, जिसमें भोपाल की अरेरा कॉलोनी में रहने वाले रिटायर्ड आईएएस अधिकारी एमके दीक्षित ने अपनी ही एसीआर से संबंधित जानकारी मांगी थी। इस दौरान पब्लिक इंफॉर्मेशन ऑफिसर ने सूचना देने से इनकार किया। इसके खिलाफ दाखिल की गई प्रथम अपील भी खारिज हुई। लेकिन दूसरी अपील में सूचना आयोग ने जानकारी देने का आदेश दिया। इसी आदेश को राज्य सरकार ने मप्र हाईकोर्ट में चुनौती दी।

संतुलन बनाना जरूरी

मप्र हाईकोर्ट में राज्य सरकार की ओर से दलील दी गई कि मांगी गई जानकारी आरटीआई की संबंधित धाराओं के तहत पर्सनल इंफॉर्मेशन है। ऐसे में इस जानकारी को आवेदक से साझा नहीं किया जा सकता। जिसपर हाईकोर्ट ने राज्य की दलीलों को खारिज करते हुए कहा कि एसीआर से जुड़ी जानकारी कर्मचारी को दी जानी चाहिए। यह निजता का उल्लंघन नहीं बल्कि उसका अधिकार है। यदि एसीआर पहले से साझा नहीं की गई, तो आरटीआई के जरिए मांगना गलत नहीं। हाईकोर्ट ने माना कि पारदर्शिता और जवाबदेही, निजता से ऊपर हो सकती है, यदि मामला कर्मचारी के अपने रिकॉर्ड का हो। कोर्ट ने महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि राइट टू प्राइवेसी और राइट टू इंफॉर्मेशन दोनों संवैधानिक मूल्य हैं। इन दोनों के बीच संतुलन बनाना जरूरी है। हर मामले में पब्लिक इंटरेस्ट का आकलन परिस्थितियों के आधार पर किया जाएगा। हाईकोर्ट ने कहा कि सूचना आयोग का आदेश सही है। उसमें कोई कानूनी खामी नहीं है। इसलिए राज्य की याचिका खारिज कर दी गई और आयोग का आदेश बरकरार रखा गया।

South Avenue Mall · moviemagic · ruby moviemagic

RAJA SHIVAJI (HINDI)	11:45 AM ruby 9:30 AM & 6:10 PM
EK DIN (HINDI)	9:15 AM ruby 3:50 PM
THE DEVIL WEARS PRADA 2 (ENG)	ruby 9:50 AM, 5:10 PM & 7:30 PM
MICHAEL (ENG)	ruby 2:40 PM & 9:50 PM
BHOOTH BANGLA (HINDI)	10:30 AM, 3:15 PM, 6:30 PM, 9:45 PM & 10:15 PM ruby 12:50 PM, 9:30 PM
LEE CRONIN'S THE MUMMY (HINDI)	12:10 PM
DHURANDHAR THE REVENGE (HINDI)	1:45 PM, 6:00 PM

@moviemagic_jbp
MOVIE MAGIC NOW WITH 5 BIG SCREENS
Book tickets & F&B on Movie Magic App at ZERO PLATFORM FEE
☎ Bulk Booking / Advertising 9425807507
Movie Magic, South Avenue Mall, Narmada Road ☎ 9425807508

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-smatjbp1@ gmail.com, फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**